শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 22 | गुवाहाटी | रविवार, 23 अगस्त, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पीएम मोदी के जन्मदिन : भाजपा देशभर में एक माह तक मनाएगा सेवा संकल्प अभियान पेज 2
शिलांग में असमिया नागरिकों पर हमले की जांच के लिए एसआईटी... पेज 3
जयंत पर टिप्पणी करना बेहद शर्मनाक, जाट समाज से माफी मांगें अखिलेश : मायावती पेज 5
खिताब के लिए शीर्ष दो टीमों में भिड़ंत, गुवाहाटी रायल्स... पेज 7

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

वृद्धजन की सेवा ही विनय का आधार है।
– आचार्य चाणक्य

शिलांग में सेना और आरएएफ का फ्लैग मार्च, तनाव के बीच सुरक्षा कड़ी

शिलांग (हिंस)। मेघालय की राजधानी शिलांग में शनिवार को सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई। खासी स्टूडेंट्स यूनियन (केएसयू) की रैली के दौरान 19 अगस्त को हुई हिंसा के बाद सेना और रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) ने शहर के विभिन्न हिस्सों में फ्लैग मार्च किया। शिलांग में यह कदम उस घटना के बाद उठाया गया, जिसमें केएसयू के काले झंडे के विरोध-प्रदर्शन के दौरान असम से आए पर्यटकों के वाहनों को निशाना बनाया गया था। कई वाहनों के शीशे तोड़ दिए गए और कुछ पर्यटकों के घायल होने की भी सूचना है। हिंसा के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा। स्थिति को नियंत्रित करने में राज्य पुलिस की मदद के लिए केंद्र सरकार ने मेघालय में केंद्रीय सशस्त्र बलों की पांच कंपनियों की तैनाती को मंजूरी दी है। वहीं, घटना के बाद असम के विभिन्न संगठनों की ओर से भी कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। इसी बीच, असम के सीमा संरक्षण एवं विकास मंत्री अतुल बोरा और मेघालय के उपमुख्यमंत्री स्नियावभालांग -शेष पृष्ठ दो पर

असम : जोराबाट प्रदर्शन अस्थायी रूप से स्थगित मंत्री अतुल बोरा ने प्रदर्शनकारियों से की बातचीत

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के निर्देश पर मंत्री अतुल बोरा शनिवार को जोराबाट स्थित प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। वार्ता के बाद जोराबाट में चल रहा प्रदर्शन अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया। यह घटनाक्रम मेघालय सरकार की ओर से असम से मेघालय जाने वाले वाहनों और पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के आश्वासन के बाद हुआ। मेघालय सरकार ने असम से मेघालय जाने वाले सभी मार्गों पर पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भरोसा दिया है। साथ ही, शिलांग में हाल में हुई हिंसक घटनाओं पर दुख जताते हुए ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होने का आश्वासन दिया। मेघालय सरकार ने हिंसा के दौरान क्षतिग्रस्त वाहनों के लिए मुआवजा देने तथा घायलों के इलाज का खर्च वहन करने की बात कही है। मेघालय के मुख्य सचिव शकील -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

विदेश मंत्री जयशंकर 23-24 अगस्त को रूस की यात्रा पर जाएंगे

नई दिल्ली (हिंस)। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर 23 और 24 अगस्त को रूस की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। रूस के प्रथम उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के निमंत्रण पर होने वाली इस यात्रा के दौरान जयशंकर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी-टीईसी) के 27वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, आईआरआईजीसी-टीईसी की बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। यात्रा के दौरान विदेश मंत्री अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से भी मुलाकात करेंगे। दोनों नेता क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

जयंत पर टिप्पणी करना बेहद शर्मनाक, जाट समाज से माफी मांगें अखिलेश : मायावती

लखनऊ (हिंस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव के केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को लेकर दिए बयान पर हमला बोला है। उन्होंने अखिलेश यादव के बयान को अमर्यादित और शर्मनाक बताते हुए उनसे राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) और उसके नेता से ही नहीं, बल्कि पूरे जाट समाज से भी माफी मांगने की मांग की है। मायावती ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि सपा प्रमुख का अपनी पुरानी सहयोगी पार्टी रालोद और उसके नेता के बारे में यह कहना कि *हमने इनको चवन्नी से रुपया बना दिया है*, पूरी तरह अमर्यादित, अशोभनीय और शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि ऐसी अहंकारी और अलोकतांत्रिक बयानबाजी के लिए अखिलेश यादव को रालोद और उसके नेता के साथ-साथ चौधरी चरण सिंह के परिवार

फैंसी बाजार में 1 सितंबर से *नो-वेंडिंग जोन* लागू होंगे

गुवाहाटी। आवास और शहरी मामलों के मंत्री कौशिक राय ने आज कामरूप मेट्रो के जिला आयुक्त कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक की। इस बैठक में फैंसी बाजार की एसएस रोड, एमएस रोड और एचबी रोड को *नो-वेंडिंग जोन* घोषित करने के फैसले को लागू करने की समीक्षा की गई। बैठक में जीएमसी के मेयर मृगेन सरनिया, कामरूप मेट्रोपॉलिटन के जिला आयुक्त स्वप्निल पॉल, जीएमसी आयुक्त चिन्मय प्रकाश फुकन, डीसीपी (ट्रैफिक) जयंत सारथी बोरा के साथ-साथ असम पुलिस, जीएमसी और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। विस्तृत चर्चा के बाद यह तय किया गया कि एमएस रोड और एचबी रोड पर *नो-वेंडिंग जोन* के नियम 1 सितंबर, 2026 से लागू किए जाएंगे। ट्रैफिक और पार्किंग प्रबंधन के उपायों के तहत यह तय किया गया कि इन सड़कों पर कमर्शियल गाड़ियों को रात 9:00 बजे से सुबह 7 बजे तक चलने की अनुमति होगी। पब्लिक गाड़ियों की पार्किंग की अनुमति -शेष पृष्ठ दो पर

नखत्राणा में वाहन में जोरदार ब्लास्ट, चार की मौत

कच्छ (हिंस)। गुजरात के कच्छ के नखत्राणा क्षेत्र में शनिवार को एक छोटा हाथी वाहन में अचानक हुए जोरदार विस्फोट से चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो सगे भाई और करीब तीन वर्ष उम्र के दो मासूम बच्चे हैं। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। कोटडा जडोदरा के पास भागणवाड़ा क्षेत्र में एक छोटा हाथी वाहन गुजर रहा था। इसी दौरान उस वाहन में अचानक जोरदार विस्फोट हो गया। धमाका इतना शक्तिशाली था कि उसकी आवाज आसपास के दूर-दराज के क्षेत्रों तक सुनाई दी। विस्फोट की तीव्रता का अंदाजा इसी -शेष पृष्ठ दो पर

प्रवासी पंजाबियों के मुद्दों पर मंत्री रवजोत सिंह और ब्रिटिश सांसद तनमनजीत सिंह ढेसी की बैठक

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के प्रवासी मामलों के मंत्री रवजोत सिंह और ब्रिटिश सांसद एवं संसद की रक्षा समिति के अध्यक्ष तनमनजीत सिंह ढेसी ने गत दिवस चंडीगढ़ में मुलाकात कर प्रवासी पंजाबियों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों, पंजाब के साथ हवाई संपर्क, निवेश तथा उनकी संपत्तियों की सुरक्षा सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य परमजीत सिंह रायपुर भी उपस्थित थे। बैठक के दौरान श्री गुरु रामदास जी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, अमृतसर और शहीद भगत सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, चंडीगढ़ से अधिक अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने तथा मौजूदा सीधी हवाई सेवाओं का विस्तार करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। लंदन, बर्मिंघम और यूरोप के अन्य प्रमुख शहरों के साथ पंजाब का सीधा हवाई संपर्क और मजबूत करने के साथ-साथ दोनों हवाई अड्डों पर हवाई माल ढुलाई के लिए बेहतर कार्गो बुनियादी ढांचा विकसित -शेष पृष्ठ दो पर

नेपाल-बांग्लादेश के रास्ते पाकिस्तान तक हवाला नेटवर्क

बंगाल एसटीएफ की जांच के घेरे में प्रदीप्त

कोलकाता (हिंस)। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के संदेह में दिल्ली से गिरफ्तार किए गए सिलीगुड़ी निवासी प्रदीप्त कुमार सरकार को लेकर पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की जांच में कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, प्रदीप्त हवाला नेटवर्क से जुड़ा था और बांग्लादेश के रास्ते पाकिस्तान से जुड़े लोगों तक रकम पहुंचाने में उसकी भूमिका थी। जांचकर्ताओं को आशंका है कि हवाला के जरिए भेजी गई यह रकम आगे पाकिस्तानी जासूसों और उनके स्लीपर सेल तक पहुंचती थी। एसटीएफ के अनुसार, प्रदीप्त इस नेटवर्क के लिए एक विशेष मोबाइल सिम कार्ड का इस्तेमाल करता था। जांच में यह सामने आया है कि यह सिम पाकिस्तान से संचालित किया जा रहा था। एसटीएफ ने प्रदीप्त के पास से बरामद सिम कार्ड को फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे -शेष पृष्ठ दो पर

इंदिरा गांधी कृषि विवि पेपर लीक का मामला, प्रोफेसर समेत छह आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (हिंस)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की बीएससी कृषि द्वितीय वर्ष द्वितीय सेमेस्टर की कीटशास्त्र परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक करने के मामले में रायपुर पुलिस ने शनिवार को मुख्य आरोपी प्रोफेसर समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महज 36 घंटे के भीतर ही मामले का खुलासा करते हुए आरोपियों के कब्जे से 11 हजार रुपए नकद, छह मोबाइल फोन सहित प्रश्नपत्र लीक करने में इस्तेमाल सामग्री जब्त की है। मामले में दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला ने आज प्रेस वार्ता में मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 20 अगस्त को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक विश्वविद्यालय के अंतर्गत 28 कृषि महाविद्यालयों में एजीसीएच-221 (कीटशास्त्र) विषय की परीक्षा आयोजित होनी थी। परीक्षा शुरू होने से पहले ही सुबह करीब 8-41 बजे कवर्धा कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र के ई-मेल तथा करीब 8-54 बजे संबंधित अधिकारियों को प्रश्नपत्र लीक होने की सूचना मिली। छात्रों और छात्र प्रतिनिधियों ने भी -शेष पृष्ठ दो पर

शर्मिला टैगोर पर शमीक भट्टाचार्य का हमला

नाती का नाम तैमूर रखने वाले वंदे मातरम् पर जितना कम बोलें, उतना मंगल

कोलकाता (हिंस)। वंदे मातरम् को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच जारी सियासी घमासान के बीच पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष शमीक भट्टाचार्य ने अभिनेत्री शर्मिला टैगोर पर तीखा हमला बोला है। शर्मिला टैगोर ने हाल ही में कहा था कि धार्मिक रूप से विविधता वाले देश में *वंदे मातरम्* के पूरे गीत को लेकर कुछ समुदायों के लोगों को आपत्ति हो सकती है। उनके इस बयान पर भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। शमीक भट्टाचार्य ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि शर्मिला टैगोर अपनी निजी राय रखने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन उन्हें इतिहास और अपने परिवार के संदर्भ में भी बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शर्मिला टैगोर को भी भारतीय जनता पार्टी याद दिलाना चाहती है कि जिस तैमूर ने भारत पर आक्रमण किया, मंदिरों को नष्ट किया, लोगों की हत्या और जबरन धर्म परिवर्तन कराया, उसी नाम पर उनके घर में भी एक नाम है। उनके नाती का नाम तैमूर अली खान है। इसलिए वंदे मातरम् पर वह जितना कम बोलें, उतना -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूयॉर्क में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की वैश्विक कंपनियों के प्रतिनिधियों से वन-टू-वन बैठक

गांधीनगर (हिंस)। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान न्यूयार्क में वैश्विक कंपनियों के प्रतिनिधियों से वन-टू-वन बैठक की। मुख्यमंत्री ने जेपी मॉर्गन, टिलमैन ग्लोबल होल्डिंग, उबर और गोलुब कैपिटल के प्रतिनिधियों के साथ वन-टू-वन बैठकें कीं। इसके साथ ही उन्होंने आईबीएम रिसर्च का भी दौरा किया। मुख्यमंत्री पटेल के नेतृत्व में अमेरिका यात्रा में गए प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के विकास को वैश्विक पूंजी, अत्याधुनिक तकनीक और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है। इन बैठकों के दौरान गुजरात में वैश्विक निवेश, आधुनिक तकनीक, नीतिगत औद्योगिक विकास, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इससे राज्य के विकास मॉडल को वैश्विक अर्थव्यवस्था और तकनीकी क्षेत्र के नए अवसरों से जोड़ने की संभावनाएं और मजबूत हुई हैं। मुख्यमंत्री ने गिफ्ट सिटी को वैश्विक स्तर के वित्तीय केंद्र के रूप में और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से जेपी मॉर्गन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। जेपी मॉर्गन ने गिफ्ट सिटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए यहां अपनी उपस्थिति और कारोबार के विस्तार की योजनाओं की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक वित्तीय संस्थानों का बढ़ता विश्वास गिफ्ट सिटी को विश्व के प्रमुख वित्तीय केंद्रों में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने गोलुब कैपिटल के न्यूयॉर्क स्थित को-प्रेसिडेंट जेरी कीफ के साथ भी बैठक की। कंपनी ने गिफ्ट -शेष पृष्ठ दो पर

पंजाब के मुख्यमंत्री केवल चुटकुले सुनाकर टाइम पास कर रहे : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान केवल चुटकुले सुनाकर अपना टाइम पास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवंत मान बताएं कि आम आदमी पार्टी द्वारा पिछले चुनाव के समय महिलाओं व युवाओं से किए वादों का क्या हुआ? आम आदमी पार्टी ने महिलाओं से हर महीने 1000 रुपए देने का वादा किया था और सरकार बने 5 साल होने को है और अब अगले चुनाव सिर पर आ गए हैं तब भी पंजाब के मुख्यमंत्री स्टेज से महिलाओं से पूछ रहे हैं कि बहन एक महीने के पैसे खाते में डालूं या दो महीने के या तीन महीने के यह मजाक नहीं तो और क्या है? इसी प्रकार कानून-व्यवस्था की खराब हालत के चलते इंडस्ट्री पंजाब से पलायन कर रही है जिससे युवाओं के सामने रोजगार का संकट खड़ा है, हताश-निराश युवा लगातार नशे के दलदल में धंसता जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को पंजाब के पटियाला जिले के घनौर कस्बे में आयोजित तीज महोत्सव में पंजाब की मातृशक्ति को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महिलाओं को नारी सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और नशामुक्त समाज के निर्माण -शेष पृष्ठ दो पर

बीज से बाजार तक पूरी वैल्यू चेन मजबूत होना चाहिए : शिवराज सिंह

नई दिल्ली (हिंस)। डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की प्रगति और आगे की रणनीति पर शनिवार को पूसा में राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्राथमिकता के अनुरूप यह काफ़ी महत्वपूर्ण कार्य है, जिसका उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना, दालों में आत्मनिर्भरता लाना और खेती से जुड़ी सेवाओं को डिजिटल व पारदर्शी बनाकर खेतों तक वास्तविक असर पहुंचाना है। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, असम के मंत्री पियूष हजारिका, अरुणाचल प्रदेश के मंत्री ग्रेबियल डेन्वांग बागसू, नागालैंड के मंत्री महात यंथन और केंद्रीय कृषि सचिव अतीश चन्द्रा समेत राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अब समय आ गया है कि योजनाओं का असर सिर्फ रिपोर्टों में नहीं बल्कि खेतों में और किसानों की जेब में दिखे। उन्होंने राज्यों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप करेंगे तो जरूर होगा और कहा कि जिन जगहों पर गंभीरता और कौशल से -शेष पृष्ठ दो पर

जापानी प्रतिनिधिमंडल ने सारनाथ पहुंच बौद्ध विरासत को करीब से देखा

वाराणसी (हिंस)। भगवान बुद्ध की पावन धरती सारनाथ पर शनिवार को उत्तर प्रदेश और जापान के बीच सदियों पुराने बौद्ध एवं सांस्कृतिक संबंधों की एक और सशक्त कड़ी जुड़ी। जापान के यामानाशी प्रांत के राज्यपाल कोटारो नागासाकी के नेतृत्व में 75 सदस्यीय जापानी प्रतिनिधिमंडल ने तथागत बुद्ध की उपदेश स्थली सारनाथ का भ्रमण किया। प्रतिनिधि मंडल में राज्यपाल नागासाकी की पत्नी भी शामिल थीं। इस दौरान अतिथियों ने धामेक स्तूप और चौखंडी स्तूप समेत बुद्ध से जुड़े प्रमुख स्थलों की ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक विरासत को करीब से जाना। हाल ही में सारनाथ को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने के बाद जापानी प्रतिनिधिमंडल की यह यात्रा और भी खास मानी जा रही है। इस अंतर्राष्ट्रीय पहचान के साथ सारनाथ देश का 45वां और उत्तर प्रदेश का चौथा विश्व धरोहर स्थल बन गया है। यूनेस्को की सूची में शामिल होने से प्रदेश के बौद्ध सर्किट को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान मिली है। माना जा रहा है कि जापान जैसे बौद्ध परंपरा से गहरे जुड़ाव वाले देशों से पर्यटकों की रुचि बढ़ेगी और उत्तर प्रदेश में बौद्ध पर्यटन की संभावनाओं को नई गति मिलेगी। प्रतिनिधि मंडल के काशी आने पर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि सारनाथ को यूनेस्को विश्व धरोहर का दर्जा मिलने से उत्तर प्रदेश की बौद्ध पर्यटन पहचान को वैश्विक स्तर पर मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि यामानाशी प्रांत के प्रतिनिधिमंडल का सारनाथ आगमन भारत और जापान के सदियों पुराने बौद्ध एवं सांस्कृतिक संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण अवसर है। इससे जापान के अधिक से अधिक पर्यटकों को उत्तर प्रदेश की समृद्ध बौद्ध विरासत, ऐतिहासिक स्थलों और आध्यात्मिक परंपराओं से परिचित कराने में भी मदद मिलेगी। जापानी प्रतिनिधिमंडल की सदस्य युमी साइटो ने सारनाथ यात्रा को अपने लिए बेहद खास अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि यूनेस्को विश्व धरोहर के रूप में मान्यता मिलने के बाद सारनाथ की पावन धरती पर पहुंचना और भी विशेष -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

AFFIDAVIT

I, **PRAGADA KRISHNAVENI,** aged about - 38 years (D.O.B. 28/05/1988), permanent resident of Main Street, Chompapuram, Tekkali, Mandalam, Ayodhyapuram, in the district of Srikakulam, Andhra Pradesh, PIN-532201 and presently residing at 3 Airformation, Signal Regiment, C/o. 99 APO, Borjhar, Guwahati-781015, District - Kamrup (M), Assam. My actual and correct name is **PRAGADA KRISHNAVENI,** which is recorded in my Aadhaar card vide No. 2353 8426 6187. I am the wife of Pragada Ranga Rao, Rank - HAV, Army No. 15671713Y. In his Service book, my name has been recorded as **KRISHNAVENI PRAGADA** instead of **PRAGADA KRISHNAVENI.** I do hereby declare that **PRAGADA KRISHNAVENI** and **KRISHNAVENI PRAGADA** is the one and same person having single identity i.e. myself.

AFFIDAVIT

I, **PRAGADA YASWANTH KUMAR,** aged about - 19 years (D.O.B. 08/09/2007), permanent resident of Main Street, Chompapuram, Tekkali, Mandalam, Ayodhyapuram, in the district of Srikakulam, Andhra Pradesh, PIN-532201 and presently residing at 3 Airformation, Signal Regiment, C/o. 99 APO, Borjhar, Guwahati-781015, in the District of Kamrup (M), Assam. My actual and correct name is PRAGADA YASWANTH KUMAR, which is recorded in my Aadhaar card vide No. 6164 0788 3989 and my educational documents. I am the son of Pragada Ranga Rao, Rank - HAV, Army No. 15671713Y, in his Service book, my name has been recorded as **PRAGADA YASHWANT KUMAR** instead of **PRAGADA YASWANTH KUMAR.** I do hereby declare that **PRAGADA YASWANTH KUMAR** and **PRAGADA YASHWANT KUMAR** is the one and same person having single identity i.e. myself.

पीएम मोदी के जन्मदिन : भाजपा देशभर में एक माह तक मनाएगा *सेवा संकल्प अभियान*

नई दिल्ली (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर के उपलक्ष्य में देशभर में एक महीने तक चलने वाले *सेवा संकल्प अभियान* की घोषणा की है। एक माह के महाअभियान के तहत सेवा पखवाड़ा, सेवा में मेरा योगदान, सेवा सेतु अभियान, राष्ट्रीय इंनोवेशन चैलेंज सहित कई कार्यक्रम प्रदेश से बूथ स्तर तक आयोजित किए जाएंगे। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद विनोद तावड़े ने शनिवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि नई राष्ट्रीय टीम के गठन के बाद राष्ट्रीय पदाधिकारियों की पहली बैठक हुई। इसके बाद प्रदेश अध्यक्षों, संगठन महामंत्रियों और राज्य स्तरीय टीमों के साथ कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें आगामी अभियान की तैयारियों पर चर्चा हुई। तावड़े ने कहा कि भाजपा हर वर्ष 17 सितंबर, प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के अवसर पर देशभर में *सेवा पखवाड़ा* आयोजित करती है। इस वर्ष 7 अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के 25 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं। इन्हीं दोनों अवसरों को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने एक महीने तक चलने वाला राष्ट्रव्यापी *सेवा संकल्प अभियान* शुरू करने का फैसला किया है। अभियान के तहत देशभर में विभिन्न सेवा और जनसंपर्क से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के तहत इस बार आंगनबाड़ी में काम करने वाली माताओं को उनके सामाजिक कार्यों के लिए सम्मानित किया जाएगा। आंगनबाड़ी सेविका समाज में योजनाओं को जमीन तक उतारने में अहम भूमिका निभाती है। इस कार्यक्रम के तहत इन सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए विशेष आयोजन किया जाएगा। इसके तहत भाजपा 14 लाख से ज्यादा आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचेगा और वहां कार्यरत महिलाओं को उनकी सेवा के लिए सम्मानित किया जाएगा। विनोद तावड़े ने बताया कि इसी अभियान के तहत सेवा में मेरा योगदान कार्यक्रम भी चलाया जाएगा। इसके तगत युवा के साथ लोगों से अपील की जाएगी कि वे सेवा करते हुए कोई भी रील बनाएं और उसे सोशल मीडिया पर साझा करें। सेवा कार्यों में स्वच्छता, टीबी उन्मूलन को लेकर कोई भी सेवा के काम को लेकर कार्यकर्ता लोगों को प्रेरित करेंगे कि वे इसकी रील बनाए और प्रसारित करें। उन्होंने बताया कि महाअभियान के तहत *सेवा सेतु अभियान* भी चलाया जाएगा जिसमें सरकारी योजनाओं से अब तक वंचित पात्र लोगों की पहचान कर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने में सहायता की जाएगी। इसके लिए लोग आवश्यक दस्तावेजों के साथ ब्लॉक स्तर पर पहुंचकर आवेदन कर सकेंगे। इसके साथ राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज भी आयोजित की जाएगी जिसमें युवाओं को शोधकार्यों से जुड़ी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। यह प्रतियोगिताएं बूथ, ब्लॉक, जिला, प्रदेश स्तर पर आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि आज इसे लेकर राष्ट्रीय स्तर पर कार्यशाला आयोजित की गई है। आने वाले एक हफ्ते में इस अभियान के क्रियान्वयन को लेकर प्रदेश, जिला, ब्लॉक स्तर पर कार्यशाला होगी।

बिहार के पश्चिम चंपारण में ऑर्केस्ट्रा देख रहे लोगों को तेज रफ्तार बस ने रौंदा, पांच की मौत

पश्चिम चंपारण (हिंस)। बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के लौरिया थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। बेतिया-लौरिया मुख्य मार्ग पर पराउ टोला बनकटवा के पास तेज रफ्तार यात्री बस सड़क किनारे चल रहे ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रम में जा घुसी और वहां मौजूद लोगों को रौंद दिया। हादसे में मृतकों की पहचान लौरिया थाना क्षेत्र के बनकटवा निवासी बहादुर महतो, संजय कुमार, भोला दुबे, देवेंद्र दुबे और छांगुर राम के रूप में हुई है। बताया गया है कि देवेंद्र दुबे के बेटे की छठी का कार्यक्रम था और इसी मौके पर ऑर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़क किनारे मौजूद थे। पुलिस के अनुसार, यात्री बस गोरखपुर से बेतिया की ओर जा रही थी। बगहा-लौरिया मुख्य मार्ग पर सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से टक्कर से बचने के प्रयास में बस चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया। अनियंत्रित बस सड़क किनारे चल रहे ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रम में जा घुसी और वहां मौजूद लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया। सूचना मिलने पर लौरिया थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की मदद से बेतिया स्थित जीएमसीएच भेजा गया। वहां घायलों का इलाज चल रहा है। घायलों में विनय कुमार यादव, श्याम बाबू, मोती चंद्र महतो और नरेश राम समेत अन्य लोग शामिल बताए जा रहे हैं। घटना के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने बस और ट्रक में तोड़फोड़ शुरू कर दी। बताया गया कि हादसे के समय बस में करीब 15 यात्री सवार थे। भीड़ ने सभी यात्रियों को बस से नीचे उतार दिया और इसके बाद वाहन में तोड़फोड़ की। लोगों ने ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रम में लगी कुर्सियों और स्पीकर को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद इलाके में तनाव और अफरातफरी की स्थिति बन गई। हंगामे की सूचना मिलने पर नरकटियागंज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) जयप्रकाश सिंह तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया और बस में सवार यात्रियों को वहां से सुरक्षित निकलवाया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ट्रक से टक्कर से बचने के दौरान बस के अनियंत्रित होने से यह हादसा हुआ। पुलिस दोनों वाहनों के चालकों की भूमिका और हादसे की परिस्थितियों की भी जांच कर रही है।

राष्ट्रभक्ति का लबादा ओढ़कर तुष्टिकरण की राजनीति कर रही कांग्रेस : भाजपा

नई दिल्ली (हिंस)। वंदे मातरम् को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस राष्ट्रभक्ति का लबादा ओढ़कर तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। भाजपा ने 19 अगस्त को कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में पारित प्रस्ताव को लेकर भी सवाल उठाए हैं। भाजपा मुख्यालय में शनिवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में सांसद डॉ. संबित पात्रा ने कहा कि कांग्रेस द्वारा पारित हालिया प्रस्ताव 1937 में कलकत्ता में कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा लिए गए उस फैसले की याद दिलाता है, जिसमें वंदे मातरम् के छह पदों में से केवल दो पदों को गाने की बात कही गई थी। उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि वंदे मातरम् के पूरे स्वरूप को लेकर उसका रुख क्या है। 15 अगस्त को कांग्रेस कार्यालय में वंदे मातरम् के गायन से जुड़ी घटना का भी उल्लेख करते हुए संबित पात्रा ने कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में दो पदों के बाद सोनिया गांधी को *स्टॉप-स्टॉप* कहते हुए सुना गया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् महज एक गीत नहीं बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन, राष्ट्र भावना और भारत के गौरव से जुड़ा प्रतीक है। वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर देशभर में इसके प्रति सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव देखने को मिल रहा है।

अमित शाह का बंगाल के पहाड़ी क्षेत्र के लिए जल्द स्थायी राजनीतिक समाधान का आश्वासन

नई दिल्ली (हिंस)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी की मौजूदगी में शनिवार को सिलिगुड़ी में पश्चिम बंगाल के पहाड़ी क्षेत्र के विभिन्न हितधारकों और प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। बैठक में केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। गृह मंत्रालय के अनुसार, बैठक में पश्चिम बंगाल के पहाड़ी क्षेत्र की आबादी से जुड़े सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान पहाड़ी क्षेत्र के लोगों की पृथक पहचान, स्थायी राजनीतिक समाधान और भारत के संविधान के तहत मान्यता से संबंधित मांगों को भी रखा गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत के संविधान के दायरे में शीघ्र स्थायी राजनीतिक समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने पहाड़ी समुदाय की अन्य सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराकर सभी लंबित मुद्दों का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में स्थायी राजनीतिक समाधान से जुड़े मॉडेलिटीज को अंतिम रूप देने के लिए पूर्व उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार एवं वर्तमान वार्ताकार पंकज कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। यह समिति भारत के संविधान के तहत पश्चिम बंगाल के पहाड़ी क्षेत्र के लोगों के लिए स्थायी राजनीतिक समाधान की दिशा में तैयार किए जाने वाले अंतिम समझौते के विवरण को अंतिम रूप देगी। बैठक में सांसद राजू बिस्ता, सांसद हर्षवर्धन सिंगला, पहाड़ मंत्री बिशाल लामा, जीजेएम नेता बिमल गुरुंग, जीएनएलएफ नेता मान घीसिंग, विधायक भरत छेत्री, विधायक सोनम लामा, विधायक नोमन राई, सीपीआरएम नेता जेबी राई, गोरानिमो नेता दावा पाखरीन, सुमेती नेता बिकाश राई सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

अकाली दल वारिस पंजाब दे ने मजीठा से पपलप्रीत सिंह को उम्मीदवार घोषित किया

चंडीगढ़ (हिंस)। अकाली दल वारिस पंजाब दे ने आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए मजीठा विधानसभा सीट से पपलप्रीत सिंह को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। पपलप्रीत सिंह खडूर साहिब से सांसद और पार्टी प्रमुख अमृतपाल सिंह का करीबी सहयोगी और लंबे समय से उनके साथ जुड़ा रहा है। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और अमृतपाल सिंह के पिता तरसेम सिंह ने शुक्रवार को मजीठा हलके में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पपलप्रीत सिंह के नाम का ऐलान किया। पपलप्रीत सिंह का नाम अजनाला पुलिस स्टेशन की घटना के बाद अमृतपाल सिंह के साथ जुड़ा रहा है। इसके बाद दोनों को असम की डिब्रूगढ़ जेल में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में रखा गया था। पपलप्रीत की एनएसए हिरासत 10 अप्रैल 2025 को खत्म होने के बाद उसे पंजाब की जेल में स्थानांतरित कर दिया गया था। पपलप्रीत सिंह को अप्रैल 2023 में अमृतसर के कथुनंगल इलाके से *वारिस पंजाब दे* संगठन के खिलाफ हुई कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार किया गया था। सिंह को अमृतपाल सिंह के प्रमुख सलाहकारों में से एक माना जाता है। पपलप्रीत सिंह सिख कार्यकर्ता के तौर पर भी सक्रिय रहा है। वर्ष 2015 में सरबत खालसा के दौरान दिए गए एक भाषण के बाद उन्हें राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पपलप्रीत सिंह मजीठा क्षेत्र के मराड़ी गांव निवासी है।

पृष्ठ एक का शेष

शिलांग में सेना...

धर ने शनिवार को गुवाहाटी में दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में शिलांग की घटना के बाद पैदा हुए तनाव और जोरबाट में हुए विरोध-प्रदर्शनों की स्थिति की समीक्षा की गई तथा आगे तनाव बढ़ने से रोकने के उपायों पर चर्चा हुई। बोरा ने शिलांग की घटना को *अनुचित और दुर्भाग्यपूर्ण* बताते हुए कहा कि असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने घटना के बाद तत्काल कदम उठाए। उन्होंने बताया कि शर्मा ने मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा से बातचीत की थी, जिसके बाद दोनों राज्यों के बीच शांति बनाए रखने और लोगों की आवाजाही सुचारू करने के उपायों पर चर्चा की जिम्मेदारी दी गई। असम के मंत्री ने दोनों राज्यों के लोगों से शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील की तथा असम और मेघालय के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों का हवाला दिया। शिलांग की हिंसा के बाद असम में मोटर वाहन श्रमिक संगठनों ने विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। अगले दिन जोरबाट में प्रदर्शन शुरू हुआ, जहां प्रदर्शनकारियों ने मेघालय के पंजीकरण वाले वाहनों को असम में प्रवेश करने से रोका और कुछ वाहनों को वापस लौटने के लिए मजबूर किया। जोरबाट में विरोध-प्रदर्शन शनिवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। प्रदर्शनकारी शिलांग में क्षतिग्रस्त वाहनों के लिए मुआवजे और संबंधित अधिकारियों से माफी की मांग कर रहे हैं। किसी भी अप्रिय स्थिति को रोकने के लिए इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस और रिजर्व पुलिस बल की तैनाती की गई है। एक प्रदर्शनकारी कैब चालक ने कहा कि वाहन चालक इस मामले का समाधान और क्षतिग्रस्त वाहनों के लिए मुआवजा चाहते हैं। चालक ने शिलांग में केएसयू के प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि जोराबाट में पुलिस की तैनाती के कारण मेघालय के वाहनों को नुकसान से बचाने में मदद मिली है। शिलांग में हिंसा के बाद केएसयू के तीन वरिष्ठ पदाधिकारियों-अध्यक्ष रेमंड खारजाना, उपाध्यक्ष पिन्कमेनलांग सनमिएत और महासचिव रूबेन नजियार को देर रात गिरफ्तार किया गया था। ये गिरफ्तारियां हिंसा के सिलसिले में की गईं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कहा था कि उन्होंने मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा से बातचीत की है और तत्काल प्राथमिकता मेघालय में तनावपूर्ण स्थिति के बीच फंसे असम के लोगों की चिंताओं को दूर करना है। शिलांग में सुरक्षा बलों की अतिरिक्त तैनाती और जोराबाट में पुलिस की मौजूदगी के बीच दोनों राज्यों के अधिकारी अब स्थिति को और बिगड़ने से रोकने तथा असम-मेघालय के बीच लोगों और वाहनों की आवाजाही सामान्य बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

असम : जोराबाट प्रदर्शन...

पी. अहमद को नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया है। असम-मेघालय के बीच मौजूदा तनाव और शिलांग की हिंसक घटनाओं को लेकर दोनों राज्यों के अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक के बाद मेघालय के उपमुख्यमंत्री स्नीआवभालांग धर ने ये आश्वासन दिए।

प्रवासी पंजाबियों के ...

करने के संबंध में भी विचार-विमर्श किया गया। तनमनजीत सिंह ढेसी ने कहा कि पंजाब और विदेशों में बसे पंजाबियों के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए बेहतर हवाई एवं कार्गो संपर्क बेहद जरूरी है। इससे अन्य राज्यों सहित पंजाब के उद्योग, कृषि, व्यापार, पर्यटन और रोजगार के अवसरों को बड़ा प्रोत्साहन मिलने के साथ-साथ प्रवासी पंजाबियों द्वारा राज्य में निवेश को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। बैठक के दौरान प्रवासी पंजाबियों से जुड़े भूमि एवं संपत्ति विवादों का मुद्दा भी विशेष रूप से उठाया गया। ढेसी ने ऐसे मामलों का निर्धारित समय के भीतर निपटारा करने तथा एनआरआई को बार-बार पंजाब आने अथवा लंबे समय तक न्यायिक एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं में उलझे रहने से बचाने के लिए प्रभावी व्यवस्था किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विदेशों में रह रहे पंजाबियों के साथ होने वाली संपत्ति संबंधी धोखाधड़ी, साइबर अपराधों और अन्य शिकायतों का त्वरित निपटारा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इस अवसर पर विदेशों में बसे पंजाबी कारोबारियों, उद्योगपतियों और खेल प्रमोटरों को मिल रही धमकियों तथा फिरौती की मांगों पर भी चिंता व्यक्त की गई। ढेसी ने कहा कि विदेशों में रह रहे पंजाबियों की सुरक्षा और उनके कारोबारी हितों की रक्षा से जुड़े मामलों को केंद्र सरकार तथा संबंधित सुरक्षा एजेंसियों के ध्यान में लाना आवश्यक है। इसके अलावा श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर को पुन: खोलने तथा इसके माध्यम से श्रद्धालुओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के संबंध में भी विचार-विमर्श किया गया। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि पंजाब और विदेशों

नखत्राणा में वाहन में ...

बात से लगाया जा सकता है कि वाहन के पिछले हिस्से के पुर्जे उखड़कर दूर जा गिरे और घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में वाहन सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान मोहम्मद इलियास कुंभार (30 वर्ष), नूर मोहम्मद इलियास कुंभार (26 वर्ष), हुसैन मोहम्मद (3 वर्ष) और नूर फातिमा नूर मोहम्मद (3 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही नखत्राणा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वाहन में विस्फोट किस कारण हुआ। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि वाहन में रखी किसी सामग्री के कारण इतना शक्तिशाली विस्फोट हुआ या इसके पीछे कोई अन्य वजह थी। पुलिस ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत जांच और फोरेंसिक परीक्षण के बाद ही विस्फोट के वास्तविक कारण का पता चल सकेगा।

फैंसी बाजार में 1 ...

होगी। हाथ-गाड़ियों/ठेलों को भी अनुमति दी जाएगी। इसके अलावा, यह भी तय किया गया कि यही नियम एसएस रोड पर भी लागू होंगे। हालांकि, एसएस रोड पर *नो-वेंडिंग जोन* के नियम को लागू करने की तारीख बाद में अलग से तय की जाएगी। श्री राय ने इस फैसले को सुचारू और व्यवस्थित ढंग से लागू करने के लिए सभी संबंधित पक्षों के बीच बेहतर तालमेल की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि इन उपायों को इस तरह से लागू किया जाए जिससे ट्रैफिक का बहाव बेहतर हो, पैदल चलने वालों की सुरक्षा बढ़े और व्यस्त कमर्शियल इलाके में वेंडिंग गतिविधियों का बेहतर प्रबंधन हो सके। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि इस पहल का मकसद फैंसी बाजार को ज़्यादा व्यवस्थित, सुलभ और सुरक्षित बनाना है, साथ ही आने-जाने वालों की आवाजाही को सुचारू रखना और व्यवस्थित कमर्शियल गतिविधियों को बढ़ावा देना है।

बंगाल एसटीएफ की ...

हैं कि इस सिम का संचालन कौन कर रहा था और इसके जरिए किन लोगों से संपर्क किया जाता था। जांच के मुताबिक, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े संदिग्ध नेटवर्क ने नेपाल को गलियारे के तौर पर इस्तेमाल करते हुए उत्तर बंगाल और फिर बांग्लादेश तक हवाला का नेटवर्क तैयार किया था। प्रदीप्त इस नेटवर्क में अहम कड़ी के रूप में काम कर रहा था। बांग्लादेश में उसके कुछ सहयोगियों की भी भूमिका की जांच की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, हवाला के जरिए भेजी गई रकम बांग्लादेश में मौजूद नेटवर्क के लोगों तक पहुंचती थी और वहां से उसके पाकिस्तान से जुड़े संदिग्ध लोगों तथा स्लीपर सेल तक पहुंचने की आशंका है। हवाला से जुड़े लेन-देन का हिसाब-किताब देखने के लिए प्रदीप्त को समय-समय पर बांग्लादेश भी जाना पड़ता था। इसी दौरान जांच एजेंसियों की नजर उस पर पड़ी। एसटीएफ अब यह भी जांच कर रही है कि प्रदीप्त का संबंध जाली नोटों के कारोबार से था या नहीं। जांचकर्ताओं को आशंका है कि हवाला नेटवर्क के अलावा वह जाली नोटों की तस्करी से जुड़े लोगों के संपर्क में भी हो सकता है। उसके मोबाइल फोन, सिम कार्ड और अन्य संपर्कों की जांच की जा रही है। इसी मामले में जाली नोट और सिम कार्ड की तस्करी के आरोप में इस्लामपुर से गिरफ्तार फजले रब्बी सिद्दीकी को शुक्रवार को दिनहाटा महकमा अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसे सात दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया। रब्बी इस्लामपुर के तृणमूल कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष जाकिर हुसैन का भाई बताया जाता है। उसे स्थानीय पुलिस की मदद से राज्य पुलिस की एसटीएफ ने इस्लामपुर के पाटागोरा ग्राम से गिरफ्तार किया था। जांच में यह भी सामने आया है कि रब्बी पहले सांप के जहर की तस्करी से जुड़े एक मामले में भी संदिग्ध रहा है।

इंदिरा गांधी कृषि विवि ...

व्हाट्सएप के माध्यम से प्रश्नपत्र के कुछ प्रश्न वायरल होने की जानकारी विश्वविद्यालय को दी थी।इसके बाद थाना तेलीबांधा में मामला दर्ज किया गया। पुलिस उपायुक्त राजनाला ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना तेलीबांधा पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई। 100 से अधिक पुलिसकर्मियों की टीम ने सोशल मीडिया पर वायरल प्रश्नपत्र, स्क्रीनशॉट, फोटो, मैसेज और पोस्ट का तकनीकी विश्लेषण किया। पुलिस ने प्रश्नपत्र सबसे पहले किस अकाउंट, मोबाइल नंबर या डिजिटल माध्यम से प्रसारित हुआ, इसकी टाइमलाइन और डिजिटल संपर्कों की जांच की। तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर पुलिस को दुर्ग निवासी अनुज मिंज के संबंध में जानकारी मिली। इसके बाद कबीरधाम, रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर और आसपास के जिलों में अलग-अलग टीमें भेजी गईं। लगातार 36 घंटे की कार्रवाई के बाद पुलिस ने प्रश्नपत्र लीक के स्रोत तक पहुंचकर छह आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त राजनाला के मुताबिक, मामले का मुख्य आरोपी और मास्टरमाइंड भारती एग्रीकल्चर कॉलेज, दुर्ग का प्रोफेसर योगेश सोनकेसरिया है। वह वर्ष 2019 से कॉलेज में प्रोफेसर के पद पर पदस्थ है। पिछले करीब एक वर्ष से वह अपने कॉलेज की उत्तर पुस्तिकाएं जमा करने और आगामी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र प्राप्त कर उन्हें कॉलेज तक ले जाने का काम कर रहा था।

नाती का नाम तैमूर ...

ही मंगल होगा। दरअसल, *वंदे मातरम्* के पूरे गीत को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच विवाद तेज है। भाजपा का तर्क है कि गीत के केवल पहले दो अंतरों तक सीमित रहने के बजाय पूरा गीत गाया जाना चाहिए। इसी मुद्दे पर पार्टी की ओर से नए कानून की बात भी कही गई है। शर्मिला टैगोर ने इस पर कहा था कि देश में ऐसे लोग भी हैं जो एकेश्वरवाद में विश्वास करते हैं और देवी-देवताओं की पूजा नहीं करते। उनके मुताबिक, गीत की कुछ पंक्तियां ऐसे लोगों के लिए असहज हो सकती हैं। उन्होंने कहा था कि गीत के शुरुआती दो अंतरे मातृभूमि के प्रति सम्मान और प्रेम की भावना व्यक्त करते हैं और उन्हें व्यापक रूप से स्वीकार किया जा सकता है। शर्मिला के बयान के बाद भाजपा नेताओं की ओर से लगातार प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इससे पहले अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने भी उनके बयान पर निशाना साधा था। अब शमीक भट्टाचार्य की टिप्पणी ने इस राजनीतिक विवाद को और तीखा कर दिया है। शर्मिला टैगोर के नाती तैमूर अली खान के नाम को लेकर पहले भी कई बार विवाद हो चुका है। सैफ अली खान और करीना कपूर के बड़े बेटे के जन्म के बाद उनके नाम को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बहस हुई थी। हालांकि करीना कपूर ने बताया था कि *तैमूर* का अर्थ *लोहा* होता है और उन्होंने बेटे का नाम मजबूती और दृढ़ता के प्रतीक के तौर पर रखा था। अब वर्षों पुराने इसी नाम विवाद को शमीक भट्टाचार्य ने *वंदे मातरम्* की बहस के बीच फिर उठा दिया है।

पंजाब के मुख्यमंत्री...

का संदेश दिया। उन्होंने महिलाओं को कोथलियां और सूट वितरित किए तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली महिला कलाकारों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले चुनाव में तो आम आदमी पार्टी ने पंजाब के लोगों को गुमराह करके वोट ले लिए लेकिन इस बार पंजाब की जनता, विशेषकर माताएं-बहनें पूरी तरह से जागरूक हैं। इस बार महिलाएं पंजाब में बदलाव करने के लिए तत्पर हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर वे पंजाब में भाजपा की सरकार बनाकर पुन: हंसता-खेलता पंजाब बनाएंगी। पंजाब का युवा वर्ग भी अब यहां भाजपा सरकार बनाने का मन बना चुका है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में महिलाओं के लिए लागू की गई सब योजनाएं पंजाब में भाजपा सरकार बनने के बाद यहां के लोगों के लिए भी लागू की जाएंगी। हरियाणा की तरह पंजाब के किसानों की सभी फसलों को भी एमएसपी पर खरीदा जाएगा और आलू सहित अन्य सब्जियों व फलों के लिए भावांतर भरपाई योजना लागू की जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महिलाओं को तीज की बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्योहार केवल सावन की हरियाली और खुशियों का त्योहार नहीं, बल्कि सुहाग, सौभाग्य, प्रेम, श्रद्धा और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का पर्व है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज वे अपनी बहनों के बीच भाई बनकर उनके लिए कोथली लाए हैं। इस कोथली में केवल मिठाई नहीं, बल्कि रिश्तों की मिठास, सम्मान की खुशबू और बहनों की खुशहाली की दुआ भी है।

न्यूयॉर्क में मुख्यमंत्री ...

सिटी में निवेश करने तथा बैंकिंग, इंश्योरेंस और एक्सचेंज क्षेत्र से जुड़े वैश्विक भागीदारों को गिफ्ट सिटी के प्लेटफॉर्म से जोड़ने में रुचि दिखाई। वहीं, टिलमैन ग्लोबल होल्डिंग के संस्थापक एवं चेयरमैन संजीव आहूजा के साथ हुई बैठक में गुजरात की प्रो-एक्टिव नीतियों की सराहना की गई। विशेष रूप से गुजरात की प्रगतिशील डेटा सेंटर नीति को उद्योग के लिए अनुकूल बताया गया। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि अनुकूल नीतिगत वातावरण और सरकार-उद्योग के बीच मजबूत सहयोग से डेटा सेंटर क्षेत्र का विकास और तेज हो सकता है। इससे धोलेरा को अगली पीढ़ी के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के वैश्विक हब के रूप में विकसित करने की संभावनाएं भी मजबूत हुई हैं। उबर ने गुजरात के टियर-2 और टियर-3 शहरों में अपनी सेवाओं का विस्तार करने में रुचि दिखाई है। इससे राज्य के छोटे और मध्यम शहरों में परिवहन एवं कनेक्टिविटी की सुविधाएं बेहतर होने की संभावना है। गुजरात में होने वाले आगामी बड़े खेल आयोजनों के लिए भी उबर ने साझेदारी की संभावनाओं में रुचि व्यक्त की है। इससे खिलाड़ियों और आगंतुकों के लिए सुगम परिवहन व्यवस्था विकसित करने के नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

बीज से बाजार तक...

काम हुआ है। वहां लक्ष्यों को 100 प्रतिशत से ऊपर हासिल किया गया जबकि जहां कोशिश कम रही वहां परिणाम पीछे रहे, इसलिए उन्होंने राज्यों से पूरी जिम्मेदारी और समयबद्ध कार्रवाई की अपेक्षा रखी। उन्होंने फार्मर आईडी के महत्व पर विशेष जोर दिया और बताया कि फार्मर आईडी बनने के बाद भुगतान सीधे किसान के खाते में जा रहे हैं जिससे भुगतान तेज और पारदर्शी हुआ है। महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के उदाहरण देते हुए केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि समय पर भुगतान से बड़े पैमाने पर लाभ देखा गया और केंद्र ने फार्मर आईडी बनवाने और शिविर चलाने के लिए फंड भी उपलब्ध करवाया है, इतना ही नहीं उन्होंने स्पष्ट किया कि तकनीकी रूप से एक महीने के भीतर आईडी बनना संभव है पर यह तभी होगा जब शिविर ईमानदारी और सही तरीके से चलें और पैसा कार्यक्रम के नाम पर बर्बाद न हो।

जापानी प्रतिनिधिमंडल ने...

रहा। भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश से जुड़े स्थलों का भ्रमण करने के साथ धामेक और चौखंडी स्तूप को करीब से देखना, भारत और जापान के सदियों पुराने साझा आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को महसूस करने जैसा अनुभव था। इस यात्रा ने उत्तर प्रदेश और जापान के बीच बौद्ध, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन के क्षेत्र में नई संभावनाओं को भी रेखांकित किया। बुद्ध की उपदेश स्थली सारनाथ अब तेजी से प्रदेश की बौद्ध विरासत के प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय केंद्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। यहां पहुंचने वाले विदेशी पर्यटकों और बौद्ध अनुयायियों की बढ़ती रुचि से सारनाथ को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान मिल रही है। नमो घाट गंगा तट पर बाढ़ के बीच भव्य आरती, मंत्रोच्चार और आध्यात्मिक वातावरण देखकर जापानी दल अभिभूत नजर आया। दल ने गंगा आरती का दृश्यावलोकन किया। यहां आध्यात्मिक वातावरण देखकर डेलिगेशन के सदस्य अभिभूत नजर आए। उन्होंने काशी की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत की सराहना की। डेलिगेशन के सदस्यों ने नमोघाट पर जमकर फोटो खिंचवाई और इस धार्मिक स्थल की यादों को कैमरे में कैद किया।

जयंत पर टिप्पणी करना बेहद ...

का अपमान करने के लिए पूरे जाट समाज से भी तत्काल माफी मांगनी चाहिए। बसपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि सपा का राजनीतिक आचरण अपने विरोधी दलों के साथ-साथ सहयोगी दलों के प्रति भी राजनीतिक संकीर्णता और जातिवादी द्वेष से प्रभावित रहा है। उन्होंने कहा कि इसका राजनीतिक और चुनावी लाभ अक्सर भाजपा को मिला है और धर्मनिरपेक्ष ताकतें कमजोर हुई हैं। मायावती ने सपा-बसपा के पुराने गठबंधन का जिक्र करते हुए कहा कि सपा के अहंकारी रवैये के कारण 1993 में मुलायम सिंह यादव के साथ बना गठबंधन जल्द टूट गया था। इसके बाद दो जून 1995 को उनके खिलाफ कथित हत्या के षड्यंत्र के तहत लखनऊ स्टेट गेस्ट हाउस कांड हुआ। उन्होंने कहा कि बाद में अखिलेश यादव के आश्वासन पर बसपा और सपा के बीच लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन हुआ, लेकिन चुनाव परिणाम अनुकूल नहीं आने के बाद अखिलेश यादव के अहंकारी और स्वार्थी रवैये के कारण यह गठबंधन भी टूट गया। मायावती ने आरोप लगाया कि सपा गठबंधन के मामले में केवल अपना काम निकालना जानती है और काम निकलने के बाद गिरगिट की तरह रंग बदल लेती है।

शिलांग में असमिया नागरिकों पर हमले की जांच के लिए एसआईटी गठित : उपमुख्यमंत्री एस धर

गुवाहाटी (हिंस)। शिलांग में असमिया नागरिकों पर बीते 19 अगस्त को किए गए हमले की घटना को लेकर स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है। यह जानकारी मेघालय के उप मुख्यमंत्री एस धर ने आज गुवाहाटी में आयोजित एक बैठक के बाद दी है। शिलांग में असमिया नागरिकों पर हुए हमले की घटना के तीन दिन बाद आज असम और मेघालय दोनों राज्यों के प्रतिनिधियों के बीच गुवाहाटी के कोइनधारा में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित होने के बाद मेघालय के उप मुख्यमंत्री ने उपरोक्त बातें कही। असम और मेघालय में उपजे विवाद के समाधान के लिए आज मेघालय सरकार के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उप मुख्यमंत्री एस धर ने किया वहीं असम की ओर से मंत्री अतुल बोरा किया। दोनों राज्यों के प्रमुख मंत्रियों की अगुवाई में आज महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। इसके बाद असम-मेघालय प्रतिनिधि दल ने एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित की जिसमें मेघालय सरकार ने मेघालय में असम के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी दी। उच्चस्तरीय बैठक में असम सरकार की ओर से नेतृत्व किया सीमा सुरक्षा और विकास मंत्री अतुल बोर ने और मेघालय सरकार की तरफ से उप मुख्यमंत्री एस धर ने हिस्सा लिया। बैठक के बाद मेघालय है। घटना में 54 वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। 48 घंटे के भीतर असम के पर्यटकों को उचित सुरक्षा के साथ वापस उनके घरों में भेजा जाएगा। मेघालय सरकार ने सुरक्षा के प्रबंध किए हैं ताकि पर्यटकों के साथ कोई अप्रिय स्थिति न उत्पन्न हो। शिलांग में असमिया नागरिकों पर हमले की घटना को लेकर एसआईटी बनाई गई है। इस बैठक के अंत में असम के मंत्री अतुल बारा ने कहा कि असमिया लोगों पर हुए हमले की घटना को लेकर मेघालय सरकार ने एसआईटी (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) बनाई है। शिलांग की घटना पर मेघालय सरकार ने दुख व्यक्त किया है। इस बीच, मेघालय पुलिस ने घटना में शामिल 5 अज्ञात लोगों की पहचान कर ली है। 3,717 वाहन सुरक्षित रूप से असम भेजने में सक्षम रहे हैं। 175 लोगों ने पुलिस से मदद मांगी है। इसके साथ ही असम सरकार के मंत्री ने असम के जोराबाट में प्रदर्शनरत प्रदर्शनकारियों से विरोध वापस लेने का आह्वान किया।

नगर निकाय आयुक्त संघ के साथ मंत्री कौशिक राय ने की बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। असम के आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री कौशिक राय ने शनिवार को जनता भवन के ब्लॉक-बी स्थित कार्यालय सम्मेलन कक्ष में ऑल असम म्यूनिसिपल बोर्ड कमिश्नर्स एसोसिएशन (एएएमबीसी) के पदाधिकारियों और सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक में नगर निकायों के अध्यक्षों, उपाध्यक्षों और आयुक्तों के सामने अपने दायित्वों के निर्वहन के दौरान आने वाली विभिन्न समस्याओं और चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. सूरजित बर्मन ने मंत्री के समक्ष विभिन्न मुद्दों को रखा। मंत्री राय ने एसोसिएशन को आश्वासन दिया कि विभाग उनकी जायज चिंताओं के समाधान और कर्तव्यों के बेहतर निर्वहन में हरसंभव सहयोग एवं सहायता प्रदान करेगा। शहरी प्रशासन को मजबूत बनाने के लिए टीम भावना और समन्वय की आवश्यकता पर जोर देते हुए राय ने आयुक्तों से सभी संबंधित पक्षों के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य नागरिकों को प्रभावी, जवाबदेह और बेहतर नगर निकाय सेवाएं उपलब्ध कराना होना चाहिए। मंत्री ने बताया कि शहरी स्थानीय निकायों के प्रदर्शन का जल्द ही आकलन किया जाएगा। प्रदर्शन के आधार पर इन्हें सोलर लाइट जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि बेहतर प्रदर्शन, प्रभावी सेवा वितरण और संसाधनों का कुशल उपयोग राज्य में नगर निकायों को मजबूत बनाने के प्रमुख आधार होंगे। राय ने यह भी बताया कि राज्य के सभी निकायों के अध्यक्षों, उपाध्यक्षों, कार्यकारी अधिकारियों, वित्तीय प्रबंधन अधिकारियों और शहरी तकनीकी अधिकारियों के साथ जल्द ही एक और बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें शहरी विकास योजनाओं के प्रभावी संचालन और क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होगी। बैठक में आवास एवं शहरी मामलों के विभाग के सचिव तथा नगर प्रशासन के प्रभारी निदेशक टंकेश्वर दास भी उपस्थित रहे।

न्यू बंगाईगांव रेलवे स्टेशन पर 42.41 किलो गांजा जब्त, एक गिरफ्तार

बंगाईगांव (हिंस)। असम के बंगाईगांव रेलवे पुलिस ने शनिवार को न्यू बंगाईगांव रेलवे स्टेशन पर एक अभियान के दौरान 42.41 किलो गांजा जब्त किया और एक व्यक्ति को इस मामले में गिरफ्तार किया है। जीआरपी सूत्रों ने बताया है कि यह अभियान बीती रात न्यू बंगाईगांव रेलवे पुलिस अधिकारी संजीब चौधरी की देखरेख में त्रिपुरा सुंदरी एक्सप्रेस (डाउन-बाउंड) के एसी केबिन में चलाया गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने प्रतिबंधित सामान बरामद किया और इमरान शेख नामक एक यात्री को गांजा तस्करी के मामले में गिरफ्तार कर लिया। शुरुआती जांच के अनुसार, यह गांजा कथित तौर पर त्रिपुरा के अगरतला रेलवे स्टेशन से बेंगलुरु ले जाया जा रहा था। रेलवे पुलिस ने शेख को गिरफ्तार कर लिया है और प्रतिबंधित सामान के स्रोत का पता लगाने और कथित तस्करी में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने के लिए आगे की जांच शुरू कर दी है।

बांग्लादेश के सहायक उच्चायुक्त ने किया कोकराझाड़ विवि का दौरा

शैक्षणिक सहयोग पर हुई अहम चर्चा

गुवाहाटी (हिंस)। फैंसी बाजार क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने और पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एमएस रोड और एचबी रोड को नो-वेंडर जोन घोषित करने का निर्णय लिया गया है। इन दोनों सड़कों पर यह व्यवस्था 1 सितंबर से लागू होगी। आवास एवं शहरी कार्य मंत्री कौशिक राय ने शनिवार को कामरूप महानगर जिला आयुक्त कार्यालय के सभागार में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर नो-वेंडिंग जोन लागू करने की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में गुवाहाटी नगर निगम के महापौर मृगेन सरनिया, कामरूप महानगर के जिला आयुक्त स्वप्निल पॉल, जीएमसी आयुक्त चिन्मय प्रकाश फूकन, डीसीपी (ट्रैफिक) जयंत सारथी बोरा सहित पुलिस, जीएमसी और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में तय किया गया कि एमएस रोड और एचबी रोड पर व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही रात 9 बजे से सुबह 7 बजे तक की अनुमति रहेगी। सार्वजनिक वाहनों की पार्किंग की भी अनुमति होगी। इसके अलावा हाथठेला और ठेला गाड़ियों को भी निर्धारित व्यवस्था के तहत संचालन की अनुमति दी जाएगी। एसएस रोड पर भी इसी प्रकार के प्रावधान लागू किए जाएंगे, हालांकि वहां नो-वेंडर जोन व्यवस्था लागू करने की तारीख बाद में तय की जाएगी। मंत्री कौशिक राय ने अधिकारियों को सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य फैंसी बाजार को अधिक व्यवस्थित, सुगम और सुरक्षित बनाना है, ताकि यातायात का प्रवाह बेहतर हो, पैदल यात्रियों को सुविधा मिले और व्यावसायिक गतिविधियों का भी सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

बाढ़ से बचाए गए हाथी *जयमती* को विशेष उपचार के लिए वंतारा ले जाया गया

गुवाहाटी (हिंस)। नगालैंड से जुलाई में असम आए बाढ़ के पानी से बचाई गई 53 वर्षीय हथिनी जयमती को बेहतर पशु चिकित्सा उपचार के लिए जामनगर स्थित वंतारा ले जाया गया है। बाढ़ में बहने के बाद जयमती के शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई थीं। उसकी दाहिनी आंख गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त है, जबकि बाएं पिछले पैर की पुरानी चोट के कारण उसे चलने-फिरने में परेशानी होती है। स्थानीय स्तर पर प्राथमिक उपचार मिलने के बाद पशु चिकित्सकों ने उसकी उम्र, चोटों और स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए विशेषज्ञ उपचार की जरूरत बताई। लंबी सड़क यात्रा से होने वाले शारीरिक दबाव को कम करने के लिए उसे हवाई मार्ग से स्थानांतरित किया गया। वंतारा पहुंचने के बाद जयमती की विस्तृत जांच की जाएगी और उसे आवश्यक चिकित्सा, पोषण एवं सहायक उपचार दिया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, यह स्थानांतरण अस्थायी है और केवल चिकित्सा उपचार के उद्देश्य से किया गया है।

असम : बाढ़ से 73 गांवों के 15512 नागरिक अभी भी प्रभावित

गुवाहाटी (हिंस)। असम के कई हिस्सों में पानी घटने के साथ हालात सुधर रहे हैं, लेकिन शिवसागर, गोलाघाट, जोरहाट, नागांव, धेमाजी और कछार जिलों में बाढ़ का संकट और इसका असर अब भी बना हुआ है। इन जिलों बाढ़ से 73 गांवों के 15512 नागरिक अभी भी प्रभावित हैं। प्रशासन और आपदा प्रबंधन दल प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों में जुटे हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार सभी नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रहीं है। इस बार की बाढ़ में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 106 तक पहुंच गई है। बाढ़ से सबसे अधिक नुकसान शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट एवं गोलाघाट जिलों में हुआ है। वर्तमान समय में बाढ़ की स्थिति कुल 6 जिलों में बनी हुई है। प्रभावित जिलों में शिवसागर, धेमाजी, गोलाघाट, जोरहाट, नगांव एवं कछार शामिल हैं। बाढ़ से 6 जिलों के 13 राजस्व मंडलों के कुल 73 गांव प्रभावित हैं। वर्तमान समय में राज्य की कुल 15512 आबादी अभी भी प्रभावित हैं एवं 6299 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। राज्य सरकार ने बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए अभी भी कुल 5 राहत शिविर एवं 3 राहत वितरण केंद्र समेत कुल 8 शिविर क्रियान्वित रखे हैं। राहत शिविरों में 183 लोग आश्रय लिए हुए हैं जबकि राहत वितरण केंद्रों पर 4979 गैर-शिविर निवासी राहत प्राप्त कर रहे हैं। बुधवार को बाढ़ से प्रभावित जानवरों की कुल संख्या 9642 दर्ज हुई है। 21 अगस्त के आंकड़ों के अनुसार बाढ़ के पानी में शिवसागर जिले में पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कच्चे मकानों की कुल संख्या 12 एवं शिवसागर जिले में पूरी तरह से क्षतिग्रस्त पक्के मकानों की कुल संख्या 5 बताई गई है। शिवसागर जिले में आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कच्चे मकानों की संख्या 10 दर्ज हुई है। शिवसागर जिले में क्षतिग्रस्त पक्के मकानों की कुल संख्या 3 है। क्षतिग्रस्त अन्य झोपड़ियों की कुल संख्या शिवसागर जिले में 7 है। वहीं क्षतिग्रस्त अन्य मवेशी शेड की शिवसागर जिले में कुल संख्या 7 है। बाढ़ प्रभावित इलाके में बुधवार को राज्य सरकार की ओर एक मेडिकल टीम को तैनात किया गया। बाढ़ प्रभावितों के बीच राज्य सरकार की ओर से चावल (क्विंटल में) 82.892, दाल (क्विंटल में) 15.128, नमक (क्विंटल में) 4.5512, मस्टर्ड ऑयल/सरसों का तेल (लीटर में) 325.53 राहत सामग्री बांटी गई। पशुओं का चारा - गेंहूं का चोकर (क्विंटल में) 334.3 भी वितरित किया गया। राज्य सरकार के द्वारा बाढ़ प्रभावित इलाकों में बड़े पैमाने पर हुए सड़क, पुल एवं अन्य आधारभूत ढांचे के नुकसान का आकलन किया जा रहा है। साथ ही प्रभावितों की मदद के लिए आर्थिक एवं अन्य सामग्री भी मुहैया कराए जा रही हैं। राज्य सरकार के अलग-अलग मंत्रालय एवं विभागों के द्वारा लगातार समीक्षा बैठक कर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

जोराबाट में तीसरे दिन भी कैब चालकों का प्रदर्शन, कोईनाधारा में अहम बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। जोरबाट में कैब चालकों का प्रदर्शन शनिवार को लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। आंदोलन के तेज होने के साथ प्रदर्शनकारियों ने मेघालय से असम आने वाले वाहनों की आवाजाही पूरी तरह रोक दी है। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उच्च पदस्थ अधिकारी मौके पर पहुंचकर माफी नहीं मांगते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। कैब चालकों ने मेघालय में हालिया विरोध-प्रदर्शन के दौरान क्षतिग्रस्त हुए वाहनों के लिए उचित मुआवजे की भी मांग की है। प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा है कि जब तक मेघालय सरकार असम के चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं करती, तब तक आंदोलन वापस नहीं लिया जाएगा। इसके चलते असम-मेघालय सीमा पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है और स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। वहीं दूसरी ओर असम और मेघालय को जोड़ने वाले जोराबाट के अलावा अन्य लगभग तीन स्थानों पर कैब चालकों ने मेघालय के वाहनों को असम में प्रवेश करने से रोक दिया है। जिसके चलते स्थिति धीरे-धीरे विकट होती जा रही है। असम-मेघालय के प्रमुख संपर्क मार्गों पर कैब चालक धरने पर बैठे हुए हैं। इसी बीच, असम और मेघालय के बीच उत्पन्न स्थिति को लेकर शनिवार को कोईनाधारा में एक महत्वपूर्ण बैठक होने वाली है। बैठक में असम की ओर से मंत्री अतुल बोरा शामिल होंगे। वहीं, मेघालय सरकार का प्रतिनिधिमंडल भी बैठक में मौजूद रहने की संभावना है। उधर, मेघालय के विभिन्न इलाकों में असम से गए कई पर्यटक अभी भी फंसे हुए हैं। उनके परिजनों ने पर्यटकों को जल्द सुरक्षित असम वापस लाने के लिए प्रशासन से आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

बंगाईगांव मेडिकल कॉलेज को मिली औपचारिक मंजूरी, असम का 15वां मेडिकल कॉलेज बना

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 100 एमबीबीएस विद्यार्थियों के नामांकन की अनुमति के साथ बंगाईगांव मेडिकल कॉलेज को औपचारिक मंजूरी प्रदान कर दी है। इस मंजूरी के साथ बंगाईगांव मेडिकल कॉलेज असम का 15वां मेडिकल कॉलेज बन गया है। वहीं, राज्य में एमबीबीएस सीटों की कुल संख्या बढ़कर 1,925 हो गई है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए इसे असम को चिकित्सा शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने कॉलेज को मंजूरी देने और राज्य को लगातार सहयोग प्रदान करने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा के प्रति राज्यवासियों की ओर से आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि को असम के लिए गौरव का क्षण बताया।

असम : 37 लाख मूल्य की सुपारी चोरी मामले में एक गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। असम के नगांव जिले में रूपहीहाट पुलिस ने करीब 37 लाख रुपए की सुपारी चोरी के मामले में एक व्यक्ति को बीती रात गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान तेलिया चापरी टूप निवासी जियाबुर रहमान के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, रहमान की गिरफ्तारी खैरुल इस्लाम की शिकायत के आधार पर की गई। बताया जा रहा है कि आरोपी का कथित तौर पर बर्मीज (म्यांमार) सुपारी के अवैध कारोबार से संबंध है। पुलिस को संदेह है कि सुपारी चोरी की घटना में शामिल कई लोगों में रहमान भी एक हो सकता है। मामले में यह आरोप भी सामने आया है कि गुवाहाटी में तैनात एक डीएसपी और रूपहीहाट निवासी एक व्यक्ति ने कथित तौर पर रहमान के पक्ष में मामले में हस्तक्षेप करने की कोशिश की। आरोपों के अनुसार, अधिकारी काली रंग की गाड़ी से रूपहीहाट पुलिस थाने पहुंचा था, लेकिन वहां मीडिया और कैमरों की मौजूदगी देखकर वह वापस लौट गया। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और चोरी की घटना में कथित रूप से शामिल अन्य लोगों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है।

बाढ़ प्रभावित नाजीरा में अब्सू का 9 दिवसीय *मिशन होम रेस्क्यू एंड रिस्टोर* संपन्न

कोकराझाड़ (विभास)। असम के शिवसागर जिले के अंतर्गत नजीरा राजस्व चक्र में पिछले महीने आई भीषण बाढ़ और गाद (सिल्ट) से मची तबाही के बाद ऑल बोड़ो स्टूडेंट्स यूनियन द्वारा चलाया गया 9 दिवसीय विशेष राहत व पुनर्वास अभियान *मिशन होम रेस्क्यू एंड रिस्टोर* शनिवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। 14 अगस्त से 22 अगस्त तक चले इस सघन जमीनी अभियान में केंद्रीय समिति के नेतृत्व में राज्य के 15 जिलों से आए 150 समर्पित स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। अभियान की रूपरेखा 14 अगस्त को रोहदोई पुखुरी में केंद्रीय बेस कैंप की स्थापना के साथ तय की गई थी। 15 अगस्त को देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर रोहदोई पुखुरी एमई स्कूल में राष्ट्रीय ध्वजारोहण और बेस कैंप पर अब्सू अध्यक्ष ख्वरुमदाओ वारी द्वारा संगठन का ध्वज फहराकर राहत कार्यों की विधिवत शुरुआत की गई। बीते 19 जुलाई को आई प्रलयंकारी बाढ़ के कारण घरों में भारी मात्रा में गाद व कीचड़ जमा हो गया था। 9 दिनों के इस अभियान के दौरान स्वयंसेवकों ने कुल 209 प्रभावित परिवारों के घरों से गाद निकालने, संरचनात्मक मरम्मत करने और मलबे में दबे जरूरी घरेलू सामानों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम किया। इस अभियान के तहत सबसे अधिक प्रभावित 9 गांवों-माजगांव, संतोक बाजार, पर्जाबस्ती, बोर-मिशिंग गांव, बिहुबोर हिलातोल, सोनापुर नगर, नेपाली खूटी, बालिजान और सैतिंग कैती को कवर किया गया। बाढ़ के चलते बच्चों की पढ़ाई में आए व्यवधान को देखते हुए संगठन ने संवेदनशील पहल की। विभिन्न गांवों से 60 सबसे अधिक प्रभावित छात्र-छात्राओं की पहचान कर उन्हें नोटबुक और स्टेशनरी किट वितरित किए गए, ताकि वे पुन: अपनी पढ़ाई सुचारू रूप से शुरू कर सकें। राहत कार्य को अनुशासित और प्रभावी बनाने के लिए 150 स्वयंसेवकों को 15 विशेष टीमों (10 फील्ड ऑपरेशनल टीमें और 5 लॉजिस्टिक्स/सपोर्ट टीमें) में विभाजित किया गया था। ऐतिहासिक विभूतियों और प्रतीकों के नाम पर गठित इन टीमों में भोजन निर्माण, सर्वे, सामग्री आपूर्ति और मीडिया प्रबंधन की अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। सरकार से 6 महीने के राशन और दिखौ नदी के स्थायी प्रबंधन की मांग अभियान के समापन पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए अब्सू के अध्यक्ष ख्वरुमदाओ वारी ने कहा कि हमारे स्वयंसेवकों ने विपरीत परिस्थितियों में अथक परिश्रम कर 209 घरों को फिर से रहने योग्य बनाया है। लेकिन तबाही का पैमाना इतना बड़ा है कि केवल सामाजिक संगठनों के प्रयासों से पूर्ण पुनर्वास संभव नहीं है। फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं और हजारों लोगों के सामने आजीविका का संकट है। हम राज्य और केंद्र सरकार से तत्काल त्वरित पुनर्निर्माण योजनाएं लागू करने, प्रभावितों को कम से कम 6 महीने का मुफ्त राशन मुहैया कराने और भविष्य में ऐसी आपदा रोकने के लिए दिखौ नदी के निचले इलाकों के उचित प्रबंधन की पुरजोर मांग करते हैं। समापन अवसर पर अब्सू नेतृत्व ने रोहदोई पुखुरी एमई स्कूल प्रबंधन, पातोरगांव के ग्राम प्रमुखों, स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों, दानदाताओं और दिन-रात सेवा में जुटे सभी स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कोकराझाड़ में एरी एवं मूगा रेशम किसानों को दिया गया कीट व रोग प्रबंधन का वैज्ञानिक प्रशिक्षण

कोकराझाड़ (विभास)। *मेरा रेशम मेरा अभिमान 2.0* के तहत बीटीसी के दक्षिण मोरीगांव में एरी और मूगा रेशम किसानों के लिए एक दिवसीय विशेष वैज्ञानिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को एकीकृत कीट एवं रोग प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों से जोड़कर रेशम उत्पादन और उनकी आय में वृद्धि करना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय रेशम बोर्ड (केरेबो) की मूगा एरी रेशमकीट बीज संगठन पी-3 इकाई, कोवाबिल की वैज्ञानिक-बी डॉ. सुरक्षा चनोत्रा तथा राज्य रेशम विभाग, कोकराझाड़ की विस्तार अधिकारी श्रीमती कल्पोजिता बसुमतारी के नेतृत्व में किया गया। शिविर में केवल सैद्धांतिक जानकारी तक सीमित न रहकर *करके सीखने* (लर्निंग बाय डूइंग) की पद्धति पर विशेष ध्यान दिया गया। रेशमकीट पालन गृह और उपकरणों को रोगाणुमुक्त रखने के लिए सही सांद्रता में कीटाणुनाशक घोल तैयार करने और उसके उपयोग की विधि समझाई गई। मेजबान पौधों (होस्ट प्लांट्स) पर सुरक्षात्मक घोल के प्रभावी छिड़काव हेतु किसानों को पैडल संचालित स्प्रेयर का प्रत्यक्ष अभ्यास कराया गया। पत्तों और कीटों में रोग के प्रारंभिक लक्षणों की पहचान, समय पर निगरानी तथा निवारक उपायों पर तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि कीटों और रोगों से बचाव कर फसल नुकसान को न्यूनतम किया जा सकता है, जिससे गुणवत्तापूर्ण कोकून का उत्पादन संभव होगा। इस प्रशिक्षण से क्षेत्र के रेशम पालकों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलेगा और उनकी आजीविका सशक्त होगी।

संपादकीय

एक मंत्री, एक यूनिवर्सिटी

अब केंद्रीय मंत्री देश के विश्वविद्यालयों में जाएंगे, पूरा दिन खर्च करेंगे, जेन-जी के चेहरों से संवाद करेंगे, उनकी तकलीफें, समस्याएं, खामियां जानने की कोशिश करेंगे, अपनी सरकार की नीतियां, योजनाएं भी साझा करेंगे और इस तरह एक व्यापक वोट बैंक के छिटकने की संभावनाओं को कम करेंगे। क्या ऐसे प्रयास, प्रत्येक सरकार के स्तर पर, निरंतर और सिलसिलेवार नहीं किए जाने चाहिए? यह योजना भी प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश पर शुरू की जा रही है। प्रधानमंत्री ने देश में जेन-जी के आक्रोश, गुस्से और आंदोलनों को भांप, समझ लिया है, लिहाजा मंत्रियों की यूनिवर्सिटीज में प्रवास की नौबत आई है। यही नहीं, प्रधानमंत्री ने ऐसे भी निर्देश मंत्रियों को दिए हैं कि वे लगातार फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, एक्स, लिंक्डइन आदि सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहें और युवाओं से संवाद करते रहें। लोकतंत्र में ऐसे जनसंपर्क, जनसंवाद जरूरी भी हैं, लेकिन वे नियमित होने चाहिए। अब जब जेन-जी के साथ-साथ जेन-अल्फा (स्कूली छात्र) भी देश के विभिन्न हिस्सों में आंदोलित हैं, तो प्रधानमंत्री मोदी को संवाद का यह 'अग्निपथ' सूझा है। हम इसे लोकतांत्रिक सरकार का गलत निर्णय नहीं मानते, लेकिन मंत्रियों का फोकस सोशल मीडिया और जेन-जी पर ही टिका रहेगा, तो मंत्रालयों पर ध्यान कौन देगा? मंत्रालयों के अपरिहार्य, नीतिगत निर्णयों को कौन क्रियान्वित करेगा? मंत्री की प्राथमिक और संवैधानिक जवाबदेही तो मंत्रालय के प्रति होनी चाहिए। उसी के आधार पर वह जनता के प्रति जवाबदेह साबित हो सकता है। मंत्रियों को चुनावों के मद्देनजर वोट बैंक को बचाने की कवायद में जुटना पड़ेगा, तो जाहिर है कि मंत्रालय और सरकार के बुनियादी काम प्रभावित होंगे। जेन-जी वह पीढ़ी है, जिसका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ है। इसकी आबादी करीब 37-40 करोड़ मानी जाती है। यह देश में कोई भी परिवर्तन करने में सक्षम है, क्योंकि इनमें से अधिकांश 2029 के लोकसभा चुनाव में मतदाता होंगे। बहरहाल देश में फिलहाल 57 केंद्रीय विश्वविद्यालय और 522 राज्य विश्वविद्यालय हैं। उनके अलावा, 420-450 निजी तथा करीब 125 डीम्ड यूनिवर्सिटी हैं। केंद्रीय मंत्री करीब 1300 विश्वविद्यालयों में जाएंगे और जेन-जी से संवाद कर उन्हें शांत और संतुष्ट करने की कोशिश करेंगे। हमें लगता है कि यदि प्रधानमंत्री मोदी के 12-साला कालखंड में भी शिक्षा-व्यवस्था और खासकर स्कूलों की दुरावस्था पर गंभीर ध्यान दिया जाता, तो मंत्रियों को भी 'कंटेंट क्रिएटर' बनने की हास्यास्पद नौबत नहीं आती। शिक्षा की संपूर्ण व्यवस्था और बुनियादी ढांचा ही जर्जर है। हमारी बुनियादी शिक्षा ऐसी है कि कक्षा-3 के 75 फीसदी बच्चे, कक्षा-5 के 50 फीसदी और कक्षा-8 के 25 फीसदी छात्र कक्षा-2 की पुस्तक पढ़ने में असमर्थ पाए गए। यह 'प्रथम' एनजीओ की 2014-15 की सालाना रपट का निष्कर्ष है। भारतीय स्कूलों की गुणवत्ता का अध्ययन किया गया, तो 110 देशों में भारत का स्थान नीचे से दूसरा था। यह घोर निराशाजनक और भयानक आंकड़ा है। राजधानी दिल्ली में एक अध्ययन कराया गया था, जिसमें करीब 54 फीसदी बच्चे ही कुछ वाक्य पढ़ने में समर्थ रहे। चिंतनीय तथ्य यह है कि शिक्षा पर जीडीपी का 4.5 फीसदी बजट दिया गया था, जिसे घटा कर 2.6 फीसदी कर दिया गया है। सरसंघचालक मोहन भागवत सरीखे व्यक्ति भी कहते रहे हैं कि यह बजट कमोबेश 6 फीसदी होना चाहिए। नीति आयोग की रपटों में ही यह तथ्य सामने आया है कि देश के हजारों स्कूलों में बच्चों के लिए पेयजल, शौचालय की बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। अध्यापकों का घोर अभाव और संकट है, लिहाजा देश भर में आंदोलन किए जा रहे हैं। विश्व बैंक का 'लर्निंग पावर्टी इंडेक्स', कोरोना महामारी के बाद, बढ़ कर करीब 70 फीसदी हो गया है। अर्थात 10 साल के अधिकांश बच्चे सरल पाठ नहीं पढ़ पाते। हमारी शिक्षा-प्रणाली सिर्फ रटने की विद्या सिखाती है, नतीजतन करीब 80 फीसदी स्नातकों को एक अच्छी नौकरी नहीं मिल पाती। बेरोजगारी बढ़ने का बुनियादी कारण यह भी है कि हमारे स्नातक स्तर के युवा 'कौशलहीन' हैं। करीब डेढ़ करोड़ युवा औसतन हर वर्ष स्नातक की डिग्री लेते हैं।

प्रधानमंत्री ने देश में जेन-जी के आक्रोश, गुस्से और आंदोलनों को भांप, समझ लिया है, लिहाजा मंत्रियों की यूनिवर्सिटीज में प्रवास की नौबत आई है। यही नहीं, प्रधानमंत्री ने ऐसे भी निर्देश मंत्रियों को दिए हैं कि वे लगातार फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, एक्स, लिंक्डइन आदि सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहें और युवाओं से संवाद करते रहें। लोकतंत्र में ऐसे जनसंपर्क, जनसंवाद जरूरी भी हैं, लेकिन वे नियमित होने चाहिए। अब जब जेन-जी के साथ-साथ जेन-अल्फा (स्कूली छात्र) भी देश के विभिन्न हिस्सों में आंदोलित हैं, तो प्रधानमंत्री मोदी को संवाद का यह 'अग्निपथ' सूझा है। हम इसे लोकतांत्रिक सरकार का गलत निर्णय नहीं मानते, लेकिन मंत्रियों का फोकस सोशल मीडिया और जेन-जी पर ही टिका रहेगा, तो मंत्रालयों पर ध्यान कौन देगा? मंत्रालयों के अपरिहार्य, नीतिगत निर्णयों को कौन क्रियान्वित करेगा? मंत्री की प्राथमिक और संवैधानिक जवाबदेही तो मंत्रालय के प्रति होनी चाहिए। उसी के आधार पर वह जनता के प्रति जवाबदेह साबित हो सकता है।

कुछ अलग

अच्छा जो देखन मैं चला...

बाकी लोग बुरे लोगों को देखते हैं और उन पर टिप्पणी करते हैं। बुरे लोगों पर दोहे भी हैं कि 'बुरा जो देखन मैं चला...', फिर पता चला कि सबसे बुरा तो मैं हूं...इसलिए, इस दोहे को लिखने वाले के चरणों में मेरा कोटि-कोटि प्रणाम है। पर मैं थोड़ा डिफरेंट किस्म का आदमी हूं। मैं अच्छे दिखने वाले लोगों की तलाश में निकला हूं और मेरा दोहा है- 'अच्छा जो देखन मैं चला...', बस मैं चल तो निकला। भले ही भूखे घर से चला। भले ही बीवी से लड़कर चला। भले ही अपने अधिकारी से पंगा लेकर चला। भले ही ड्यूटी से गायब होकर चला। लेकिन मैं चल तो पड़ा न...! मेरा चलना ही मेरी इच्छा शक्ति है। मेरा चलना ही मौसम को चुनौती है। मेरा चलना ही इतिहास को बदलना है। तो दोस्तो, मैं चल पड़ा हूं...बुरे लोग देख लिए, अब अच्छा देखने चला हूं। घर से निकला तो सबसे पहले सड़क पर बहुत बड़ा गड्ढा था। तो मैंने लोक निर्माण विभाग की अच्छाई देख ली। मैं पैदल चला और पुलिस वाले ने मेरा चालान काट दिया कि मैं गलत लेन में चल रहा था...तो मैंने पुलिस की ईमानदारी देख ली। फिर एक दफ्तर में मुझे थोड़ा-सा काम था। वहां एक बाबू ने कहा कि काम तो हो जाएगा, थोड़ी जेब गर्म करनी पड़ेगी। उससे बचकर नेताजी के पास पहुंचा तो नेताजी ने कहा कि आपको यह सबूत देना पड़ेगा कि आपने मुझे ही वोट दिया है। भटक-भटक कर थोड़ी तबीयत खराब हो गई तो मैं अस्पताल पहुंचा। मौके पर मौजूद डॉक्टर ने कहा कि आपको दो हफ्ते बाद आना होगा क्योंकि अभी लंबी पेंडिंग लिस्ट चल रही है। मैंने कहा, 'डॉक्टर साहब, तब तक अगर मैं ऊपर चला गया तो?' डॉक्टर साहब मुस्कुराए और बोले, 'फिर तो आपकी फाइल अपने आप क्लोज हो जाएगी।'

ड्रोनों में सैन्य अभियानों की प्रकृति और अर्थव्यवस्था को बदलने की क्षमता भी है, जैसा कि हाल के युद्धों से स्पष्ट है

ड्रोन युद्ध और भविष्य के युद्धक्षेत्र के लिए भारत की तैयारी

आज के युद्ध में एक मौलिक बदलाव आने वाला है: युद्ध का आकलन अब केवल टैंकों, लड़ाकू विमानों, मिसाइलों और सैनिकों की संख्या से नहीं किया जाता। निगरानी, लक्ष्यीकरण, सटीक हमले और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के लिए यूएएस तेजी से पसंदीदा उपकरण बनते जा रहे हैं। इसलिए, अगस्त 2026 में स्वदेशी दिव्यास्त्र एमके3 जेट की सफलता न केवल एक तकनीकी सफलता है, बल्कि एक अधिक नेटवर्कयुक्त, प्रौद्योगिकी-संचालित और स्वतंत्र युद्धक्षेत्र के अनुकूल होने के भारत के प्रयासों का संकेत भी है। ड्रोन युद्ध में मानवरहित हवाई प्रणालियों का उपयोग खुफिया जानकारी, निगरानी और टोही (आईएसआर) जुटाने, लक्ष्यों का पता लगाने, सटीक हमले करने, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और संचार सहायता प्रदान करने के लिए किया जाता है। हाल के युद्धों ने दिखाया है कि ड्रोनों का उपयोग युद्ध लड़ने के तरीके और आर्थिक संचालन में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है।

स्वदेशी रूप से विकसित दिव्यास्त्र एमके3 की पहली उड़ान एक सकारात्मक कदम है, क्योंकि भारतीय सेना युद्ध में यूएएस तकनीक पर तेजी से निर्भर हो रही है। आज के युद्ध में एक मौलिक बदलाव आने वाला है: युद्ध का आकलन अब केवल टैंकों, लड़ाकू विमानों, मिसाइलों और सैनिकों की संख्या से नहीं किया जाता। निगरानी, लक्ष्यीकरण, सटीक हमले और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के लिए यूएएस तेजी से पसंदीदा उपकरण बनते जा रहे हैं। इसलिए, अगस्त 2026 में स्वदेशी दिव्यास्त्र एमके3 जेट की सफलता न केवल एक तकनीकी सफलता है, बल्कि एक अधिक नेटवर्कयुक्त, प्रौद्योगिकी-संचालित और स्वतंत्र युद्धक्षेत्र के अनुकूल होने के भारत के प्रयासों का संकेत भी है। ड्रोन युद्ध में मानवरहित हवाई प्रणालियों का उपयोग खुफिया जानकारी, निगरानी और टोही (आईएसआर) जुटाने, लक्ष्यों का पता लगाने, सटीक हमले करने, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और संचार सहायता प्रदान करने के लिए किया जाता है। हाल के युद्धों ने दिखाया है कि ड्रोनों का उपयोग युद्ध लड़ने के तरीके और आर्थिक संचालन में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। ड्रोनों में सैन्य अभियानों की प्रकृति और अर्थव्यवस्था को बदलने की क्षमता भी है, जैसा कि हाल के युद्धों से स्पष्ट है। रूस-यूक्रेन युद्ध में अपेक्षाकृत सस्ते ड्रोनों से महंगे टैंकों, तोपखाने, युद्धपोतों और अन्य पारंपरिक सैन्य उपकरणों को होने वाले खतरे का प्रदर्शन किया गया है। सैन्य श्रेष्ठता की बात करें तो, यह अब केवल महंगे प्लेटफॉर्म रखने के बारे में नहीं है, बल्कि बड़ी संख्या में सस्ते, लचीले और बुद्धिमान सिस्टम तैनात करने की क्षमता के बारे में है। ड्रोन के उपयोग के लाभ व्यापक हैं और सबसे महत्वपूर्ण लाभों में से एक यह है कि ये खतरनाक अभियानों में मानव जीवन बचाते हैं। आईएसआर ड्रोन का उपयोग दुश्मन के क्षेत्र की जासूसी करने के लिए किया जा सकता है, जिससे पायलट और सैनिक खतरे से सुरक्षित रहते हैं। ये कमांडरों को दुश्मन के स्थान, सैनिकों की संख्या और युद्धक्षेत्र की स्थिति के बारे में पल-पल की जानकारी प्रदान कर सकते हैं। इससे स्थिति की बेहतर समझ विकसित होती है और अधिक जानकारी के साथ त्वरित निर्णय लेने में मदद मिलती है। भारत जैसे देश के लिए यह एक अत्यंत मूल्यवान रणनीतिक क्षमता है, जहां सीमाएँ जटिल हैं, पर्वतीय भूभाग मौजूद है और परिचालन परिस्थितियाँ भिन्न-भिन्न हैं। लोइटर मुनिशन्स (लाइवेटरी मुनिशन्स) सेंसर-टू-शूटर पद्धति की आवश्यकता को समाप्त करके युद्ध में क्रांतिकारी बदलाव ला रहे हैं। पारंपरिक हथियारों का उपयोग करते समय, लक्ष्य का पता लगाने, उसके बारे में जानकारी भेजने, उपयुक्त हथियार चुनने और हमला शुरू करने में काफी समय लग सकता है। लोइटरी मुनिशन्स लक्ष्य की खोज, पहचान और हमले को बहुत कम समय में अंजाम दे सकते हैं। यह विशेष रूप से उन लक्ष्यों के लिए उपयोगी है जिन पर समय का प्रभाव रहता है और जो दुश्मन की गतिशील टुकड़ियों के लिए भी। इस प्रकार, दिव्यास्त्र

एमके3 भारत की स्वदेशी सटीक-स्ट्राइक क्षमता के निर्माण और लक्ष्य का पता लगाने से लेकर हमले तक के समय को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण विकास है। ड्रोन युद्ध की अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित कर रहे हैं। कम लागत वाला मानवरहित प्लेटफॉर्म कई गुना अधिक लागत वाली संपत्ति को नुकसान पहुंचा सकता है या नष्ट कर सकता है। यह पारंपरिक सेनाओं के लिए एक गंभीर चुनौती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान व्यावसायिक रूप से उपलब्ध तकनीकों को तेजी से सैन्य उपयोग में लाया गया, जैसा कि फर्स्ट-पर्सन व्यू (एफपीवी) ड्रोन के उपयोग से देखा जा सकता है। लेकिन कैमरे और विस्फोटक ले जाने वाले छोटे ड्रोन सटीक निर्देशित हथियारों की तुलना में बहुत कम लागत पर टैंकों और अन्य बख्तरबंद वाहनों के कमजोर बिंदुओं को निशाना बना सकते हैं। इसलिए, युद्ध के संदर्भ में भविष्य में नागरिक प्रौद्योगिकी को सैन्य आवश्यकताओं के अनुरूप ढालने और नए विचारों को तेजी से विकसित करने की क्षमता और भी महत्वपूर्ण हो जाएगी। दूसरा बड़ा बदलाव ड्रोन झुंडों के रूप में सामने आया है। बड़ी संख्या में समन्वित ड्रोन पारंपरिक वायु रक्षा प्रणालियों को ओवरलोड या ₹अतिभारित₹ कर सकते हैं। पारंपरिक वायु रक्षा मिसाइलें एक विमान या मिसाइल को मार गिराने में बहुत कारगर होती हैं, लेकिन महंगी मिसाइलों से सौ या उससे अधिक सस्ते ड्रोनों को मार गिराना आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं है। बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले होने पर रक्षा करने वालों को लागत के लिहाज से काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। इसका मतलब यह है कि भविष्य का युद्धक्षेत्र ड्रोन बेड़ों और बहुस्तरीय ड्रोन-रोधी (सीडी) क्षमताओं के बीच संघर्ष बन सकता है, जो एक साथ कई खतरों का पता लगाने, उनका पीछा करने और उन्हें निष्क्रिय करने में सक्षम हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के प्रभाव से इस बदलाव में और भी तेजी आने की उम्मीद है। AI में नेविगेशन, ऑब्जेक्ट रिकग्निशन और टारगेट आइडेंटिफिकेशन को बेहतर बनाने के साथ-साथ कई मानवरहित प्रणालियों के बीच समन्वय स्थापित करने की क्षमता है। यह बढ़ी हुई स्वतंत्रता इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के कारण संचार विफलता की स्थिति में ड्रोन को संचालन में मदद कर सकती है। लेकिन AI-संचालित स्वायत्तता के साथ महत्वपूर्ण नैतिक, कानूनी और जवाबदेही संबंधी प्रश्न भी उठते हैं। कभी-कभी किसी स्वायत्त प्रणाली द्वारा गलत लक्ष्य निर्धारण के परिणामों की जिम्मेदारी स्पष्ट नहीं होती। इसलिए, सैन्य प्रभावशीलता का मूल्यांकन सार्थक मानवीय नियंत्रण के संदर्भ में किया जाना चाहिए, युद्ध के नियम पारदर्शी होने चाहिए और जवाबदेही के मानक स्पष्ट होने चाहिए। भारत ने ड्रोन युद्धक क्षमता विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। दिव्यास्त्र एमके3 स्वदेशी सटीक हमले की क्षमता को बढ़ाता है और घरेलू मानवरहित प्रणालियों पर बढ़ते ध्यान का परिणाम है। स्वदेशी प्रणोदन के लिए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि आयातित इंजनों और प्रमुख पुर्जों पर निर्भरता संघर्ष के समय रणनीतिक कमजोरियों का कारण बन सकती है। इसलिए, विदेशी प्रौद्योगिकियों पर निर्भरता कम करने और तकनीकी आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए डीजी प्रोपल्शन द्वारा जेट इंजन का विकास महत्वपूर्ण है। भारतीय सेना के पुनर्गठन से यह भी संकेत मिलता है कि सेना भविष्य के युद्धों में ड्रोन की अहमियत को समझने लगी है। अश्विनी ड्रोन प्लाटून और दिव्यास्त्र बैटरी मानवरहित प्रणालियों को युद्ध संरचनाओं के साथ बेहतर ढंग से एकीकृत करने के उद्देश्य से उठाए गए कदम हैं। डीआरडीओ के यूएलपीजीएम-वी3 जैसे सटीक निर्देशित स्वदेशी हथियार यूएवी प्लेटफार्मों की युद्ध क्षमताओं को और बढ़ा सकते हैं। इसी बीच, देश में एकतरफा हमला करने वाले ड्रोनों का निर्माण मानवरहित क्षमताओं के विस्तार में योगदान दे रहा है। अब तक हुई प्रगति से संकेत मिलता है कि भारत युद्धक्षेत्र में ड्रोनों के नियोजित उपयोग की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। हालांकि, भारत में तैयारियों का स्तर अभी पूर्ण नहीं है। ड्रोन के उपयोग के सबसे बड़े खतरों में से एक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध है। जैमिंग और स्पूफिंग के जरिए नेविगेशन और संचार लिंक को बाधित किया जा सकता है। ड्रोन के नेविगेशन सिस्टम या कमांड लिंक के विफल होने की स्थिति में, यह सबसे महत्वपूर्ण समय पर अप्रभावी हो सकता है। भविष्य के भारतीय सिस्टमों में सुरक्षित संचार, एंटी-जैमिंग सिस्टम, अन्य नेविगेशन सिस्टम और स्वायत्तता का उच्च स्तर होना आवश्यक है। एक और महत्वपूर्ण आवश्यकता ड्रोन रोधी क्षमता है। इसका मतलब यह नहीं है कि आप किसी महंगे मिसाइल से सस्ते ड्रोन को मार गिराने का तरीका नहीं खोज सकते, लेकिन हर बार ऐसा संभव नहीं है। भारत में किफायती और बहुस्तरीय समाधानों की आवश्यकता है जिनमें ड्रोन रोधी निर्देशित ऊर्जा हथियार, उभरती प्रौद्योगिकियां, इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग, पहचान नेटवर्क, गतिज अवरोधन और अन्य समाधान शामिल हों। स्वदेशी सेंसर, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर और सुरक्षित प्रोसेसर विकसित करना उतना ही महत्वपूर्ण है। विदेशी प्रमुख प्रौद्योगिकियों पर निर्भरता लंबी लड़ाई की स्थिति में गंभीर समस्या पैदा कर सकती है। ड्रोन अपनी अनुकूलनीय, स्वायत्त और किफायती हथियारों से सटीक युद्ध में क्रांति ला रहे हैं।

देश दुनीया से

देश के नाम पर संसद में बर्बाद किए अरबों

जिस देश में करोड़ों लोगों को साफ पीने का पानी, पर्याप्त बिजली, राशन, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं मयस्सर नहीं हैं, वहां सिर्फ आम लोगों की भलाई के नाम पर संसद में हंगामा करके अरबों रुपए स्वाह कर दिए जाते हैं। संसद में अब तक मानसून सत्र के दौरान हंगामे और व्यवधान के कारण लोकसभा में 7023 मिनट का समय बर्बाद हुआ। अर्थात प्रति मिनट करीब 2.5 लाख रुपए खर्च का अनुमान हुआ। यह आंकड़ा करीब 175 करोड़ रुपए बैठता है। देश के लोकतंत्र का मंदिर है संसद, जहां पर जनता की, उनके अधिकारों, मुद्दों की आवाज गूंजनी चाहिए। लेकिन वहां अभी तक के मानसून सत्र में सिर्फ शोर सुनाई दिया। विपक्ष का हंगामा कान के पर्दों को फाड़ रहा है। सवाल ये है कि इस शोर का बिल कौन भर रहा है? तो जवाब है- देश की जनता। क्योंकि संसद में हर मिनट हंगामा होता है तो सिर्फ बहस नहीं रुकती, बल्कि करीब ढाई लाख रुपए भी पानी की तरह बहते रहते हैं। संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष ने सरकार पर नीट पेपर परीक्षा, राम मंदिर चंदा चोरी जैसे मामलों में गृहमंत्री अमित शाह के बयान को लेकर कई दिनों तक हंगामा किया, जिससे संसद की कार्यवाही बाधित होती रही। संसद में विधायी कामकाज नहीं हो सका। संसद की कार्यवाही कई बार अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। सबसे अहम बात ये कि सदन स्थगित होने पर भी ये खर्च रुकता नहीं है। संसद की सुरक्षा, वहां के कर्मचारी, तकनीकी व्यवस्था और पूरा संसदीय तंत्र उसी तरह चलता रहता है। इसलिए जब कार्यवाही बार-बार बाधित होती है, तब करोड़ों रुपए का बोझ सीधे जनता की जेब पर पड़ता है। संसद की कार्यवाही एक दिन के लिए अगर स्थगित होती है, तो इसके पीछे 9 करोड़ रुपए का घाटा होता है। इस रकम को प्रति घंटे और प्रति मिनट के आधार पर यह प्रति घंटे एक करोड़ पचास लाख यानी डेढ़ करोड़ होती है। यह आंकड़ा इस साल के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में पीठासीन स्पीकर जगदंबिका पाल ने दिया था। साल 2014 से लेकर 2024 के आंकड़ों पर गौर करें तो बार-बार सदन के स्थगित होने की वजह से सरकारी तिजोरी का करीब 3300 करोड़ रुपया पूरी तरह बर्बाद हो चुका है। संसद के इस तरह से बार-बार ठप होने पर न सिर्फ जरूरी काम रुकते हैं, बल्कि लोगों के पैसे पर भी असर पड़ता है। इसी तरह संसद के साल 2025 के मॉनसून सत्र के दौरान सांसदों ने देशहित की बजाय अपनी राजनीति में अधिक समय गंवा दिया। लोकसभा में सांसदों को 120 घंटे देश के मुद्दों पर चर्चा करनी थी, लेकिन वास्तव में सिर्फ 37 घंटे ही काम हुआ। अर्थात 83 घंटे बेकार गए। केवल 31 फीसदी काम हुआ और बाकी 69 फीसदी समय सांसदों की आपसी राजनीति और हंगामे में बर्बाद हो गया। राज्यसभा का भी यही हाल था। यहां भी 120 घंटे काम होना चाहिए था, लेकिन सिर्फ 47 घंटे ही काम किया गया। मतलब 73 घंटे बर्बाद हो गए। राज्यसभा में भी सांसदों ने सिर्फ 38 फीसदी काम किया। लोकसभा में 83 घंटे काम नहीं हुआ, जिससे लगभग 124 करोड़ 50 लाख रुपए जनता के पैसे बर्बाद हो गए। वहीं राज्यसभा में 73 घंटे की बर्बादी से करीब 80 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। पिछले मानसून सत्र में दोनों सदनों में मिलाकर कुल 204 करोड़ 50 लाख रुपए बर्बाद हो गए। यह पैसा जनता के काम पर खर्च हो सकता था, लेकिन हंगामे और राजनीति की वजह से व्यर्थ चला गया। संसद के चलने में करोड़ों के इस खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा अर्थात करीब 35 से 40 प्रतिशत खर्च इन्हीं सांसदों के वेतन, भत्तों और सुविधाओं पर होता है, जो संसद में खड़े होकर चीखते हैं, हंगामा बरपाते हैं, बिलों को पेश तक नहीं होने दे रहे। इन सांसदों को एक लाख रुपए मासिक वेतन, 70 हजार रुपए निर्वाचन क्षेत्र भत्ता, 60 हजार रुपए कार्यालय और सहायक खर्च दिया जाता है। इसके अलावा दिल्ली आने पर प्रतिदिन 2 हजार रुपए का विशेष भत्ता और यात्रा सुविधाएं भी मिलती हैं। संसद सचिवालय के हजारों कर्मचारियों पर करीब 25 से 30 प्रतिशत खर्च होता है। इसमें प्रशासनिक अधिकारी, रिपोर्टर, ट्रांसलेटर्स, रिसर्च स्टाफ, स्टेनोग्राफर, मार्शल, डेटा एंट्री ऑपरेटर और सफाई कर्मचारियों का वेतन शामिल है। करीब 20 प्रतिशत खर्च संसद की हाईटेक व्यवस्थाओं पर होता है। बिजली-पानी, संसद टीवी की लाइव ब्रॉडकास्टिंग, हाई एंड रिकॉर्डिंग सिस्टम, डिजिटल वोटिंग पैनल, साथ में इनका खाना-पीना और रोज छपने वाले सैकड़ों विधायी दस्तावेजों की लागत इसी में आती है। 10 से 15 प्रतिशत खर्च संसद की सुरक्षा व्यवस्था पर होता है। दिल्ली पुलिस, सीआरपीएफ, संसद सुरक्षा सेवा, 24 घंटे चलने वाला सीसीटीवी नेटवर्क, आधुनिक स्कैनर और बायोमेट्रिक सिस्टम, ये सब तब भी चलते रहते हैं जब सदन में काम ठप हो जाता है। मतलब देश के खजाने के खर्च का मीटर लगातार घूमता रहता है। लोकसभा में कार्यवाही स्थगित करने का अधिकार स्पीकर यानी अध्यक्ष के पास होता है। राज्यसभा में यह अधिकार सभापति की कुर्सी पर बैठे उपराष्ट्रपति या उनकी गैरमौजूदगी में बैठक को संचालित कर रहे उपसभापति या पीठासीन अधिकारी के पास होता है। संसद की कार्यवाही स्थगित होने का मतलब है कि सदन की बैठक को कुछ समय के लिए या फिर पूरे दिन के लिए रोक दिया जाए। सदन में व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होने पर वह अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। सवाल यह भी है कि क्या विपक्ष जानबूझकर हंगामा करता है? लोकतंत्र में विपक्ष का काम सरकार से जवाब मांगना भी होता है।

आप का नजरीया

कैसे लौटेगा भरोसा?

भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल प्रश्नों और उत्तरों का मूल्यांकन नहीं हैं। इनके पीछे लाखों विद्यार्थियों की वर्षों की मेहनत, समय, धन, पारिवारिक उम्मीदें और भविष्य की योजनाएं जुड़ी होती हैं। इसलिए जब किसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में प्रश्नपत्र की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठते हैं और परीक्षा दोबारा कराने की नौबत आती है, तो इसे केवल एक प्रशासनिक भूल मानकर आगे बढ़ जाना उचित नहीं है। यह पूरे परीक्षा तंत्र की विश्वसनीयता और जवाबदेही का प्रश्न बन जाता है। यूजीसी-नेट जून 2026 की अंग्रेजी, वाणिज्य और समाजशास्त्र विषयों की परीक्षा को दोबारा कराने का निर्णय इसी चिंता को सामने लाता है। इन तीन विषयों के प्रश्नपत्रों को लेकर बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने शिकायतें की थीं। जांच के बाद प्रश्नपत्रों में तथ्यात्मक त्रुटियां, मुद्रण संबंधी गलतियां, अनुवाद की समस्याएं, व्याकरण संबंधी कमियां, विद्वानों और पुस्तकों के नामों में गलतियां तथा पहले पूछे जा चुके प्रश्नों की पुनरावृत्ति जैसी समस्याएं सामने आईं। इन कमियों के कारण संबंधित विषयों की परीक्षा दोबारा कराने का निर्णय लिया गया। यह निर्णय तत्काल दृष्टि से उचित है, क्योंकि त्रुटिपूर्ण प्रश्नपत्र के आधार पर परिणाम घोषित करना विद्यार्थियों के साथ अन्याय होता। लेकिन असली सवाल इससे आगे का है- आखिर इतने महत्वपूर्ण प्रश्नपत्र में ऐसी गलतियां पहुंचीं कैसे? हाल के समाचारों और उपलब्ध जानकारी में नीट-यूजी प्रश्नपत्र विवाद के संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय की सख्ती तथा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की परीक्षा व्यवस्था को और मजबूत, सुरक्षित एवं पारदर्शी बनाने की आवश्यकता पर भी सवाल उठे हैं। यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि देश में लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़ी परीक्षाओं के संचालन के लिए क्या वर्तमान व्यवस्था पर्याप्त रूप से मजबूत और जवाबदेह है? अक्सर परीक्षा सुधार की चर्चा होते ही प्रश्नपत्र लीक रोकने, परीक्षा केंद्रों पर निगरानी बढ़ाने, प्रश्नपत्रों के सुरक्षित परिवहन और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की बात की जाती है। ये सभी उपाय आवश्यक हैं, लेकिन एक महत्वपूर्ण प्रश्न अक्सर पीछे छूट जाता है- क्या प्रश्नपत्र स्वयं शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण है? यदि किसी प्रश्न में किसी विद्वान का नाम गलत लिखा हो, किसी पुस्तक का शीर्षक गलत हो, किसी तथ्य में त्रुटि हो, अनुवाद प्रश्न का अर्थ बदल दे या व्याकरण संबंधी गलती के कारण प्रश्न अस्पष्ट हो जाए, तो विद्यार्थी की योग्यता का निष्पक्ष मूल्यांकन कैसे होगा? इसलिए परीक्षा की विश्वसनीयता के दो महत्वपूर्ण आधार हैं- प्रश्नपत्र की सुरक्षा और प्रश्नपत्र की शैक्षणिक गुणवत्ता। प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र से बाहर न जाए, यह जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी यह भी है कि परीक्षा केंद्र तक पहुंचने वाला प्रश्नपत्र तथ्यात्मक रूप से सही, भाषा की दृष्टि से स्पष्ट, पाठ्यक्रम के अनुरूप और संतुलित हो। राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा संस्था के लिए संघ लोक सेवा आयोग की कार्यप्रणाली से सीखने की आवश्यकता पर भी चर्चा हो रही है। इसका अर्थ यह नहीं है कि दोनों संस्थाओं की परीक्षाएं पूरी तरह समान हैं। सीखने का विषय उनकी संस्थागत विश्वसनीयता और प्रक्रिया की मजबूती है।

यूजीसी-नेट जून 2026 की अंग्रेजी, वाणिज्य और समाजशास्त्र विषयों की परीक्षा को दोबारा कराने का निर्णय इसी चिंता को सामने लाता है। इन तीन विषयों के प्रश्नपत्रों को लेकर बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने शिकायतें की थीं। जांच के बाद प्रश्नपत्रों में तथ्यात्मक त्रुटियां, मुद्रण संबंधी गलतियां, अनुवाद की समस्याएं, व्याकरण संबंधी कमियां, विद्वानों और पुस्तकों के नामों में गलतियां तथा पहले पूछे जा चुके प्रश्नों की पुनरावृत्ति जैसी समस्याएं सामने आईं। इन कमियों के कारण संबंधित विषयों की परीक्षा दोबारा कराने का निर्णय लिया गया। यह निर्णय तत्काल दृष्टि से उचित है, क्योंकि त्रुटिपूर्ण प्रश्नपत्र के आधार पर परिणाम घोषित करना विद्यार्थियों के साथ अन्याय होता। लेकिन असली सवाल इससे आगे का है- आखिर इतने महत्वपूर्ण प्रश्नपत्र में ऐसी गलतियां पहुंचीं कैसे? हाल के समाचारों और उपलब्ध जानकारी में नीट-यूजी प्रश्नपत्र विवाद के संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय की सख्ती तथा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की परीक्षा व्यवस्था को और मजबूत, सुरक्षित एवं पारदर्शी बनाने की आवश्यकता पर भी सवाल उठे हैं। यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि देश में लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़ी परीक्षाओं के संचालन के लिए क्या वर्तमान व्यवस्था पर्याप्त रूप से मजबूत और जवाबदेह है? अक्सर परीक्षा सुधार की चर्चा होते ही प्रश्नपत्र लीक रोकने, परीक्षा केंद्रों पर निगरानी बढ़ाने, प्रश्नपत्रों के सुरक्षित परिवहन और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की बात की जाती है।

दृष्टि कोण

कचरा प्रबंधन से परिपत्र अर्थव्यवस्था की ओर

भारत में तेजी से बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण, औद्योगिकीकरण और उपभोग के कारण विभिन्न प्रकार के कचरे की मात्रा लगातार बढ़ रही है। प्लास्टिक कचरा, इलेक्ट्रॉनिक कचरा, प्रयुक्त बैटरियां, पुराने टायर तथा प्रयुक्त तेल आज पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण चुनौती बन चुके हैं। केवल कचरे को एकत्र करके उसका निपटान कर देना इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। आवश्यकता ऐसी व्यवस्था की है जिसमें उत्पाद के निर्माण से लेकर उसके उपयोग और उपयोग के बाद उत्पन्न कचरे के प्रबंधन तक उत्पादक की जिम्मेदारी सुनिश्चित हो। इसी विचार पर आधारित है विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व। इसका मूल उद्देश्य उत्पादक को अपने उत्पाद के पूरे जीवन-चक्र के प्रति उत्तरदायी बनाना तथा कचरे को संसाधन के रूप में पुनः अर्थव्यवस्था में शामिल करना है। विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व का अर्थ है कि किसी उत्पाद को बाजार में लाने वाले उत्पादक, आयातक या ब्रांड स्वामी की जिम्मेदारी केवल उत्पाद के निर्माण और बिक्री तक सीमित नहीं रहती। उत्पाद के उपयोग के बाद उससे उत्पन्न कचरे के संग्रहण, पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण, संसाधन पुनप्राप्ति तथा सुरक्षित निपटान की जिम्मेदारी भी उससे जुड़ी होती है। इसका मूल सिद्धांत है कि जिसने उत्पाद बाजार में उतारा है, उसके उपयोग के बाद उत्पन्न कचरे के प्रबंधन की जिम्मेदारी भी उसी की होनी चाहिए। इससे उत्पादकों को ऐसे उत्पाद और पैकेजिंग तैयार करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है जिन्हें आसानी से पुनः उपयोग या पुनर्चक्रित किया जा सके। भारत में विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व की अवधारणा विभिन्न कचरा प्रबंधन नियमों के माध्यम से विकसित हुई है। प्लास्टिक कचरे के लिए प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 में इसके प्रावधान किए गए और बाद में संशोधनों के माध्यम से विस्तृत उत्तरदायित्व व्यवस्था विकसित की गई। इसी प्रकार ई-कचरा प्रबंधन नियम 2022 के अंतर्गत विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उत्पादकों के लिए पुनर्चक्रण संबंधी दायित्व निर्धारित किए गए हैं। ये नियम 1 अप्रैल 2023 से लागू हुए। इनके अंतर्गत उत्पादकों को निर्धारित

पुनर्चक्रण लक्ष्य पूरा करना होता है और यह कार्य पंजीकृत पुनर्चक्रणकर्ताओं के माध्यम से किया जाता है। बैटरी अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2022 के अंतर्गत भी उत्पादकों के लिए विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व निर्धारित किया गया है। वर्तमान में यह व्यवस्था प्लास्टिक कचरे, ई-कचरे, बैटरी कचरे, अपशिष्ट टायर तथा प्रयुक्त तेल जैसे विभिन्न कचरा प्रवाहों तक विस्तारित हो चुकी है। विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व की कार्यप्रणाली में उत्पादक अपने दायित्व के अनुसार संबंधित प्राधिकरण के समक्ष पंजीकरण करता है। इसके बाद उसके द्वारा बाजार में उतारे गए उत्पाद अथवा पैकेजिंग की मात्रा के आधार पर निर्धारित दायित्व पूरा करना होता है। कचरे को एकत्र करने के बाद उसे अधिकृत या पंजीकृत पुनर्चक्रणकर्ताओं तक पहुंचाया जाता है। पुनर्चक्रणकर्ता वास्तविक रूप से पुनर्चक्रित कचरे की मात्रा का अभिलेख रखते हैं। निर्धारित व्यवस्था के अनुसार पुनर्चक्रण के आधार पर प्रमाणपत्र जारी किए जा सकते हैं, जिनका उपयोग उत्पादक अपने दायित्व की पूर्ति के लिए करता है। इस प्रकार उत्पादन, उपभोग, कचरा संग्रहण और पुनर्चक्रण के बीच एक उत्तरदायी व्यवस्था स्थापित होती है। प्लास्टिक कचरा प्रबंधन में विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व की विशेष भूमिका है। प्लास्टिक पैकेजिंग के बढ़ते उपयोग के कारण उसके उपयोग के बाद उचित संग्रहण और पुनर्चक्रण आवश्यक हो गया है। उत्पादकों, आयातकों और ब्रांड स्वामियों को अपने द्वारा बाजार में प्रस्तुत प्लास्टिक पैकेजिंग से संबंधित निर्धारित दायित्वों को पूरा करना होता है। इससे प्लास्टिक के संग्रहण, पुनर्चक्रण और उचित निपटान की व्यवस्था को बढ़ावा मिलता है।

घबराई भाजपा पीडीए के पी का मतलब बदल रही : अखिलेश यादव

-मुख्यमंत्री योगी के पीडीए के 'पी' की परिभाषा बदलने पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का पलटवार

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ह्यपीडीए में पी से पाकिस्तान वाले बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। अखिलेश यादव ने कहा कि एकरंगी लोग पीडीए के बहुरंग को क्या समझेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा घबराई हुई है। इसलिए पीडीए में पी की परिभाषा बदलने की कोशिश कर रही है। समाजवादी चिंतन ही हमारे समाज को दिशा दिखा सकता है। अखिलेश यादव ने शनिवार को राजधानी लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जितनी उनकी पीड़ा बढ़ेगी, उतना ही पीडीए मजबूत होगा। उन्होंने पीडीए का नया अर्थ बताते हुए कहा कि इसका असली मतलब प्रेम, दया और अपनापन है। हमारा लक्ष्य है कि समाजवादी विचारधारा से, पीडीए के आंदोलन से सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए सरकार बनाएं। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता के दुरुपयोग को अपना अधिकार समझती है। भ्रष्टाचार तथा सरकारी बजट की लूट उसका मुख्य एजेंडा बन गया है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में पीडीए समाज का उत्पीड़न हो रहा है और फर्जी एनकाउंटर किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपराधियों और भ्रष्टाचारियों को सत्ता का संरक्षण मिल रहा है। उन्होंने कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के षड्यंत्र को विफल करने की ताकत सिर्फ समाजवादी पार्टी के पास है। उन्होंने कहा कि भाजपा समाजवादी पार्टी को बदनाम करने की कोशिश कर रही है। एक सवाल का जवाब देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी कभी गठबंधन नहीं तोड़ती, समाजवादी पार्टी जब साथ लेकर चलती है तो साथ निभाती है। भाजपा की ही विधायक मंदिर जातीं हैं तो उन्हें रोका जाता है। हम तो ये कहेंगे कि भाजपा के जितने भी सहयोगी दल हैं, उन्हें ज्यादा से ज्यादा सीटें दी जाएं। उन्होंने प्रयागराज में बाढ़ और जलभराव की स्थिति का भी जिक्र किया और सरकार पर विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर धन खर्च करने के बावजूद शहर में जलभराव की समस्या का समाधान न कर पाने का आरोप लगाया। अखिलेश ने कहा कि जनता अब भाजपा सरकार से परेशान है और आने वाले विधानसभा चुनाव में बदलाव के लिए तैयार है। इससे पूर्व पर पार्टी मुख्यालय में एक संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान हिंदी साहित्य कवि के तौर पर उदय प्रताप सिंह को सम्मानित किया गया। इस दौरान एक पुस्तक का भी विमोचन सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने किया। कार्यक्रम में सांसद डिंपल यादव, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के साथ पार्टी नेतागण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जयंत पर टिप्पणी करना बेहद शर्मनाक, जाट समाज से माफी मांगें अखिलेश : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव के केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को लेकर दिए बयान पर हमला बोला है। उन्होंने अखिलेश यादव के बयान को अमर्यादित और शर्मनाक बताते हुए उनसे राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) और उसके नेता से ही नहीं, बल्कि पूरे जाट समाज से भी माफी मांगने की मांग की है। मायावती ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि सपा प्रमुख का अपनी पुरानी सहयोगी पार्टी रालोद और उसके नेता के बारे में यह कहना कि हमने इनको चवन्नी से रुपया बना दिया है, पूरी तरह अमर्यादित, अशोभनीय और शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि ऐसी अहंकारी और अलोकतांत्रिक बयानबाजी के लिए अखिलेश यादव को रालोद और उसके नेता के साथ-साथ चौधरी चरण सिंह के परिवार का अपमान करने के लिए पूरे जाट समाज से भी तत्काल माफी मांगनी चाहिए। बसपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि सपा का राजनीतिक आचरण अपने विरोधी दलों के साथ-साथ सहयोगी दलों के प्रति भी राजनीतिक संकीर्णता और जातिवादी द्वेष से प्रभावित रहा है। उन्होंने कहा कि इसका राजनीतिक और चुनावी लाभ अक्सर भाजपा को मिला है और धर्मनिरपेक्ष ताकतें कमजोर हुई हैं। मायावती ने सपा-बसपा के पुराने गठबंधन का जिक्र करते हुए कहा कि सपा के अहंकारी रवैये के कारण 1993 में मुलायम सिंह यादव के साथ बना गठबंधन जल्द टूट गया था। इसके बाद दो जून 1995 को उनके खिलाफ कथित हत्या के षड्यंत्र के तहत लखनऊ स्टेट गेस्ट हाउस कांड हुआ। उन्होंने कहा कि बाद में अखिलेश यादव के आश्वासन पर बसपा और सपा के बीच लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन हुआ, लेकिन चुनाव परिणाम अनुकूल नहीं आने के बाद अखिलेश यादव के अहंकारी और स्वार्थी रवैये के कारण यह गठबंधन भी टूट गया। मायावती ने आरोप लगाया कि सपा गठबंधन के मामले में केवल अपना काम निकालना जानती है और काम निकलने के बाद गिरगिट की तरह रंग बदल लेती है। उन्होंने कहा कि सपा का दूसरी पार्टियों के खिलाफ अनाप-शनाप भाषा का इस्तेमाल करना भी उसका पुराना रवैया है। उन्होंने सर्वसमाज के लोगों को सपा की कथित संकीर्ण और जातिवादी राजनीति से सावधान रहने की अपील की। बसपा अध्यक्ष ने अखिलेश यादव के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की राजनीति पर भी सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश अपने राजनीतिक स्वार्थ के अनुसार पीडीए में पी को कभी पिछड़ा वर्ग तो कभी पंडितों के हित से जोड़ते हैं, जबकि सपा पिछड़े वर्गों में अपनी जाति के अलावा अन्य पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और सवर्ण समाज, विशेषकर ब्राह्मणों की हितैषी नहीं रही है। मायावती ने सपा की पिछली सरकारों पर दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और सवर्ण समाज, विशेषकर ब्राह्मणों के शोषण और उत्पीड़न का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सपा सरकारों में गुण्डों, बदमाशों, माफियाओं और अराजक तत्वों को लाभ मिला। उन्होंने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सर्वसमाज के लोगों से सपा को सत्ता में नहीं आने देने की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 24 अगस्त का रायबरेली दौरा, प्रशासन तैयारियों में जुटा

रायबरेली, (हि. स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित 24 अगस्त के रायबरेली दौरे को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री के अमर शहीद राणा बेनी माधव बक्श सिंह की 222वीं जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने का कार्यक्रम है। यहां वह 50 करोड़ की लागत से बने सभागार का लोकार्पण व एक जनसभा को संबोधित करेंगें। हालांकि दौरे की कोई आधिकारिक सूचना अभी उपलब्ध नहीं हुई, जबकि प्रशासन प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर तैयारियों में जुट गया है। उल्लेखनीय है कि 1857 की क्रांति के नायक राणा बेनी माधव सिंह की 222वीं जयंती पर भाव समर्पण समारोह का आयोजन किया जा रहा है। राणा बेनी माधव स्मारक समिति द्वारा इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पर्यटन विभाग द्वारा बनाये गए एक सभागार का लोकार्पण होना है। मुख्यमंत्री इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगें। इस-ाके साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रायबरेली के जीआईसी मैदान में आयोजित एक जनसभा को भी संबोधित करेंगें। मुख्यमंत्री द्वारा इस अवसर पर कई योजनाओं का लोकार्पण भी होना प्रस्तावित है। हालांकि अभी प्रशासन द्वारा कोई अधिकृत जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। बावजूद इसके मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। पुलिस, प्रशासन सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी लगातार कार्यक्रम स्थलों का दौरा कर रहे हैं व साफ-सफाई सहित सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की जा रही है। आईजी किरण यश ने भी मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे के लिए ट्रैफिक डायवर्जन, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था को परखा और सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। नगर पालिका द्वारा सभी जरूरी काम समयसीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री के काफिले के गुजरने वाले प्रमुख मार्गों पर नगर पालिका प्रशासन विशेष ध्यान दे रहा है। सड़कों को गड्ढामुक्त करने, नालियों की सफाई, जलभराव रोकने और शहर की समुचित सफाई व्यवस्था को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वीआईपी दौरे से पहले सभी जरूरी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली जाएंगी। अपर जिलाधिकारी सिद्धार्थ के अनुसार मुख्यमंत्री का अधिकृत कार्यक्रम अभी उपलब्ध नहीं हुआ है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नोएडा में डायग्नोस्टिक सेंटर का किया उद्घाटन

नोएडा, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को नोएडा के सेक्टर-6 स्थित इंदिरा गांधी कला केंद्र में आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने सेक्टर-75 स्थित महाजन इमेजिंग एंड लैब्स के डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाटन किया। इससे पहले रक्षा मंत्री के नोएडा पहुंचने पर महाजन इमेजिंग एंड लैब्स की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर रितु महाजन और डायरेक्टर हर्ष महाजन ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान शिवानी वर्मा ने कथक नृत्य की प्रस्तुति दी। रक्षा मंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए शहर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। उनकी सुरक्षा में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए कुछ मार्गों पर रूट डायवर्जन भी किया गया। कार्यक्रम में सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सपा अध्यक्ष को जयंत चौधरी से मांगनी चाहिए माफी : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को जयंत चौधरी से माफी मांगनी चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने शनिवार को अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि नेताजी की कमाई, सपा बहादुर ने गंवाई। यह सोलह आने सच है। लेकिन इस छटपटाहट ने सपा बहादुर अखिलेश यादव का मनोबल ऐसा तोड़ा है कि अपनी जुबान से अगड़ा, पिछड़ा और दलितों में किसी पर भी अपनी लाठी चला देते हैं। अब केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी पर घटिया बयान देकर अपनी उसी छटपटाहट को उजागर कर दिया जबकि 'भारत रत्न' चौधरी चरण सिंह का सैफई परिवार पर इतना कर्ज है कि सपा बहादुर उसे चुका नहीं सकते। सपा बहादुर को जयंत चौधरी से तुरंत माफी मांगनी चाहिए। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उनकी छटपटाहट इसमें भी है कि अगड़ा-पिछड़ा-दलित की त्रिवेणी भाजपा के साथ है। इसमें कोई शक नहीं है कि उत्तर प्रदेश की जनता जातिवाद व मुस्लिम तुष्टीकरण में डूबी सपा का बोरिया-बिस्तर समेटकर 2027 में उसे सैफई भेज देगी। उल्लेखनीय है कि समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने रालोद अध्यक्ष व केन्द्रीय मंत्री जयंत चौधरी पर तथाकथित अशोभनीय टिप्पणी की है। उनकी इस टिप्पणी से उग्र की सियासत में उबाल है। रालोद ने तो इसकी कड़ी आलोचना की ही है, साथ में बहुजन समाज पार्टी और भारतीय जनता पार्टी ने भी उनकी आलोचना की है।

बच्चों की बनाई राखियां सरहद के जवानों और प्रधानमंत्री तक पहुंचेंगी

पूर्वी सिंहभूम, (हि.स.)। रक्षाबंधन के अवसर पर भारतीय डाक विभाग के सिंहभूम डाक प्रमंडल ने बच्चों को देश के जवानों और राष्ट्रीय नेतृत्व से जोड़ने के उद्देश्य से विशेष पहल शुरू की है। ह्यराखी बनाओ और भेजोह्न अभियान के तहत शहर के विभिन्न स्कूलों में राखी मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। टेल्को और कदमा क्षेत्र के वैली व्यू स्कूल, गुलमोहर हाई स्कूल, डीबीएमएस करियर एकेडमी और डीबीएमएस कदमा हाई स्कूल में आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने इको-फ्रेंडली और ह्यबेस्ट आउट ऑफ वेस्टह्न सामग्री से आकर्षक राखियां तैयार कीं। इन राखियों को देश की सीमाओं पर तैनात जवानों, पुलिसकर्मियों और प्रधानमंत्री को भेजा गया। डाक विभाग की ओर से स्कूल परिसर में ही विशेष लिफाफे और स्पीड पोस्ट की सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिससे विद्यार्थियों को अपनी बनाई राखियां और संदेश सीधे भेजने का अवसर मिला। इस दौरान बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। वैली व्यू स्कूल, टेल्को में कार्यक्रम का उद्घाटन डाक विभाग के अधिकारी उज्जवल दास गुप्ता और निशांत कुमार के साथ स्कूल की प्राचार्या मिसेज मिक्की सिंह एवं उप-प्राचार्य जे. रमेश ने दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यार्थियों ने पारंपरिक और पर्यावरण अनुकूल सामग्री से राखियां तैयार कीं। शनिवार को कार्यक्रम के समापन पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए डाक विभाग के अधिकारियों को पौधे भी भेंट किए गए। गुलमोहर हाई स्कूल में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने राखी बनाने की प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। बच्चों ने अपने भाइयों के अलावा देश के प्रधानमंत्री और सीमा पर तैनात सैनिकों के लिए भी राखियां तैयार कीं। स्कूल में ही स्पीड पोस्ट की सुविधा मिलने से विद्यार्थियों ने अपने संदेशों के साथ राखियां रवाना कीं। डीबीएमएस करियर एकेडमी, कदमा में परीक्षा की व्यस्तता के बावजूद करीब 50 विद्यार्थियों ने अभियान में भाग लिया। स्कूल की प्राचार्या सोमा बनर्जी ने डाक विभाग की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे डिजिटल दौर के बच्चों को पत्र लेखन और पारंपरिक डाक व्यवस्था से जुड़ने का अवसर मिल रहा है।वहीं, डीबीएमएस कदमा हाई स्कूल में भी लगभग 50 छात्र-छात्राओं ने राखियां बनाईं। प्राचार्या गुरप्रीत भामरा और आर्ट टीचर निशा राज ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों में पारिवारिक मूल्यों के साथ-साथ देश के जवानों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना विकसित करने में सहायक हैं।

बीमा दावा लंबित रखने पर एसबीआई लाइफ को झटका, 15 दिन में बतानी होगी दस्तावेजों की कमी

पश्चिमी सिंहभूम,(हि.स.)। पश्चिमी सिंहभूम जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने बीमा पॉलिसीधारक की मृत्यु के बाद नामित व्यक्ति के दावे को लंबित रखने के मामले में एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को दावा प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया है। आयोग के अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह की अदालत ने उपभोक्ता (वाद संख्या 10/2025) में शनिवार को फैसला सुनाया। मामले की अंतिम सुनवाई 30 जुलाई 2026 को हुई थी। मामला चाईबासा के मेरी टोला, वार्ड संख्या दो निवासी राजेश मिंज से जुड़ा है। शिकायत के अनुसार उनकी मामी धानिया तिर्की ने एसबीआई लाइफ की स्मार्ट मनी बैक गोल्ड बीमा पॉलिसी ली थी। पॉलिसी संख्या (आईएन620373604) में राजेश मिंज को शत-प्रतिशत नामित व्यक्ति बनाया गया था। पॉलिसी की जोखिम अवधि 16 मई 2017 से शुरू हुई थी और बीमित राशि एक लाख 30 हजार रुपये थी। धानिया तिर्की की 26 जनवरी 2024 को मृत्यु हो गई। इसके बाद राजेश मिंज ने बीमा राशि के भुगतान के लिए दावा किया, लेकिन कंपनी ने दावे का निपटारा नहीं किया। सुनवाई के दौरान कंपनी ने कहा कि उसे मृत्यु की विधिवत सूचना और आवश्यक दस्तावेज नहीं मिले थे। कंपनी ने पॉलिसी की शर्तों का हवाला देते हुए दावा किया कि जरूरी जानकारी और कागजात उपलब्ध नहीं होने के कारण दावे का निर्धारण नहीं किया जा सका। आयोग ने पाया कि मृत्यु प्रमाणपत्र, बीमा पॉलिसी समेत आवश्यक दस्तावेज पहले ही आयोग के समक्ष प्रस्तुत किए जा चुके थे और कंपनी को भी शिकायत के साथ दस्तावेज मिल चुके थे। ऐसे में केवल अलग से मृत्यु सूचना नहीं दिए जाने के आधार पर दावा लंबित रखना उचित नहीं है। आयोग ने कंपनी को आदेश दिया कि 15 दिनों के भीतर शिकायतकर्ता को लिखित रूप से बताया जाए कि कौन-कौन से अतिरिक्त दस्तावेज जरूरी हैं। दस्तावेज मिलने के बाद 30 दिनों में जांच पूरी कर कारणयुक्त निर्णय देना होगा। दावा स्वीकार होने पर पॉलिसी के अनुसार देय राशि का भुगतान करना होगा। इसके अलावा आयोग ने मानसिक पीड़ा के लिए 10 हजार और मुकदमा खर्च के लिए पांच हजार रुपये देने का आदेश दिया है। भुगतान 45 दिनों में नहीं करने पर नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज देना होगा।

अभाविप ने बिरसा कॉलेज में किया प्रदर्शन

खूंटी ,(हि.स.)। बिरसा कॉलेज खूंटी में स्नातक स्तर पर नामांकन की सीटों में वृद्धि की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के नेतृत्व में शुक्रवार को विद्यार्थियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में विद्यार्थी कॉलेज परिसर में बिरसा मुंडा की प्रतिमा के नीचे एकत्रित हुए और सीटों की संख्या बढ़ाने की मांग को लेकर नारेबाजी की। विद्यार्थियों ने कहा कि बिरसा कॉलेज खूंटी एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा का प्रमुख केंद्र है। आर्थिक रूप से कमजोर और ग्रामीण परिवारों के कई विद्यार्थी बाहर जाकर पढ़ाई करने में सक्षम नहीं हैं। ऐसे में स्नातक स्तर पर सीटों की कमी के कारण बड़ी संख्या में योग्य विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा से वंचित होने की आशंका है। प्रदर्शन के दौरान विद्यार्थियों ने ह्यसीट बढ़ाओ, विद्यार्थियों का भविष्य बचाओह्न और ह्यहर बच्चे को पढ़ने दो, बिरसा कॉलेज बढ़ने दोह्न जैसे नारे लगाए। उन्होंने मांग की कि कॉलेज में सीटों की संख्या क्षेत्र की वास्तविक शैक्षणिक आवश्यकता के अनुरूप बढ़ाई जाए। परिषद के प्रदेश मंत्री प्रकाश टूटी ने कहा कि बिरसा कॉलेज खूंटी के गरीब, ग्रामीण और आदिवासी परिवारों के हजारों विद्यार्थियों के सपनों का केंद्र है। सीटों की कमी के कारण किसी विद्यार्थी को उच्च शिक्षा से वंचित नहीं होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सीट वृद्धि को लेकर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो संगठन विद्यार्थियों के साथ मिलकर उग्र और तेज आंदोलन करेगा। प्रवास में पहुंचे क्षेत्रीय प्रमुख रवि अग्रवाल ने कहा कि कई विद्यार्थियों का नामांकन केवल सीट उपलब्ध नहीं होने के कारण नहीं हो पाया है। वहीं रीना ओड़आ ने कहा कि नामांकन पा चुके विद्यार्थियों को भी अपने वंचित साथियों के लिए आवाज उठानी चाहिए। सुखराम हेमरोम और सुशांति तोपने भी सीटों में पर्याप्त वृद्धि की मांग करते हुए कहा कि खूंटी के किसी भी योग्य विद्यार्थी को सीट की कमी के कारण पढ़ाई से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। संगठन ने विश्वविद्यालय एवं संबंधित विभाग से शीघ्र ठोस निर्णय लेने की मांग की है। प्रदर्शन के बाद विद्यार्थियों ने प्रभारी प्राचार्या को मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा।

गंगा खतरे के निशान से 17 सेमी नीचे, कोसी के बढ़ते जलस्तर से तटबंधों पर बढ़ा दबाव

भागलपुर, (हि.स.)। जिले के नवगछिया अनुमंडल में गंगा और कोसी नदियों के जलस्तर में हो रही तेजी से वृद्धि ने प्रशासन और स्थानीय ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। क्षेत्र में बाढ़ का खतरा लगातार गहराता जा रहा है। जल संसाधन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, इस्माईलपुर-बिंद टोली स्पर के पास गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है और यह खतरे के निशान से महज 17 सेंटीमीटर नीचे रह गया है। नदी के रौद्र रूप को देखते हुए तटीय इलाकों में रहने वाले लोग सहमे हुए हैं। दूसरी तरफ, कोसी नदी भी उफान पर है। मदरौनी में कोसी का जलस्तर चेतावनी स्तर के बेहद करीब पहुंच गया है। नदियों के बढ़ते जलस्तर के कारण कई निचले इलाकों में पानी फैलने की आशंका जताई जा रही है। नदियों में उफान के बाद बाढ़ नियंत्रण विभाग पूरी तरह सतर्क मोड में आ गया है। जलस्तर में अचानक हुई वृद्धि से इस्माईलपुर-बिंद टोली तटबंध समेत अन्य संवेदनशील स्परों पर दबाव काफी बढ़ गया है। खतरे को भांपते हुए विभाग ने सभी फ्लड फाइटिंग इंजीनियरों और कर्मियों को अलर्ट कर दिया है। तटबंधों की चौबीस घंटे निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति या रिसाव की सूचना पर तुरंत सुधारात्मक कदम उठाए जा सके। स्थानीय प्रशासन ने भी प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

कच्ची कांवड़िया पथ पर बिखरे आस्था के रंग, पश्चिम बंगाल के श्रद्धालुओं का अनोखा संदेश

भागलपुर, (हि.स.)। सावन के पवित्र महीने में सुल्तानगंज का नमामि गंगे घाट आस्था के सागर में डूबा हुआ है। देश के कोने-कोने से आ रहे शिव भक्तों के जयकारों से पूरा माहौल शिवमय हो गया है। इसी बीच, सुल्तानगंज से देवघर को जोड़ने वाले कच्ची कांवड़िया पथ पर श्रद्धालुओं का उत्साह और उनकी अनोखी कांवड़ हर किसी के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। कच्ची कांवड़िया पथ पर इस बार पश्चिम बंगाल से आए शिव भक्तों का एक जत्था हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। इन श्रद्धालुओं ने बाबा भोलेनाथ और माता पार्वती की बेहद खूबसूरत और भव्य मूर्तियां बनाई हैं, जिन्हें उन्होंने कांवड़ का रूप दिया है। इस अनोखे और भारी-भरकम कांवड़ को कंधे पर उठाए श्रद्धालु 'बोल बम' और 'हर हर महादेव' के जयकारे लगाते हुए देवघर की ओर बढ़ रहे हैं। इस कांवड़ की सबसे बड़ी खासियत इस-ाका पर्यावरण-अनुकूल होना है। श्रद्धालुओं ने बताया कि इसे पूरी तरह प्रकृति को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। कांवड़ और मूर्तियों को सजाने व रंगने के लिए केवल इको-फ्रेंडली रंगों का इस्तेमाल किया गया है, ताकि इससे पर्यावरण या जल स्त्रोतों को कोई नुकसान न पहुंचे। रास्ते से गुजरने वाला हर कांवड़िया और स्थानीय नागरिक इस अद्भुत नजारे को देखने के लिए रुक रहा है। पश्चिम बंगाल के इन शिव भक्तों की श्रद्धा, उनका कठिन पैदल सफर और पर्यावरण के प्रति उनकी यह अनूठी सोच रास्ते में कौतूहल और प्रेरणा का विषय बनी हुई है। गंगा घाट से लेकर कांवड़िया पथ तक, आस्था के इस भव्य रूप को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

किशनगंज, (हि.स.)। सोशल मीडिया पर ठाकुरगंज के जदयू विधायक गोपाल कुमार अग्रवाल के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने के मामले में किशनगंज पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की गिरफ्तारी ठाकुरगंज थाना कांड संख्या 231/26, दिनांक 28 जुलाई 2026 के तहत की गई है। पुलिस के अनुसार, मामले में दर्ज बीएनएस की धारा 356, 352, 351(2) तथा आईटी एक्ट की धारा 66(डी) और 67 के तहत कार्रवाई करते हुए मोहम्मद शाहिद उर्फ बबुआ भाई को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी कटिहार जिले के कदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत सनोली का रहने वाला बताया गया है। शनिवार को पुलिस ने बताया कि सोशल मीडिया पर विधायक के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र एवं आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले की जांच के क्रम में आरोपी की पहचान होने के बाद पुलिस ने उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में पुलिस की इस कार्रवाई को लेकर क्षेत्र में चर्चा है।

भारत-मारीशस ने किया दीर्घकालिक ईंधन आपूर्ति समझौता, आईओसी आयात जरूरत पूरी करेगा

नई दिल्ली

भारत और मारीशस ने ऊर्जा क्षेत्र में आपसी साझेदारी मजबूत करते हुए 5 साल के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अंतर्गत इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) मारीशस की पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) की आयात जरूरत को पूरा करेगा।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बयान में बताया कि केंद्रीय पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी की मारीशस की आधिकारिक यात्रा के दौरान 20-21 अगस्त को इस समझौते के दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया। दोनों देशों के बीच तेल एवं गैस क्षेत्र में सहयोग को बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) भी हुआ है। मंत्रालय ने कहा कि इसमें पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण और जैव ईंधन के क्षेत्र में सहयोग शामिल है। समझौते के तहत आईओसी मारीशस की पेट्रोल, हाईस्पीड डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) की पूरी आयात जरूरत पूरी करेगी। इस समझौते से हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की प्रमुख ऊर्जा सुरक्षा साझेदार के रूप में भूमिका मजबूत होगी। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि यह समझौता ऐसे समय हुआ है जब वैश्विक ईंधन बाजार में संभावित आपूर्ति व्यवधानों के बीच देश अपनी ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। पश्चिम एशिया क्षेत्र में जारी अस्थिरता ने भी ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा के महत्व को बढ़ाया है। वहीं, पश्चिम एशिया में जारी संकट के दौरान भी भारत ने नेपाल और भूटान को आपूर्ति की अपनी प्रतिबद्धताएं पूरी करना जारी रखा, जो क्षेत्र के लिए एक भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता के रूप में उसकी स्थिति को दर्शाता है। भारत एक प्रमुख तेल शोधन केंद्र के रूप में उभरा है। देश की 23 रिफाइनरियों से हरेक साल लगभग 26.7 करोड़ टन परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों का उत्पादन होता है। भारत परिष्कृत ईंधन का शुद्ध निर्यातक है। भारत पहले से अपने पड़ोसी देशों नेपाल और भूटान को पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति करता है और क्षेत्र के अन्य देशों सहित विभिन्न बाजारों में भी बड़ी मात्रा में ईंधन का निर्यात करता है। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के बीच यह समझौता सदी की शुरुआत से चली आ रही व्यावसायिक उपस्थिति पर आधारित है। इंडियन आयल ने 2001 में अपनी सहायक कंपनी इंडियन आयल (मारीशस) लिमिटेड के जरिए मारीशस के बाजार में भी अपनी सेवाएं शुरू की थी।

न्यूज ब्रीफ

ईपीएफओ ने प्रतिष्ठानों से कर्मचारी नामांकन अभियान का लाभ उठाने का किया आग्रह

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने प्रतिष्ठानों से आग्रह किया है कि वे ईपीएफ कवरेज से बाहर कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु कर्मचारी नामांकन अभियान, 2026 का लाभ उठाएं। इस अभियान का उद्देश्य नियोक्ताओं के स्वैच्छिक अनुपालन को सुगम बनाना और पात्र श्रमिकों को भविष्य निधि, पेंशन और बीमा लाभ प्रदान करना है। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने प्रतिष्ठानों से आग्रह किया है कि वे 29 जून, 2026 से प्रभावी कर्मचारी नामांकन अभियान, 2026 (ईईसी 2026) का उपयोग करें। यह उन पात्र कर्मचारियों को नामांकित करने का विशेष अवसर प्रदान करता है, जो 1 अप्रैल, 2009 से 31 मार्च, 2026 की अवधि के दौरान कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) कवरेज से बाहर रहे। मंत्रालय ने बताया कि यह अभियान 31 अक्टूबर तक चलेगा और इसका उद्देश्य नियोक्ताओं द्वारा स्वैच्छिक अनुपालन को सुविधाजनक बनाना और पात्र श्रमिकों को भविष्य निधि, पेंशन और बीमा के लाभ देना है। इसके तहत पात्र नियोक्ता उन कर्मचारियों की घोषणा और नामांकन कर सकते हैं, जो निर्धारित अवधि के दौरान ईपीएफ कवरेज से बाहर रह गए थे और घोषणा की तिथि पर जीवित हैं तथा प्रतिष्ठान में कार्यरत हैं। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कहा कि नियोक्ताओं को निर्धारित आनलाइन माध्यम से नामांकन और भुगतान प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इस अभियान का उद्देश्य पात्र कर्मचारियों को वैधानिक सामाजिक सुरक्षा ढांचे के अंतर्गत लाने के लिए एक व्यावस्थित तंत्र प्रदान करके प्रतिष्ठानों और श्रमिकों को लाभ पहुंचाना है।

राशन वितरण में आएगा बदलाव, डिजिटल रुपया रोकेगा धोखाधड़ी

नई दिल्ली। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में धोखाधड़ी और सब्सिडी लीकेज पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार ने एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। इसके तहत प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की खाद्य सब्सिडी अब सीधे लाभार्थियों के केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) आधारित डिजिटल रुपया वालेट में हस्तांतरित की जाएगी। यह कदम देशभर में लगभग 78.85 करोड़ लाभार्थियों को प्रति माह वितरित होने वाले 19,000 करोड़ रुपये के खाद्यान्न में पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा। यह उद्देश्य-आधारित डिजिटल सब्सिडी लाभार्थियों को सूचीबद्ध दुकानदारों से खाद्यान्न खरीदने की सुविधा देगी। वे एक सुरक्षित और ट्रैक करने योग्य डिजिटल भुगतान तंत्र का उपयोग कर सकेंगे। रियल-टाइम ट्रैकिंग प्रणाली लीकेज और हेराफेरी को काफी हद तक कम करेगी। स्मार्टफोन उपयोगकर्ता क्यूआर कोड से, जबकि साधारण मोबाइल वाले ओटीपी-आधारित वाउचर से भुगतान कर सकेंगे। अप्रयुक्त कूपन स्वत: सरकारी खाते में लौट जाएंगे, जिससे फर्जी एंट्री की संभावना समाप्त होगी और राशन डीलर द्वारा कालाबाजारी पर लगाम लगेगी। गुजरात, पुडुचेरी, चंडीगढ़ और दादरा एवं नगर हवेली में सफल परीक्षण के बाद, इस सीबीडीसी आधारित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना को अब उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश सहित सात और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में लागू करने की तैयारी है।

प्रधानमंत्री से मिले 20 स्पेस स्टार्टअप के सीईओ, निजी अंतरिक्ष क्षेत्र बढ़ाने पर दिया जोर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित सेवा तीर्थ में देश के 20 अग्रणी स्वदेशी अंतरिक्ष स्टार्टअप के संस्थापकों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) से मुलाकात की। इस बैठक में उन्होंने निजी क्षेत्र के नवाचार और अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में उनके बढ़ते योगदान की सराहना की, जो भारत के तेजी से विकसित हो रहे निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए सरकार के मजबूत समर्थन को रेखांकित करती है। मोदी ने इन उद्यमियों को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए बधाई देते हुए कहा कि निजी क्षेत्र की उपलब्धियां अंतरिक्ष क्षेत्र को खोलने के सरकार के दृष्टिकोण को सही ठहराती हैं। उन्होंने जोर दिया कि भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र का तीव्र विकास वैश्विक प्रतिभाओं, कंपनियों और निवेश को आकर्षित करने की अपार संभावनाएँ पैदा कर रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और आईएन-स्पेस के अध्यक्ष पवन गोयनका भी इस महत्वपूर्ण बैठक में उपस्थित थे। इन स्टार्टअप्स में स्काईरूट एयरोस्पेस, अग्निकुल कासमास, पिक्सेल, ध्रुव स्पेस सहित कई प्रमुख कंपनियां शामिल थीं, जो राकेट, उपग्रह, एविओनिक्स, उन्नत प्रणोदन और अंतरिक्ष मलबे को हटाने जैसे क्षेत्रों में काम कर रही हैं।

वैश्विक दबाव में रहा बाजार : कच्चे तेल और भू-राजनीतिक तनाव ने बढ़ाई अनिश्चितता

हफ्ते के अंत में बाजार ने कुछ सुधार दिखाया लेकिन अनिश्चितता का माहौल बरकरार रहा

मुंबई

बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को उतार-चढ़ाव भरे माहौल का सामना करना पड़ा। पश्चिमी एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें शुरुआती दिनों में बाजार पर हावी रहीं, जिससे प्रमुख सूचकांकों में लगातार गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, हफ्ते के अंत में बाजार ने कुछ सुधार दिखाया, लेकिन अनिश्चितता का माहौल बरकरार रहा। कच्चे तेल और भू-राजनीतिक दबाव (सोमवार से बुधवार) हफ्ते की शुरुआत निवेशकों के लिए निराशाजनक रही। सोमवार को भारतीय बाजार में गिरावट के साथ शुरुआत हुई, जहां सेंसेक्स 281.09 अंक गिरकर 77,728.16 पर और निफ्टी 78.35 अंक गिरकर 24,287.65 पर बंद हुआ। यह लगातार पांचवां कारोबारी सत्र था जब बाजार में गिरावट दर्ज की गई थी। मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा] सेंसेक्स 492.70 अंक गिरकर 77,235.46 पर और निफ्टी 132.75 अंक फिसलकर 24,154.90 के स्तर पर आ गया। बुधवार को भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण बाजार में और कमजोरी आई। सेंसेक्स 325.78 अंक गिरकर 76,909.68 पर और निफ्टी 76.60 अंक गिरकर 24,078.30 पर बंद हुआ। इस तरह सेंसेक्स में चार दिनों में कुल 1,170.28 अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी ने लगातार सात दिनों तक नुकसान झेला। लंबी गिरावट के बाद गुरुवार को निवेशकों के चेहरे पर खुशी लौटी। अमेरिकी बान्ड प्रतिफल में गिरावट और शार्ट-कवरिंग के चलते बाजार ने जोरदार वापसी की। निफ्टी ने लगातार सात दिनों की गिरावट के सिलसिले को तोड़ते हुए 24,200 का स्तर पार किया। सेंसेक्स 628.04 अंक की शानदार बढ़त के साथ 77,537.72 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी भी 153.55 अंक ऊपर चढ़कर 24,231.85 पर पहुंच गया। यह पिछले कुछ दिनों की निराशा के बाद एक बड़ी राहत थी। हफ्ते के अंत में उतार-चढ़ाव और मामूली बढ़त हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। शुरुआती गिरावट के बावजूद प्रमुख सूचकांक अंतत: मामूली बढ़त के साथ बंद हुए।

चीनी की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि अनुचित, जमाखोरों पर होगी कार्रवाई : सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने चीनी की कीमतों में हालिया बेतहाशा वृद्धि को पूरी तरह अनुचित करार देते हुए उन दावों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा जा रहा था कि इथेनाल उत्पादन के लिए चीनी के उपयोग से कीमतों में उछाल आया है। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने स्पष्ट किया कि देश में चीनी का पर्याप्त भंडार है, और बढ़ती कीमतें उद्योग की जमाखोरी का परिणाम हैं। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बताया कि घरेलू मांग पूरी होने के बावजूद चीनी उद्योग द्वारा कीमतों में तेज वृद्धि अनुचित है। उन्होंने राज्यों को चीनी की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। सरकार ने एहतियाती कदम के तौर पर 31 अक्टूबर तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है, साथ ही थोक उपभोक्ताओं पर 1 सितंबर से 15 दिन की खपत से अधिक चीनी के भंडारण पर रोक लगाई है। चोपड़ा ने स्पष्ट किया कि देश में चीनी का पर्याप्त भंडार है। 2025-26 विपणन सत्र में उत्पादन अनुमान 343 लाख टन से घटकर 306 लाख टन रह जाने के बावजूद, सालाना घरेलू मांग 280-285 लाख टन की तुलना में यह पर्याप्त है। उन्होंने इस तीव्र मूल्य वृद्धि को अनुचित बताया, जिसमें खुदरा कीमतें 48 से 56 रुपये और मिल-स्तर पर 47-48 से 62 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं। उन्होंने कहा कि इथेनाल उत्पादन के लिए केवल 28 लाख टन चीनी का उपयोग हुआ है, जिसका अधिकांश हिस्सा अब मक्के से बनता है, अत: कीमत वृद्धि का कोई वास्तविक कारण नहीं है। सरकार को उम्मीद है कि इन कदमों से त्योहारी मौसम में चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

सेल आइएसपी बर्नपुर में यूनियन चुनाव की तैयारी तेज

पश्चिम बर्दवान

सेल-इस्को स्टील प्लांट (आइएसपी) बर्नपुर में ट्रेड यूनियन चुनाव की प्रक्रिया अब निर्णायक चरण में पहुंचती दिख रही है। केंद्रीय श्रम विभाग ने यूनियनों की सदस्यता सत्यापन और गुप्त मतदान की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए 27 अगस्त 2026 को महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है।

बैठक आसनसोल के कन्यापुर स्थित उप मुख्य श्रम आयुक्त (केंद्रीय) के कार्यालय में होगी। इसमें आइएसपी प्रबंधन और संबंधित ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

बैठक में चुनाव की तारीख, मतदाता सूची की कट-आफ डेट, नामांकन की तारीख, चुनाव चिह्न आवंटन और चुनाव कार्यक्रम से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर फैसला होने की संभावना है।

श्रम विभाग के निर्देश के अनुसार, प्रत्येक यूनियन की ओर से अधिकतम दो प्रतिनिधि बैठक में शामिल हो सकेंगे। अध्यक्ष और महासचिव को प्रतिनिधित्व के लिए प्राथमिकता दी गई है।

बैठक में नहीं पहुंचने वाली यूनियन पर सीएलसी ने महत्वपूर्ण निर्देश दिया है। श्रम विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई यूनियन निर्धारित समय और तारीख पर बैठक में शामिल नहीं होती है, तो यह माना जा सकता है कि वह आगामी गुप्त मतदान चुनाव में भाग लेने में रुचि नहीं रखती। ऐसे में 27 अगस्त की बैठक सभी संबंधित यूनियनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हो गई है।

आइएसपी प्रबंधन को भी निर्देश दिया गया है कि श्रम विभाग के पत्र की प्रति सभी संबंधित ट्रेड यूनियनों को उपलब्ध कराए और उसकी प्राप्ति की पुष्टि श्रम विभाग के कार्यालय में जमा करे।

चुनावी प्रक्रिया में आसनसोल आयरन एंड स्टील वर्कर्स यूनियन (इंटक), एबीके मेटल एंड इंजीनियरिंग वर्कर्स यूनियन (सीटू), यूनाइटेड आयरन एंड स्टील वर्कर्स यूनियन (एटक), बर्नपुर इस्पात कर्मचारी संघ (बीएमएस), आयरन, स्टील एंड इंजीनियरिंग वर्कर्स यूनियन (एचएमएस), इस्को वर्कर्स मजदूर यूनियन और इस्को एम्पलाइज यूनियन (एआइयूटीयूसी) शामिल हैं। सभी की नजरें 27 अगस्त की बैठक पर हैं। इस बैठक के बाद आइएसपी बर्नपुर में यूनियन चुनाव की तारीख और पूरा चुनाव कार्यक्रम स्पष्ट होने की उम्मीद है।

आरबीआई ने श्रीराम फाइनेंस और प्रागफिन पर लगाया लाखों का जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कुछ नियमों और निर्देशों का पालन न करने के कारण श्रीराम फाइनेंस कार्पोरेशन और प्रागफिन पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है। आरबीआई के अनुसार श्रीराम फाइनेंस पर 8.10 लाख रुपये और प्रागफिन पर 2.70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जो वित्तीय नियमों के अनुपालन में गंभीरता को दर्शाता है। आरबीआई ने श्रीराम फाइनेंस पर निदेशक की नियुक्ति करते समय केंद्रीय बैंक से पूर्व लिखित अनुमति न लेने के लिए जुर्माना लगाया, जिसके कारण प्रबंधन में बदलाव हुआ। इसके अतिरिक्त, कंपनी ग्राहकों को कम, मध्यम और उच्च जोखिम वाली श्रेणियों में वर्गीकृत करने की प्रणाली बनाने में विफल रही और कुछ ग्राहकों के केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) रिकार्ड को निर्धारित समय-सीमा के भीतर केंद्रीय केवाईसी रिकार्ड्स रजिस्ट्री में अपलोड नहीं कर पाई। वहीं प्रागफिन पर खातों के जोखिम वर्गीकरण की समय-समय पर समीक्षा करने की व्यवस्था (जो नियमों के अनुसार हर छह महीने में एक बार अनिवार्य है) लागू करने में विफल रहने के कारण जुर्माना लगाया गया है। यह कार्रवाई वित्तीय संस्थाओं के लिए सख्त नियामक अनुपालन के महत्व को रेखांकित करती है।

चीन में भारतीय कारोबार पर वीजा की मार, स्वीकृति दर 5 फीसदी तक गिरी

तकनीकी विशेषज्ञ, अधिकारी वंचित; महत्वपूर्ण बैठकें सिंगापुर, थाईलैंड जैसे देशों में स्थानांतरित

नई दिल्ली

चीन में कारोबार कर रही भारतीय कंपनियों के लिए मुश्किलें बढ़ गई हैं। भारतीय अधिकारियों, इंजीनियरों व तकनीकी विशेषज्ञों के बिजनेस वीजा (एम-वीजा) आवेदनों को बड़े पैमाने पर खारिज किया जा रहा है। वीजा स्वीकृति दर महज 5 फीसदी तक गिरने और अस्वीकृति 95 फीसदी तक पहुंचने से कंपनियां अपनी महत्वपूर्ण बैठकों को अब तीसरे देशों में स्थानांतरित करने को मजबूर हैं।

पहले भारतीय कंपनियों के लिए चीन का बिजनेस वीजा हासिल करना अपेक्षाकृत आसान था, लेकिन अब आवेदनों की कड़ी जांच के कारण प्रक्रिया लंबी और अनिश्चित हो गई है। कई मामलों में केवल 20 से 40 प्रतिशत आवेदन ही मंजूर हो रहे हैं। वीजा में बढ़ती सख्ती का सीधा असर कारोबार पर पड़ रहा है। कई भारतीय कंपनियां चीन में होने वाली महत्वपूर्ण कारोबारी बैठकों को अब सिंगापुर, थाईलैंड, मलेशिया और हांगकांग जैसे तीसरे देशों में आयोजित कर रही हैं। उदाहरण के लिए, एक प्रमुख चीनी स्मार्टफोन कंपनी ने अपनी पार्टनर बैठक शेनझेन से थाईलैंड स्थानांतरित की, जबकि रियलमी और एक भारतीय आटो-पार्ट्स संयुक्त उद्यम भी ऐसे ही कदम उठा रहे हैं हैं। एक इलेक्ट्रानिक्स कान्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग कंपनी ने भी नेतृत्व स्तर की बैठकें सिंगापुर और हांगकांग में स्थानांतरित कर दी हैं। चीन की सप्लाई चेन पर निर्भर इलेक्ट्रानिक्स, आटोमोबाइल, रोबोटिक्स और हार्डवेयर जैसे क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। भारतीय कंपनियां चीन से कंपोनेंट्स, मशीनरी और तकनीकी विशेषज्ञता हासिल करती हैं। फैक्ट्री निरीक्षण, मशीन स्थापना व तकनीकी समाधान के लिए चीन यात्रा आवश्यक होती है, जहां वीडियो कान्फ्रेंस या तीसरे देश की बैठकें पूरी तरह प्रभावी नहीं। एम-वीजा प्रक्रिया में इनविटेशन और पूरे दस्तावेज होने के बावजूद मंजूरी की गारंटी नहीं होती, अधिकारी अतिरिक्त दस्तावेज भी मांग सकते हैं। भारत-चीन कारोबारी रिश्तों को सामान्य करने की कोशिशों के बीच यह नई चुनौती उभर रही है।

मोबाइल विनिर्माण को 62,500 करोड़ का बूस्टर, केंद्र ने नई प्रोत्साहन योजना शुरू की

निर्माताओं को 2.5 से 5 फीसदी तक मिलेगा इंसेंटिव, घरेलू पुर्जों की खरीद पर अतिरिक्त लाभ

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने देश में मोबाइल फोन विनिर्माण को बढ़ावा देने और भारतीय ब्रांडों को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वाकांक्षी नई योजना की घोषणा की है। मोबाइल फोन निर्माण योजना नामक इस पहल के तहत, सरकार अगले पांच वित्तीय वर्षों (2027 से 2031) के लिए 62,500 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन देगी, जिसका लक्ष्य घरेलू मूल्यवर्धन बढ़ाना और निर्यात को गति देना है। यह योजना भारत को वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस योजना में मोबाइल फोन निर्माताओं को उनके पात्र उत्पादन पर 2.5 प्रतिशत से लेकर 5 प्रतिशत तक का इंसेंटिव दिया जाएगा। इसके साथ ही, भारत में प्रमुख पुर्जों और सब-असेंबली की घरेलू खरीद को प्रोत्साहित करने के लिए 1.5 प्रतिशत तक का अतिरिक्त लाभ भी मिलेगा। सरकार का मानना है कि इससे न केवल देश में विनिर्माण क्षमताओं का विस्तार होगा, बल्कि एक मजबूत स्वदेशी आपूर्ति श्रृंखला भी विकसित होगी। योजना को दो मुख्य लक्षित खंडों में बांटा गया है- पहला, मोबाइल फोन विनिर्माण को बढ़ावा देना और दूसरा, भारतीय मोबाइल फोन ब्रांडों को मजबूत करना।

इंसेंटिव प्राप्त करने के लिए आवेदन करने वाली कंपनियों, जिनमें इलेक्ट्रानिक्स निर्माण सेवा कंपनियां भी शामिल हैं, का भारत में पंजीकृत होना अनिवार्य होगा। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2026 में उनका कारोबार कम से कम 10,000 करोड़ रुपये होना जरूरी है। यह योजना पिछली सफल नीतिगत पहलों की निरंतरता है, जिनके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2015 के बाद से इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण में सात गुना और निर्यात में 11 गुना बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पहले सेगमेंट में पात्र बिक्री पर इंसेंटिव की दर धीरे-धीरे कम होगी, जो वित्त वर्ष 2027 और 2028 में 2.75 प्रतिशत, 2029 और 2030 में 2.5 प्रतिशत, और 2031 में 2.25 प्रतिशत रहेगी। वहीं दूसरे सेगमेंट, जिसका लक्ष्य भारतीय ब्रांडों को सशक्त करना है, में अधिक इंसेंटिव मिलेगा। यह पहले दो साल में 5 प्रतिशत, वित्त वर्ष 2029 और 2030 में 4.5 प्रतिशत, और वित्त वर्ष 2031 में 4 प्रतिशत होगा। अतिरिक्त इंसेंटिव के लिए डिस्प्ले माड्यूल, कैमरा माड्यूल, एनक्लोजर, बैटरी और यूएसबी केबल व कनेक्टर जैसे मुख्य पुर्जे शामिल हैं।

सुमेरपुर में खुली स्पार्टन क्रिकेट एकेडमी, रवि बिश्नोई ने युवाओं को दिए सफलता के टिप्स

पाली

सुमेरपुर-शिवगंज क्षेत्र के युवा क्रिकेटरों के लिए बड़ी खुशखबरी है। अब उन्हें बेहतर प्रशिक्षण और आधुनिक सुविधाओं के लिए जोधपुर या जयपुर का रुख नहीं करना पड़ेगा। भारतीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर रवि बिश्नोई ने सुमेरपुर में स्पार्टन क्रिकेट एकेडमी का शुभारंभ किया है। एकेडमी में अंतरराष्ट्रीय स्तर के टर्फ विकेट और आधुनिक कोचिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

इससे क्षेत्र की प्रतिभाओं को अपने घर के पास ही बेहतर प्रशिक्षण मिलने के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का अवसर मिल सकेगा। सुमेरपुर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में क्रिकेट को लेकर युवाओं में लंबे समय से खासा उत्साह रहा है, लेकिन बेहतर बुनियादी ढांचे की कमी उनके सामने बड़ी चुनौती थी। क्षेत्र में न तो बड़ी निजी क्रिकेट एकेडमी थी और न ही ऐसा सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम, जहां खिलाड़ी नियमित रूप से पेशेवर प्रशिक्षण ले सकें।

इसके चलते प्रतिभावान खिलाड़ियों को पाली, जोधपुर और जयपुर जाना पड़ता था। इससे समय और पैसे का खर्च बढ़ता था और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के कई खिलाड़ी दूरी के कारण अपना क्रिकेट करियर भी छोड़ देते थे।

सुमेरपुर की गायत्री कालोनी में स्थित स्पार्टन क्रिकेट एकेडमी की नई शाखा का विधिवत शुभारंभ मार्च 2026 में किया गया था। इसके बाद यहां सुविधाओं का विस्तार किया गया है। खिलाड़ियों के अभ्यास के लिए उच्च गुणवत्ता वाले टर्फ विकेट तैयार किए गए हैं। अनुभवी प्रशिक्षकों की देखरेख में बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण के विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे।

इसके अलावा खिलाड़ियों की फिटनेस और शारीरिक क्षमता बढ़ाने के लिए आधुनिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। एक विशेष कार्यक्रम के दौरान रवि बिश्नोई ने एकेडमी पहुंचकर युवा खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने नेट अभ्यास के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखा और उन्हें खेल की बारीकियों से जुड़े सुझाव दिए। खिलाड़ियों ने बिश्नोई के साथ तस्वीरें खिंचवाईं और आटोग्राफ भी लिए। रवि बिश्नोई ने कहा कि राजस्थान के छोटे शहरों और कस्बों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत सिर्फ सही मार्गदर्शन और अवसर देने की है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि एकेडमी के जरिए युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने और उन्हें राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

नीरज चोपड़ा का सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, लुसाने डायमंड लीग में 88.05 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर

लुसाने। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने लुसाने डायमंड लीग में सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 88.05 मीटर का थ्रो किया, लेकिन वह खिताब जीतने से महज नौ सेंटीमीटर से चूक गए। श्रीलंका के रुमेश पथिरागे ने 88.14 मीटर के थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 86.69 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर उतरे नीरज ने पहले प्रयास में 83.54 मीटर का थ्रो किया। इसके बाद दूसरे प्रयास में उन्होंने 88.05 मीटर की दूरी तय कर सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। दूसरे दौर के बाद नीरज शीर्ष पर चल रहे थे। नीरज का यह पिछले साल जून में पेरिस डायमंड लीग के बाद पहला 88 मीटर से अधिक का थ्रो भी रहा। हालांकि, राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता पथिरागे ने तीसरे प्रयास में 88.14 मीटर का थ्रो कर नीरज को पीछे छोड़ दिया। दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन में महज नौ सेंटीमीटर का अंतर रहा, लेकिन यह अंतर पथिरागे के लिए खिताब जीतने के लिए पर्याप्त साबित हुआ। यह इस साल डायमंड लीग में पथिरागे की तीसरी जीत है।

आर्यवीर सहवागः जब पिता की आक्रामकता बेटे के बल्ले से गूँजी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग के मंच पर एक युवा बल्लेबाज ने जिस निडरता और आक्रामकता के साथ बैकफुट पर गेंद को बाउंड्री के पार भेजा, उसने क्रिकेट प्रेमियों को लगभग दो दशक पहले के उस स्वर्णिम युग की याद दिला दी, जब वीरेंद्र सहवाग दुनिया के सबसे खूंखार गेंदबाजों के लिए एक दुःस्वप्न बनकर उभरे थे। अरुण जेटली स्टेडियम का नजारा बिल्कुल वैसा ही था, जहां गेंद को उसकी दिशा दिखाने और गेंदबाजों के पसीने छुड़ाने का वह साहसिक अंदाज फिर से जीवंत हो उठा। यह मौका था टूर्नामेंट के 35वें मुकाबले का, जहां वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग ने अपनी नई टीम वेस्ट दिल्ली लायंस की तरफ से मैदान पर कदम रखा। न्यू दिल्ली टाइगर्स के खिलाफ खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में, आर्यवीर सहवाग ने अपनी पहली ही पारी से यह स्पष्ट कर दिया कि क्रिकेट की आक्रामकता उनके खून में दौड़ रही है। उन्होंने महज 14 गेंदों का सामना करते हुए चार करारे चौकों की मदद से 22 रन बनाए। भले ही यह पारी लंबी न रही हो, लेकिन क्रीज पर बिताए चंद मिनटों में ही उन्होंने अपनी निर्भीक शैली और शानदार टाइमिंग से दर्शकों और क्रिकेट विशेषज्ञों का दिल जीत लिया। उनकी बाडी लैंग्वेज और बल्लेबाजी में पिता वीरेंद्र सहवाग की स्पष्ट छाप झलक रही थी, जो हर क्रिकेट प्रेमी के लिए एक सुखद अनुभव था।

हाकी वर्ल्ड कपःभारत के सेमीफाइनल की उम्मीदें कायम, अब आस्ट्रेलिया के खिलाफ करो या मरो का मुकाबला

नई दिल्ली। मौजूदा विश्व चैंपियन नीदरलैंड्स के खिलाफ महिला हाकी विश्व कप के दूसरे दौर के पहले मुकाबले में भारतीय टीम को 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस नतीजे से भारतीय खेमे को झटका जरूर लगा है, लेकिन कप्तान सलीमा टेटे की अगुवाई वाली टीम के लिए सेमीफाइनल के दरवाजे अभी पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं। पूल-ई के समीकरण ऐसे हैं कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत और अनुकूल परिणाम भारत को अंतिम चार में पहुंचा सकते हैं। दूसरे दौर के पूल-ई में चार टीमें शामिल हैं और शीर्ष दो टीमें सीधे सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। नीदरलैंड्स अपने दोनों मुकाबले जीतकर छह अंकों के साथ शीर्ष पर है। उसका गोल अंतर भी प्लस चार है। चीन ने दोनों मैच ड्रा खेले हैं और दो अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। भारत और आस्ट्रेलिया के खाते में एक-एक अंक है। दोनों टीमों का गोल अंतर माइनस दो है, लेकिन आस्ट्रेलिया ने तीन गोल किए हैं, जबकि भारत के नाम दो गोल हैं। इसी बेहतर स्कोरिंग रिकार्ड के कारण आस्ट्रेलिया तीसरे और भारत चौथे स्थान पर है। अब भारत को अपने अंतिम मुकाबले में आस्ट्रेलिया को हराना ही होगा। जीत के साथ भारतीय टीम के चार अंक हो जाएंगे और सेमीफाइनल की उम्मीद मजबूत हो जाएगी। ड्रा की स्थिति में भारत के केवल दो अंक होंगे।

खिताब के लिए शीर्ष दो टीमों में भिड़ंत, गुवाहाटी रायल्स और बरपेटा ब्रेव्स फाइनल में आमने-सामने

गुवाहाटी

पहली असम प्रीमियर लीग (एपीएल) के खिताबी मुकाबले में लीग चरण की शीर्ष दो टीमें गुवाहाटी रायल्स और बरपेटा ब्रेव्स रविवार, 23 अगस्त को गुवाहाटी के असम क्रिकेट संघ स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। मुकाबला शाम सात बजे से खेला जाएगा। दोनों टीमों ने लीग चरण में 14-14 अंक हासिल किए। बेहतर नेट रन रेट के आधार पर गुवाहाटी रायल्स 0.920 के साथ शीर्ष पर रही, जबकि बरपेटा ब्रेव्स का नेट रन रेट 0.614 रहा।

गुवाहाटी रायल्स ने बारिश से प्रभावित सेमीफाइनल में बराक लीजेंड्स को सात विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई। रोहित सेन ने 26 गेंदों पर 62 रन की शानदार पारी खेली, जबकि बास्तव राय ने 18 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। बास्तव राय 22 विकेट के साथ टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

वहीं, बरपेटा ब्रेव्स ने रोमांचक सेमीफाइनल में डिब्रूगढ़ वारियर्स को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। सौरव मौसुम दिहिंगिया ने नाबाद 63 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। गेंदबाजी में शुभम कुमार गुप्ता 19 विकेट के साथ टीम के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हैं।

बरपेटा ब्रेव्स को फाइनल में नियमित कप्तान डेनिश दास की कमी खलेगी। डुलेप ट्राफी की प्रतिबद्धताओं के कारण वह टीम से अलग हो गए हैं। ऐसे में अन्य खिलाड़ियों पर टीम को खिताब तक पहुंचाने की जिम्मेदारी होगी।

फाइनल की विजेता टीम को 50 लाख रुपये, जबकि उपविजेता टीम को 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी। लीग चरण की शीर्ष दो टीमों के बीच होने वाला यह मुकाबला असम प्रीमियर लीग के पहले चैंपियन का फैसला करेगा।

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप के बाहर मंकी व्हिस्परर की गूंज, लंगूर की आवाज निकालकर बंदरों को भगाते हैं ये लोग

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में जब बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन विश्व चैंपियनशिप जैसी बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन होता है, तब इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के भीतर दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी शटल पर दमखम दिखाते हैं। वहीं स्टेडियम के बाहर एक अलग तरह की चुनौती से निपटने की जिम्मेदारी कुछ ऐसे लोगों पर होती है, जिन्हें आम तौर पर मंकी व्हिस्परर कहा जाता है। ये लोग लंगूर की आवाज की नकल करके बंदरों को स्टेडियम परिसर से दूर रखने का काम करते हैं। स्टेडियम के गेट नंबर 16 के आसपास इरफान और अब्बास जैसे युवा लगातार निगरानी करते हैं। उनके पास कोई विशेष उपकरण नहीं होता। बंदरों को भगाने के लिए वे ईक-ईक-ईक और हूप-हूप जैसी आवाजें निकालते हैं, जो ग्रे लंगूर की चेतावनी भरी आवाज की नकल होती हैं। रीसस मकाक यानी आम बंदर लंगूरों से स्वाभाविक रूप से डरते हैं। ऐसे में पेड़ों या स्टेडियम के ऊंचे ढांचे पर बंदरों का झुंड नजर आते ही ये लोग लंगूर जैसी आवाज निकालते हैं और बंदर अक्सर दिशा बदलकर वहां से चले जाते हैं। हालांकि बड़े आयोजनों में इस व्यवस्था को लेकर सवाल भी उठते रहे हैं। खेल प्राधिकरण और नगर निगम आधिकारिक तौर पर ऐसे कर्मचारियों की नियुक्ति से दूरी बनाते हैं, जबकि ठेकेदारों के जरिए तैनात कर्मी सुबह नौ से शाम पांच बजे तक निगरानी करते हैं। बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने इस व्यवस्था के समर्थन में विंबलडन का उदाहरण देते हुए कहा था कि वहां कबूतरों को कोर्ट से दूर रखने के लिए प्रशिक्षित बाज रूफस का इस्तेमाल किया जाता है। दिल्ली में यह पेशा कई दशक पुराना है। शाहरुख खान और वसीम खान के मुताबिक, उनके पिता नजर अली करीब 40 साल पहले लखनऊ से चार लंगूर दिल्ली लाए थे। बाद में वे सरकारी परिसरों से बंदरों को दूर रखने लगे। वर्ष 2012 में जंगली जानवरों के व्यावसायिक और बंधक इस्तेमाल पर रोक के बाद उन्हें अपने लंगूर छोड़ने पड़े। इसके बाद परिवार ने लंगूरों के साथ वर्षों के अनुभव को उनकी आवाज की नकल में बदल दिया। इन लोगों को करीब 800 रुपये की दैनिक मजदूरी मिलती है और काम में बंदरों के काटने का खतरा बना रहता है। विशेषज्ञ इस तरीके को अस्थायी समाधान मानते हैं और नेटिंग जैसे उपायों पर जोर देते हैं। वहीं, ये मंकी व्हिस्परर चाहते हैं कि उनकी अगली पीढ़ी शिक्षा हासिल कर सुरक्षित रोजगार चुने।

फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाड़ी से भिड़ने पर मेसी पर लगा जुर्माना

मियामी

इंटर मियामी के स्टार फुटबालर लियोनेल मेसी पर मेजर लीग साकर (एमएलएस) ने फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाड़ी क्विन सुलिवन के साथ मैदान पर हुई झड़प के मामले में अज्ञात राशि का जुर्माना लगाया है। मेसी के इंटर मियामी साथी इयान फ्रे पर भी जुर्माना लगाया गया है।

यह घटना मैच के अतिरिक्त समय के 11वें मिनट में हुई, जब मेसी गेंद के खेल में होने के दौरान क्विन सुलिवन का सामना करने के लिए सेंटर सर्किल की ओर पहुंचे। दोनों के बीच कुछ देर बातचीत हुई, जिसके बाद मेसी ने सुलिवन की गर्दन के पीछे हाथ मारा।

एमएलएस की अनुशासन समिति ने कहा कि मेसी और फ्रे पर विपक्षी खिलाड़ी के चेहरे, सिर या गर्दन पर हाथ लगाने संबंधी लीग की नीति का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया गया है।

सुलिवन के भाई का लाल कार्ड हुआ रद्द

घटना के दौरान मेसी और सुलिवन को रेफरी ने कोई कार्ड नहीं दिखाया। हालांकि, मैच के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हुई झड़प में फिलाडेल्फिया के क्विन के छोटे भाई और टीम साथी कैवन सुलिवन तथा इंटर मियामी के मिडफील्डर यानिक ब्राइट को लाल कार्ड दिखाया गया।

बाद में स्वतंत्र समीक्षा पैनल ने सर्वसम्मति से कैवन सुलिवन के पक्ष में फैसला दिया और उनका लाल कार्ड रद्द कर दिया गया। इसके बाद वह फिलाडेल्फिया यूनियन के अगले मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे।

2-2 से ड्रा रहा मुकाबला

चेस्टर के सुबारू पार्क में खेला गया यह मुकाबला 2-2 से ड्रा रहा। मेसी ने 26वें मिनट में गोल कर इंटर मियामी के लिए अहम योगदान दिया।

सचिन तेंदुलकर के 4 बड़े वर्ल्ड रिकार्ड पर जो रूट की नजर

नई दिल्ली। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट लगातार रिकार्डों के मामले में सचिन तेंदुलकर के करीब पहुंचते जा रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में रूट ने 66 रन बनाकर अपने टेस्ट करियर की 68वीं फिफ्टी पूरी की। इसके साथ ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर ली है। हालांकि, सचिन के नाम 119 फिफ्टी प्लस स्कोर का विश्व रिकार्ड भी दर्ज है, जिस पर अब रूट की नजर है। सचिन तेंदुलकर ने अपने 200 टेस्ट मैचों के करियर में 51 शतक और 68 अर्धशतक की मदद से कुल 119 बार 50 से अधिक रन बनाए। वहीं जो रूट 167 टेस्ट में 41 शतक और 68 अर्धशतक के साथ 109 फिफ्टी प्लस स्कोर बना चुके हैं। दोनों के बीच अब सिर्फ 10 ऐसे स्कोर का अंतर रह गया है। रूट जिस निरंतरता के साथ टेस्ट क्रिकेट में रन बना रहे हैं, उसे देखते हुए माना जा रहा है कि वह आने वाले समय में सचिन का यह रिकार्ड भी चुनौती दे सकते हैं। रूट की नजर केवल 50 से अधिक रन बनाने के रिकार्ड पर ही नहीं है। वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने, सबसे ज्यादा शतक लगाने और सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेलने के मामले में भी सचिन के करीब पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

ईस्ट दिल्ली राइडर्स की शानदार जीत, आउटर दिल्ली वारियर्स को सात विकेट से हराया

नई दिल्ली

गेंदबाजों और मध्यक्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में आउटर दिल्ली वारियर्स को सात विकेट से हरा दिया। राइडर्स ने 135 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी आउटर दिल्ली वारियर्स की टीम 19.1 ओवर में 134 रन पर आलआउट हो गई। ईस्ट दिल्ली के गेंदबाजों ने शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा और नियमित अंतराल पर विकेट हासिल किए। एक समय आउटर दिल्ली की टीम 68 रन पर सात विकेट गंवा चुकी थी।

हर्ष त्यागी ने 33 गेंदों पर 36 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेलकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला और पूरी टीम 134 रन पर सिमट गई।

ईस्ट दिल्ली की ओर से मयंक यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 22 रन देकर तीन विकेट लिए। आशीष मीणा ने भी तीन विकेट हासिल किए और 25 रन दिए। सिमरजीत सिंह ने चार ओवर में 20 रन देकर दो विकेट झटके।

काव्या और वैभव ने दिलाई आसान जीत

135 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ईस्ट दिल्ली राइडर्स की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और टीम ने कुछ विकेट जल्दी गंवा दिए। इसके बाद काव्या गुप्ता और वैभव बैसला ने मोर्चा संभालते हुए पारी को मजबूती दी।

दोनों ने चौथे विकेट के लिए नाबाद 71 रन की साझेदारी कर टीम को जीत के करीब पहुंचाया। काव्या गुप्ता 32 गेंदों पर 48 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि वैभव बैसला ने 23 गेंदों पर नाबाद 32 रन की पारी खेली।

ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने लक्ष्य हासिल कर सात विकेट से जीत दर्ज की। गेंदबाजों ने टीम की जीत की नींव रखी, जिसे मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने सफलतापूर्वक अंजाम तक पहुंचाया।

स्टार्क का कहर, मैकाय टेस्ट के पहले दिन गिरे 18 विकेट; आस्ट्रेलिया को 101 रनों की बढ़त

मैकाय

आस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच मैकाय में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन गेंदबाजों का दबदबा रहा और कुल 18 विकेट गिरे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों मिशेल स्टार्क और शोरिफुल इस्लाम के शानदार छह-छह विकेट के प्रदर्शन ने मैच को रोमांचक बना दिया। आस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को पहली पारी में महज 64 रन पर समेटने के बाद दिन का खेल खत्म होने तक आठ विकेट पर 165 रन बना लिए हैं और उसे 101 रनों की बढ़त हासिल है।

टास जीतकर आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मिशेल स्टार्क ने मैच की पहली ही गेंद पर शादमान इस्लाम को गली में कैच कराकर अपना खाता खोला। इसके बाद उन्होंने बांग्लादेश के शीर्ष क्रम को तहस-नहस कर दिया। बांग्लादेश ने सात ओवर के भीतर 12 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे।

स्टार्क ने 22 गेंदों के भीतर पांच विकेट झटक लिए थे। मुशफिकुर रहीम ने कुछ देर उनका हैट्रिक लेने का मौका रोक दिया। मेहदी हसन मिराज और हसन महमूद ने पारी को कुछ समय संभाला और लंच तक बांग्लादेश का स्कोर छह विकेट पर 35 रन था।

लंच के बाद कमिंस ने दो और विकेट लिए, जबकि जोश हेजलवुड को भी एक सफलता मिली। इसके बाद स्टार्क ने निचले क्रम को समेटते हुए 10 ओवर में 12 रन देकर छह विकेट पूरे किए। इस प्रदर्शन के साथ वह टेस्ट क्रिकेट में 440 विकेट के आंकड़े तक पहुंच गए और डेल स्टेन के 439 विकेट के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया।

बांग्लादेश की पूरी टीम 34 ओवर में 64 रन पर सिमट गई। शोरिफुल इस्लाम 14 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। बांग्लादेश की यह टेस्ट क्रिकेट में चौथी सबसे कम पारी है।

स्मिथ-ग्रीन ने संभाली आस्ट्रेलिया की पारी

जवाब में आस्ट्रेलिया ने भी शुरुआती विकेट गंवाए। मैथ्यू रेनशा, ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन बड़ी पारी नहीं खेल सके। इसके बाद स्टीव स्मिथ और कैमरन ग्रीन ने पारी को संभाला।

दोनों ने चौथे विकेट के लिए 108 गेंदों पर 77 रन जोड़े। स्मिथ 42 रन बनाकर आउट हुए। उनके आउट होते ही आस्ट्रेलियाई पारी बिखर गई।

शोरिफुल इस्लाम ने स्मिथ को 42 रन पर एलबीडब्ल्यू आउट कर महत्वपूर्ण सफलता दिलाई। इसके बाद एलेक्स कैरी 145 के स्कोर पर आउट हुए। आस्ट्रेलिया ने इसके बाद तीन रनों के भीतर तीन विकेट गंवा दिए। शोरिफुल ने ब्यू वेबस्टर और पैट कमिंस को खाता खोले बिना आउट किया और फिर मिशेल स्टार्क को भी पवेलियन भेजकर छह विकेट पूरे किए।

ग्रीन ने संभाला मोर्चा

एक छोर पर कैमरन ग्रीन मजबूती से डटे रहे। उन्होंने मुश्किल पिच पर शानदार संयम दिखाते हुए नाबाद 51 रन बनाए। उनकी पारी की बदौलत आस्ट्रेलिया दिन का खेल समाप्त होने तक आठ विकेट पर 165 रन तक पहुंच सका।

संक्षिप्त स्कोरः बांग्लादेश 64 रन (शोरिफुल इस्लाम 14; मिशेल स्टार्क 6/12, पैट कमिंस 3/25) बनाम आस्ट्रेलिया 165/8 (कैमरन ग्रीन 51*, स्टीव स्मिथ 42; शोरिफुल इस्लाम 6/35)। आस्ट्रेलिया 101 रन आगे।

क्या बताता है

आंख मिलाना

जो व्यक्ति बातचीत के क्रम में आंखों में आंख मिलाकर यानी आंख के सामने दृष्टि डालकर स्थिर स्वभाव से बोलता या बातचीत करता है वह प्रबल आत्मविश्वासी,दृढ़,धैर्य व स्थिर स्वभाव वाला होता है। ऐसा व्यक्ति साहसी,सत्यनिष्ठ, निष्कपट व दृढ़ चरित्र वाला होता है। इसी कारण वह आंख से आंख मिलाकर निडर होकर बातचीत करता है। प्रायः ऐसे व्यक्तियों की गणना उत्तम व्यक्तियों में होती है।

देखने का अंदाज...?

मनुष्य के शरीर का यूं तो प्रत्येक अंग ही उसके व्यक्तित्व की पहचान कराने वाला होता है

लेकिन इनमें आखों का भी एक अलग स्थान है। सच कहा जाय तो हमारे देखने का अंदाज भी हमारे बारे में बहुत कुछ कह देता है। विशेषकर स्वभाव,चरित्र और व्यक्तित्व की कसौटी हैं हमारी आंखें। हम किसी के बारे में यदि कुछ जानना चाहें तो बहुत कुछ सामने वाले की दृष्टि देखकर जान सकते हैं।

चेहरे पर निगाहें

जिस व्यक्ति की दृष्टि बातचीत करते वक्त सामने वाले व्यक्ति के मुख मंडल पर विचरण करती रहती है वह व्यक्ति सामने वाले की मन स्थिति को चेहरा पढ़कर समझने की कोशिश करता है। इस श्रेणी के व्यक्ति सज्जन,स्नेही,उदार,दयावान तथा विनम्र स्वभाव के निष्कपट होते हैं।

सिर पर निगाहें

जो व्यक्ति अपने सामने वाले व्यक्ति से बातचीत के क्रम में अपनी निगाहें उसके सिर पर करते हुए ऊपर देखते हैं। मनोवैज्ञानिक रूप से ऐसे व्यक्ति अपनी निगाहें नीची करके बातचीत करने में अपना अपमान समझते हैं इस प्रकार की दृष्टि वाले व्यक्ति अभिमानी,दम्भी,पाखंडी तथा मध्यम श्रेणी के होते हैं।

सीने पर निगाहें

जो व्यक्ति अपने सामने वाले व्यक्ति के वक्ष स्थल पर,सीने पर निगाहें केंद्रित करके बातचीत करते हैं ऐसे व्यक्ति संकोचशील व शर्मीले स्वभाव के होते हैं। ऐसे व्यक्ति कभी आंख से आंख मिलाकर बातचीत नहीं कर सकते। ये प्रायः अच्छे चरित्र व स्वभाव वाले होते हैं।

नीचे निगाहें

जो बातचीत करते समय अपनी दृष्टि नीचे की ओर रखते हैं वे पापात्मा,अपराधी,गुनाहगार,नीच चरित्र वाले होते हैं। अगर इनकी बातचीत करते समय दृष्टि पैर पर केंद्रित है तो समझना चाहिए कि वे अपनी गलती के लिए मन ही मन क्षमा मांग रहे हैं। जिनकी दृष्टि देखते समय या बातचीत के समय अपने सामने वाले व्यक्ति के कटिप्रदेश पर केंद्रित होती है। वे व्यक्ति कलुषित भावना, पाशविक,यौन जिज्ञासु तथा भ्रष्ट चरित्र वाले होते हैं जिनकी गणना अधम व्यक्तियों में की जाती है।

इधर उधर नजरें

जो लोग बात करते वक्त अपनी दृष्टि इधर उधर घुमाते हैं या अपनी नजर झुकाकर बातचीत करते हैं ऐसे व्यक्ति विश्वासघाती,भीरू,दुष्ट, छलकपट भरे हृदय वाले तथा निंदक होते है। बातचीत समाप्त होने के बाद आप जैसे ही जाने के लिए उद्यत होंगे तो ऐसा व्यक्ति फिर आपकी पीठ पर अपनी दृष्टि डालेगा ऐसे लोगों से सावधान रहना हितकर रहता है।

असफलता से न हों परेशान...

लोगों को अवसाद में घिरकर जीवन समाप्त करते देखना इन दिनों आम हो गया है। व्यक्तिगत कारण हों या ऑफिस से ज्यादा अपेक्षाएं पाल लेना, ऐसी घटनाओं का केंद्र-बिंदु यही होता है कि हम वास्तविकता की अनदेखी कर देते हैं। निराशा या क्रोध हमें तभी घेरते हैं, जब दूसरे व्यक्ति से तथाकथित अपेक्षित उत्तर नहीं मिल पाता। सच पूछा जाए तो हमारी खुशियां अपेक्षाओं की मोहताज हैं। बेटे का आशानुरूप रिजल्ट आया तो खुशियां दोगुनी, अन्यथा नहीं। समयानुकूल प्रमोशन मिला तो खुश, नहीं तो उदासी ही उदासी। असली और आंतरिक खुशी का एहसास करना हो तो अपनी अपेक्षाओं को नियंत्रण में रखना सीखें। तभी अपनी असफलताओं से दुःख नहीं, बल्कि सीख मिलेगी। वास्तव में हम अपना आकलन कर खुद को सीमाओं में बांध लेते हैं, पर दूसरों से हम हद से ज्यादा उम्मीद रखने लगते हैं। हालांकि दूसरा पहलू यह भी है कि उम्मीदें हमें कर्मपथ पर अग्रसर करती हैं। अपेक्षाएं मनोबल बढ़ाती हैं। विद्यार्थी अपने माता-पिता की आकांक्षाओं के अनुरूप ढलने में ऊर्जा के साथ-साथ प्रसन्नता का अनुभव करते हैं। कर्मचारी अपने मालिक की आकांक्षाओं के अनुरूप ढलकर कंपनी की प्रगति में सहायक होते हैं। बस, इन अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए बहुत ज्यादा दबाव नहीं बनाना चाहिए। अपेक्षा किसी की योग्यता के विपरीत भी नहीं बनानी चाहिए। इसलिए जिससे उम्मीदें रखते हैं, उसकी योग्यता और कार्यक्षमता की पहचान कर लेनी चाहिए।

कैसे मिलेगा मोक्ष...?

जीवन, मरण, लोक, परलोक, स्वर्ग और नरक आदि गूढ़ विषय यदि सद्साहित्य और विज्ञान में तलाशें तो इनके लिए कोई समान सार्वत्रिक नियम नहीं है, लेकिन प्रत्येक जीव की स्व कर्मानुसार विभिन्न गति होती है, यही कर्मविपाक का सर्वतंत्र सिद्धांत है। सार यह निकलता है कि जीव कर्मानुसार स्वर्ग और नरक आदि लोकों को भोगकर पुनरपि मृत्युलोक में जन्म धारण करे और प्राणी जीवत्व भाव से छूटकर जन्म मरण के प्रपंच से सदा के लिए उन्मुक्त हो जाए।

आत्मा के बारे में साधारणतया माना जाता है कि वह शरीर के हर हिस्से और रेशे रेशे में रहती है। यानी जहां भी संवेदना होता है, वहीं उसकी उपस्थिति महसूस की जाती है। इस मान्यता को यथार्थ और तथ्य की कसौटी पर कसें तो बाल और नाखून जैसे हिस्सों में उसका वास नहीं होना चाहिए। लेकिन शास्त्रों की मानें तो आत्मा मूलतः मस्तिष्क में निवास करती है। योग की भाषा में उस केंद्र को सहस्रार चक्र या ब्रह्मरंध्र कहते हैं। अब विज्ञान भी इस बात की पुष्टि करने लगा है। विज्ञान के अनुसार मृत्यु के बाद आत्मा या चेतना शरीर के उस भाग से निकल कर बाहरी जगत में फैल जाती है। शास्त्र की भाषा में दूसरे लोकों की यात्रा पर निकल जाती है। मृत्यु का करीब से अनुभव करने वाले या मृत करार दिए गए किंतु फिर जी उठे लोगों के अनुभवों के आधार पर यह सिद्धांत काफी चर्चा में है। विज्ञान के अनुसार शरीर की तंत्रिका प्रणाली से व्याप्त क्वांटम जब अपनी जगह छोड़ने लगता है तो मृत्यु जैसा अनुभव होता है। इस सिद्धांत या निष्कर्ष का आधार यह है मस्तिष्क में क्वांटम कंप्यूटर के लिए चेतना एक प्रोग्राम की तरह काम करती है। यह चेतना मृत्यु के बाद भी ब्रह्मांड में परिव्याप्त रहती है। एरिजोना विश्वविद्यालय में एनेस्थिसियोलॉजी एवं मनोविज्ञान विभाग ने इस सिद्धांत को आगे बढ़ाया है। प्रयोग और शोध अध्ययनों के अनुसार आत्मा का मूल स्थान मस्तिष्क की कोशिकाओं के अंदर बने ढांचों में होता है जिसे माइक्रोट्यूबुल्स कहते हैं। वैज्ञानिकों ने इस सिद्धांत को आर्वेक्स्ट्रेड ऑब्जेक्टिव रिडक्शन (आर्च-ओर) का नाम दिया है। इस सिद्धांत के अनुसार हमारी आत्मा मस्तिष्क में न्यूरॉन के बीच होने वाले संबंध से कहीं व्यापक है।

इस तरह रहती है आत्मा

दरअसल, आत्मा निर्माण उन्हीं तंतुओं से हुआ जिससे ब्रह्मांड बना था। यह आत्मा काल के जन्म से ही व्याप्त थी। इस निष्कर्ष के बाद भारतीय दर्शन या योग अध्यात्म की इस मान्यता को काफी बल मिला है कि चेतना या आत्मा विश्व ब्रह्मांड का ही एक अभिन्न अंग है। शरीर में उसकी एक किरण या स्फुलिंग मात्र रहता है। मृत्यु जैसे पट परिवर्तन में माइक्रोट्यूबुल्स अपनी क्वांटम अवस्था गंवा देते हैं, लेकिन इसके अंदर के अनुभव नष्ट नहीं होते। आत्मा केवल शरीर छोड़ती है और ब्रह्मांड में विलीन हो जाती है। हृदय काम करना बंद हो जाता है, रक्त का प्रवाह रुक जाता है, माइक्रोट्यूबुल्स अपनी क्वांटम अवस्था गंवा देते हैं, लेकिन वहां मौजूद क्वांटम सूचनाएं नष्ट नहीं होतीं।वे व्यापक ब्रह्मांड में वितरित एवं विलीन हो जाती हैं। यदि रोगी ठीक नहीं हो पाता और उसकी मृत्यु हो जाती है तो क्वांटम सूचना शरीर के बाहर व्याप्त है। धर्म परंपरा इस अनुभव को स्मृति और संस्कार के साथ शरीर के बाहर रहने और उपयुक्त स्थितियों का इंतजार करना बताते हैं। दूसरे शब्दों में आत्मा पुनर्जन्म की तैयारी करने लगती है।

स्व कर्मानुसार गति

जीवन, मरण, लोक, परलोक, स्वर्ग और नरक आदि गूढ़ विषय यदि सद्साहित्य में तलाशें तो इनके लिए कोई समान सार्वत्रिक नियम नहीं है, लेकिन प्रत्येक जीव की स्व कर्मानुसार विभिन्न गति होती है, यही कर्मविपाक का सर्वतंत्र सिद्धांत है। सार यह निकलता है जीव कि कर्मानुसार स्वर्ग और नरक आदि लोकों को भोगकर पुनरपि मृत्युलोक में जन्म धारण करे और दूसरे जिसमें प्राणी जीवत्व भाव से छूटकर जन्म मरण के प्रपंच से सदा के लिए उन्मुक्त हो जाए। वेदादि शास्त्रों में उक्त दोनों गतियों को कई नामों से जाना गया है। श्रीमद् भगवद् गीता के अनुसार देव, मनुष्य आदि प्राणियों की मृत्यु के अनन्तर दो गतियां होती है। इस जंगम जगत के प्राणियों की अग्नि, ज्योति, दिन, शुक्ल पक्ष और उत्तरायण से उपलक्षित अपुनरावृत्ति-फलक प्रथम गति तथा धूम, रात्रि, कृष्णपक्ष और दक्षिणायन से उपलक्षित पुनरावृत्ति-फलक दूसरी गति अनादि काल से चली आ रही है। इसमें दूसरे मार्ग से प्रयाण करने वाला प्राणी कर्मानुसार पुनः पुनः जन्म मरण के वक्र चक्र में पड़कर आ-ब्रह्मलोक परिभ्रमण करता रहता है, लेकिन प्रथम मार्ग से प्रयाण करने वाला जीव सूर्यमंडल भेदन करके सर्वदा के लिए जन्म और मरण के बंधन से छूट जाता है, अर्थात् मोक्ष को प्राप्त हो जाता है।

मोक्ष को लेकर मतभेद

मोक्ष के अर्थ के लिए साधारण सी भाषा में प्रायः कह दिया जाता है कि छुट्टी मिल गई, मुक्ति हो गई, पीछा छूटा, झंझटों से दूर हुए, ब्रह्म में लीन हो गए, सांसारिक बंधनों से छुटकारा मिल गया, जन्म-जन्मान्तर के चक्कर से मुक्ति मिल गई आदि। दार्शनिक विचारकों में मोक्ष के विषय में मतभेद है, चार्वाक् के अनुसार देहनाश अर्थात् शरीर का अन्त ही मोक्ष है। शून्यवाद बौद्ध आत्मा के उच्छेद को मोक्ष मानते हैं। अन्य बौद्ध निर्मल ज्ञान की उत्पत्ति को मोक्ष कहते हैं। जैन दर्शन के अनुसार कर्म से उत्पन्न आवरण के नाश से जीव का निरन्तर ऊपर उठना ही मोक्ष है। वैशिषिक का मत है कि आत्मा के समस्त विशेष गुणों का अभाव होना ही मोक्ष है। नैर्यायक कहते हैं कि 21 प्रकार के दुःखों यानी 6 ज्ञानेन्द्रिय, उनसे उत्पन्न 6 ज्ञान, उनमें 6 विषय, सुख-दुख और शरीर की आत्यन्तिक निवृत्ति मोक्ष है। मीमांसकों के अनुसार विहित वैदिक कर्म के द्वारा स्वर्ग को प्राप्त करना ही मोक्ष है। सांख्य दर्शन का मत है कि प्रकृति जब पूर्णतया उपरत हो जाए तब पुरुष का अपने स्वरूप में स्थित होना मोक्ष है, योग दर्शनकार के अनुसार चित्शक्ति का निरूपाधिक रूप से अपने आप में स्थित होना मोक्ष है रामानुज सम्प्रदाय में ईश्वर के गुणों की प्राप्ति के साथ ईश्वर के स्वरूप का अनुभव होना मोक्ष है। माहवमत में दुःख से मिले पूर्ण सुख की प्राप्ति ही मोक्ष है। मोक्ष अवस्था में जीव को ईश्वर के तीन गुण यानी सृष्टि कर्तव्य, लक्ष्मीपतित्व और श्रीवत्स की प्राप्ति को छोड़कर सब कुछ प्राप्त होता है। पाशुमत दर्शन में परमेश्वर बन जाना, शैव, दर्शन में शिव हो जाना और प्रत्यभिज्ञा दर्शन में पूर्ण आत्मा की प्राप्ति को मोक्ष कहा गया है। रसेश्वर दर्शन में रस के सेवन से देह का स्थिर हो जाना और जीते जी मुक्त होना मोक्ष है। वैयाकरणों का कहना है कि मूलाधार चक्र में स्थित परा नामक ब्रह्मरूपणी वाक् का दर्शन कर लेना ही मोक्ष है। अद्वैत वेदान्तों में मूल दर्शन कर लेना ही मोक्ष है। अद्वैत वेदान्त में मूल ज्ञान के नष्ट हो जाने पर अपने स्वरूप की अनुभूति अर्थात् आत्म साक्षात्कार ही मोक्ष है।

मोक्ष प्राप्ति के साधन

वाणी का संयमः मौन अर्थात् इन्द्रियजीत होकर वाणी का संयम कर ले। वाणी का प्रयोग कभी सांसारिक कार्यों में न करें। ब्रह्मचर्य व्रत अर्थात् ब्रह्मचर्य का विधिवत् पालन करें। श्रुति कहती है कि केवल ब्रह्मचर्य व्रत से ही जीव की मुक्ति हो जाती है। शास्त्र श्रवण निरंतर करते रहें और श्रवण के बाद उसका सतत् मनन और निदिध्यासन चलता रहे तो भी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

अहं को मिटा दें: तप अर्थात् तपस्या से अहं मिटता है, तपस्या की उत्तरोत्तर वृद्धि से ब्राह्मी स्थिति को जीव प्राप्त होता है अर्थात् ब्रह्म में लीन हो जाता है। अध्ययन अर्थात् बुद्धि का व्यायाम। निरन्तर शास्त्र अध्ययन और तदनुसार उसका चिन्तन-मनन जीव को ब्रह्मावगामिनी बनाता है। भगवद् गीता के अनुसार भी बुद्धि के समीप ही तो ब्रह्म है।

स्वधर्म पालनः स्वधर्म पालन अर्थात् जिस वर्ण के हों, जिस मत के हों, जिस आश्रम आदि के हों, धर्म का पालन करते रहें- यह भी मोक्ष का मार्ग है। शास्त्रों की व्याख्या अर्थात् शास्त्रों की प्रबल युक्तियों द्वारा युक्तियुक्त व्याख्या करें। यह भी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। व्याख्या करते समय बुद्धि अत्यन्त सूक्ष्म हो जाती है और ब्रह्म तो सूक्ष्मातिसूक्ष्म है। स्थूल बुद्धि वाले तो स्थूल शरीर ही पा सकते हैं।

एकांतवासः एकांतवास अर्थात् संसारी कोलाहल और चकाचौंध से दूर। एकान्तवास का अर्थ अपने दायित्वों से भागकर पर्वत, जंगल, आश्रम आदि में भाग जाना कदापि नहीं है। जप अर्थात् निरंतर नाम मंत्र जप वाला भी मोक्ष को प्राप्त होता है। मंत्र जाप की महिमा का इससे बड़ा कोई उदाहरण हो ही नहीं सकता, जो शिव जी ने पार्वती जी से कहा- हे वरानने पार्वती मैं तीन बार प्रतिज्ञा करके कहता हूं कि केवल जप मात्र से ही इष्ट कार्य की सिद्धि हो जाती है। अब यह बात निर्भर करती है अपने-अपने बुद्धि और विवेक पर कि व्यक्ति को भौतिक सुखों की चाह है या इससे विमुख होकर पारलौकिक सुखों की।

समाधि से भी मुक्तिः समाधि भी मुक्ति का एक निमित्त बताया है। शास्त्रकारों के अनुसार आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और अन्ततः समाधि यह छह योग हैं। इनमें प्रथम तीन तो बाह्य साधना और अन्तिम तीन-धारणा, ध्यान और समाधि आंतरिक साधन कहलाते हैं। समाधि से मन एकाग्र होता है परंतु साथ में मन निर्मल होना परम आवश्यक है, नहीं तो पुनः जीव भौतिक वाद में पहुंच जाएगा। जब शरीर में मल न रहकर निर्मल बन जाए, मन में विक्षेप न होकर बिना विक्षेप के बन जाए और बुद्धि का आवरण हटकर निरावरण बन जाए तो समाधि से मोक्ष की अवस्था प्राप्त हो जाती है।

कई मर्ज की दवा है देसी गुलाब

भारत में गुलाब की बहुत सी प्रजातियां पाई जाती हैं। जिनमें से देसी गुलाब बहुत ही लाभदायक फूल है। यह केवल गुलाबी और लाल रंग की मनमोहिनी खुशबु में पाया जाता है। सर्दी का मौसम आते ही गुलाब का पौधा प्रत्येक घर की शोभा बढ़ाता है क्योंकि गर्मी की अपेक्षा यह सर्दी के मौसम में जल्दी बढ़ता है। इनकी जितनी देखभाल की जाए उतना ही यह महकेंगे। देसी गुलाब की कलमें सितम्बर के अंत में लगाई जाती है जो अक्टूबर माह में तैयार हो जाती है। मौसम ठंडा होते ही इनकी कलमों को लगाया जा सकता है। इनको लगाने के लिए मिट्टी में गोबर की खाद का प्रयोग सबसे बेहतर विकल्प है। गुलाब सौंदर्य प्रसाधन के रूप में तो लाभदायक होता ही है, साथ ही सेहत का भी खजाना है।

गुलाब के अन्य फायदे

- आंखों में जलन हो रही हो तो गुलाब जल से आंखों में छिट्टे मारें।
- सिर दर्द में गुलाब का तेल लगाने से राहत मिलती है।
- गुलाब का इत्र लगाने से बदन महक उठता है।
- गुलाब के फूलों में भरपूर मात्रा में रेशे पाए जाते हैं इसलिए यह कब्ज नाशक होता है। पुराने से पुराना कब्ज जड़ से खत्म करने के लिए 4 मुनक्के, आधा चम्मच सौंफ और 250 ग्राम गुलाब की पत्तियां 1 गिलास पानी डालकर उबाल लें। जब पानी आधा रह जाए तो इसे सर्दी में गर्म और गर्मी में ठंडा करके पीएं।
- 2 चम्मच गुलकंद रात को सोते समय गर्म दूध के साथ खाने से कब्ज में आराम मिलता है।
- मुंह में छाले हो गए हो तो गुलकंद वाला पान खाने से राहत मिलती है।
- गुलाब की पंखुड़ियों से उबटन बना कर चेहरे पर लगाने से निखार आता है।
- मुंह की बदबू को दूर करने के लिए कुछ भी खाने के उपरांत थोड़ा सा गुलकंद खाएं।
- सर्दी के मौसम में होंठ सुखने लगते हैं अथवा फट जाते हैं। गुलाब की पत्तियों को पीसकर उसके रस को ग्लिसरीन में मिला कर लगाने से होंठ लाल, नरम और चमकदार हो जाते हैं।
- चेचक के रोगी के बिस्तर पर गुलाब की पंखुड़ियां का सूखा चूर्ण डालने से दानों के जख्म ठंडक पा कर सूख जाते हैं।
- टीवी के रोगी को प्रतिदिन गुलाब की पंखुड़ियों का सेवन करना चाहिए।
- पायरिया के रोगियों को प्रतिदिन गुलाब की पंखुड़ियां चबानी चाहिए। इससे रोग में लाभ के साथ-साथ दांत मजबूत होते हैं।

बुद्धि बंधन है, बुद्धि से मुक्त हों...

प्रेम आत्मा का भोजन है, प्रेम परमात्मा की ऊर्जा है जिससे प्रकृति का सारा सृजन होता है। आध्यात्म जगत में प्रेम से ज्यादा महत्त्वपूर्ण कोई शब्द नहीं है। यही वह रसायन है जो आत्मा को परमात्मा से जोड़ देता है। जब आप प्रेम में उतर जाते हो तो प्रेम का प्रत्युत्तर आपने आप आना शुरू हो जाता है। आप सद्गुरु की आंखों में प्रेम से झांकते हो तो सद्गुरु की प्रेम ऊर्जा आपको ऐसे लपेटने लगती है कि आप मंत्रमुग्ध होकर उसी के हो जाते हो। सद्गुरु को पकड़ो। पकड़ने का अर्थ है सबसे पहले वहां साष्टांग हो जाओ, झुक जाओ यानी अहंकार के विसर्जन का, प्रेम का, प्रीती का अभ्यास सद्गुरु के चरणों से शुरू करो। एक बात और है प्रेम करना नहीं होता, प्रेम तो स्वयं हो जाता है। लेकिन इस प्रेम के होने में बुद्धि सबसे बड़ी बाधा बन जाती है। बुद्धि सोच विचार करती है। तर्क वितर्क करती है, वह खुले हृदय से अनुभव नहीं करने देती है। बुद्धि बंधन है, उसी से मुक्त होना है और उपलब्ध रहना है उन प्रेम के क्षणों में।

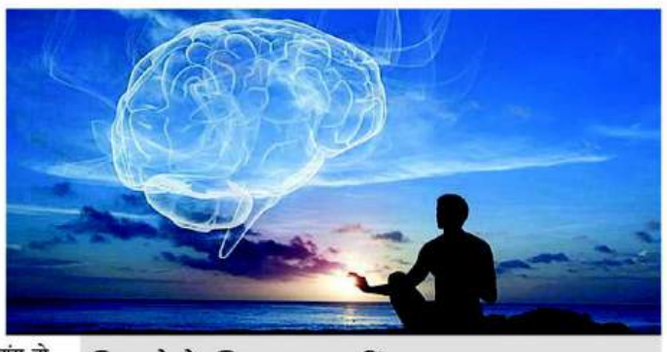

छिपाने के लिए कुछ नहीं

प्रेम की भूल-भुलैया का जरा अनुभव तो करो, लेकिन बुद्धि से नहीं, हृदय खोलकर प्रेम का दिया बनो। प्रेम का अर्थ होता है दूसरों को इतना अपना बना लेना कि कुछ छिपाने को बचे ही नहीं। आपको, जब आपको लगने लगे कि उससे छिपाने को कुछ भी नहीं रहा तब समझना कि आपको सच्चे अर्थों में प्रेम हो गया है। सद्गुरु ही एकमात्र व्यक्ति है जो निःस्वार्थ प्रेम करता है। उसे आपसे कुछ पाना नहीं है। उसे तो अपना सब कुछ आपके ऊपर लुटाना है। उसके प्रति प्रेम करने में कठिनाई का अनुभव नहीं होना चाहिए।

प्रेम साधना है

ऋषियों ने कहा है, प्रकृति से प्रेम करो। फिर धीरे-धीरे मनुष्य पर आओ। मनुष्य से आकर आप सीधे परमात्मा तक पहुंचोगे। ऋषियों ने पहाड़ों को पूजा, नदियों को पूजा, वृक्षों को पूजा, चांद-तारों को पूजा। किसलिए? उन्होंने संदेश दिया कि सारी पृथ्वी से प्रेम करो। विराट अस्तित्व ही परमात्मा है। सबके प्रति प्रेम से इतना भर जाओ कि आपकी लय, आपका संगीत, आपका छंद उस परमात्मा से जुड़ जाए जो-जो शरीर में है वह सब ब्रम्हांड में है। सारे धर्म इसी बात का विज्ञान हैं और कुछ नहीं। प्रेम की एक ही साधना है, एक ही संकल्पना है जिसके साध लेने पर आध्यात्म की सारी साधनाएं प्रकट हो जाएंगी।

प्रेम के तीन तल

प्रेम के तीन तल होते हैं। पहला तल शरीर का तल है जहां आप गिरते हो। वासना के वशीभूत होकर परस्पर प्रेम करना वास्तव में प्रेम है ही नहीं। वह तो स्वार्थ है, छलावा है। एक-दूसरे की आवश्यकता की पूर्ति मात्र है। दूसरा तल है मन का तल, जब बात शरीर से ऊपर उठकर मन तक आ जाती है। मन से चाहने लगते हो। तीसरा तल है आत्मा का तल। सूक्ष्मतम अस्तित्व आत्मा, जब वह प्रेम एक दूसरे की आत्मा से जुड़ जाता है यानी एक दूसरे की आत्मा में बस जाते हो तब आप दो नहीं रहते एक हो जाते हो। आत्मसात हो जाते हो परस्पर। ऐसा निःस्वार्थ प्रेम वासना रहित होता है। इसलिए ऐसा प्रेम करो। ऐसा प्रेम ही परमात्मा से आपका साक्षात्कार करा देगा।

नेगेटिव एनर्जी से बचें...

शास्त्रों, वास्तु और फेंगशुई के अनुसार हर दिशा का अपना महत्व है। उसी के अनुरूप उस जगह पर नकारात्मक अथवा सकारात्मक शक्तियों का वास होता है। वास्तु में सूर्य को ब्राह्म में ऊर्जा का स्त्रोत माना जाता है। इसी कारण पूर्व दिशा ऊर्जा का केंद्र रहती है पश्चिम में सूर्य अस्त होता है जहां उसकी ऊर्जा का ह्रास होता है और इसी दिशा पर शनिदेव वास करते हैं। शास्त्रों में दैवीय ऊर्जा का उद्गमन उत्तर पूर्व दिशा कही गई है। इसे ईशान कोण भी कहा जाता है। इसी दिशा से सारी दैवीय शक्तियां संचालित होती हैं। यही स्थान ईश्वर को भी समर्पित है इसके विपरीत दक्षिणी पश्चिम दिशा अर्थात साउथ वैस्ट दिशा पर दैत्यों और पिशाचों का काल वास होता है। जब किसी घर में पूर्व से सूर्य की किरणों को प्रवेश करने में बाधा उत्पन्न हो, उत्तर पश्चिम दिशा से वायु का संचालन बंद हो जाए, उत्तर पूर्व दिशा से जल का स्थान दूषित हो जाए, देव स्थान या घर का मंदिर दूषित हो जाए तो उन जगहों पर नकारात्मक शक्तियों का वास हो जाता है। जिस स्थान पर 43 दिन तक सूर्य की किरणों का संचालन न हो तथा वहां की दिवारों पर नमी के कारण सीलन हो तथा हवा के न संचालित होने से दुर्गन्ध आती हो ऐसे स्थान पर नकारात्मक शक्तियां निवास करती हैं। जिस जमीन पर पूर्वजों का मरघट स्थान हो तथा उस जगह पर कोई व्यक्ति अपना आशियाना बना ले तो वहां नकारात्मक शक्तियां अपना वास बना लेती हैं। पीपल अथवा बरगद को काट कर घर बनाया गया हो। वहां भी पिशाच वास करते हैं। जो घर किसी कॉलोनी अथवा सड़क का आखरी घर हो और जिसके आगे जाकर रास्ता समाप्त हो जाता हो वहां पर भी नकारात्मक शक्तियों का वास होता है। जिस स्थान पर स्वच्छता नहीं होती वहां नकारात्मकता अपना प्रभाव दिखाती है। ऐसे स्थान पर कोई बस नहीं सकता। जिस घर-परिवार में लोग बीमार रहते हैं या स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं से जूझते रहते हैं वहां भी नेगेटिव एनर्जी अपना साम्राज्य स्थापित कर लेती है। घर में पूरी तरह से रोशनी और पानी के न होने से घर-व्यापार पर बुरा प्रभाव पड़ता है। रात को नींद के आगोश में जाने से पहले अधिकतर लोगों को इत्र, डियो अथवा सुंगध को किसी न किसी रूप में अपने शरीर पर लगाना भाता है। पुराणों के अनुसार ऐसा करना नकारात्मक शक्तियों को बुलावा देना है। रात के समय नकरात्मकता सुंगधित काया की ओर विशेष रूप से आकर्षित होती हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**